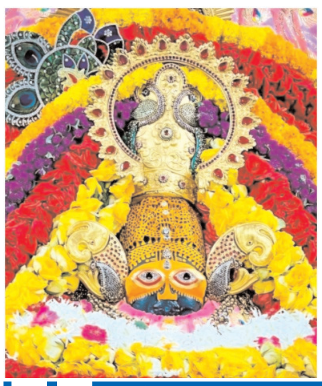

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:311। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 02 जुलाई 2026 (गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

जम्मू-कश्मीर में बादल फटा, अरुणाचल में बाढ़

जुलाई में सामान्य से कम बारिश का अनुमान

एजेंसी

विक्टोरिया। जम्मू-कश्मीर को डोडा में बुधवार सुबह 2 बार बादल फटा। भलेसा के कलालगीसर इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। ढेर सारा मलबा पहाड़ी से बहकर सड़क पर आ गया। इससे रास्ते ब्लॉक हो गए। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड का कहर है। अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। अंजॉ जिले के सारती गांव में लैंडस्लाइड में एक व्यक्ति की मौत हुई।

इधर, मध्य प्रदेश के हरदा-खरगोन में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि बैतूल में एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए। वहीं, चंपा नदी के उफान में बाइक समेत दो युवक बह गए।

बिहार में भी बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। यूपी के सोनभद्र में 4 बजे पिकनिक मनाने गए 3 लोग बरसाती नाले के तेज बहाव में बह गए।

एमपी-बिहार में बिजली गिरने से 8 की मौत

एक ही मौत हुई। उत्तराखंड में बारिश से देहरादून में रिस्पना नदी उफान पर है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए ऋषिकेश में मंगलवार शाम से राफ्टिंग पर 31 अगस्त तक रोक लगा दी गई है। नवी मुंबई में लगातार हो रही बारिश के बीच बुधवार को सड़क पर भरे पानी में करंट फैल गया। इस दौरान नेरुल के एलपी ब्रिज के नीचे से गुजर रहीं टू-व्हीलर सवार दो छात्राएं करंट लगने से गिर गईं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दिल्ली-राजस्थान को छोड़ पूरे देश में मानसून पहुंचा

मानसून ने बुधवार को पंजाब और हरियाणा में एंट्री कर ली। अब दिल्ली और राजस्थान को छोड़ पूरे देश में मानसून पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि जुलाई में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है।

देश में जून में 39.8 फीसदी कम बारिश

देश में इस साल जून महीने में 1901 के बाद पांचवीं सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, जून में सामान्य 165.3mm के मुकाबले केवल 99.5mm बारिश हुई, जो 39.8फीसदी कम है। IMD ने बताया कि अगले दो से तीन दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और पूरे जम्मू-कश्मीर में पहुंच सकता है।

व्हाट्सएप यूजरनेम फीचर पर सरकार सख्त

• मेटा को नोटिस भेजकर तीन दिन में मांगा जवाब

रोल आउट पर लगाई रोक

एजेंसी

लखनऊ । व्हाट्सएप के नए यूजरनेम फीचर पर अब सवाल उठने लगे हैं। सुरक्षा को लेकर शुरू हुई बहस के बीच सरकार की सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस फीचर की मदद से कोई भी उपयोगकर्ता सरकारी एजेंसियों, बैंकों या जानी-मानी हस्तियों से मिलते-जुलते यूजरनेम बनाकर लोगों के साथ धोखाधड़ी कर सकता है। फर्जी पहचान और ऑनलाइन धोखाधड़ी की आशंकाओं को देखते हुए सरकार ने व्हाट्सएप को नोटिस भेजकर फीचर की पूरी जानकारी मांगी है।

रोल आउट पर लगाई रोक

सूत्रों के मुताबिक सरकार ने भारत में व्हाट्सएप में यूजरनेम फीचर लाने को लेकर मेटा को नोटिस जारी किया है। सरकार ने मेटा से यूजरनेम फीचर के बारे में तीन दिनों के भीतर विस्तृत जानकारी देने को कहा है। सरकार ने मेटा से कहा है कि जब तक इस मुद्दे पर बातचीत पूरी नहीं हो जाती, तब तक व्हाट्सएप यूजरनेम फीचर को रोल आउट न करें।

सरकार को आशंका है कि व्हाट्सएप के इस नए फीचर की वजह से ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले बढ़ सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगी। सरकार इस फीचर के कानूनी ढांचे और संबंधित प्रावधानों की समीक्षा कर रही है। सरकार व्हाट्सएप से इस फीचर के प्रभाव, सुरक्षा उपायों और भविष्य की योजनाओं पर स्पष्टीकरण मांगेगी। भारत में व्हाट्सएप के लगभग 50 करोड़ उपयोगकर्ता हैं। वहीं, व्हाट्सएप का दावा है कि यह फीचर उपयोगकर्ताओं की निजता बढ़ाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

खाकी की वर्दी में छिपा मौत का सौदागर

PI पटेल के सीधे संरक्षण में चल रहा है हफ्ताखोरी और मौत बांटने का करोड़ों का काला साम्राज्य

23 लाख के शराब कांड का दागदार 'हनु कामड़िया' कैसे बना करजण का बेताज बादशाह ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा / करजण। गुजरात की धरती पर जहां सरकार पूर्ण शराबबंदी और 'जीरो टॉलरेंस' का दम भरती है, वहीं वडोदरा जिले के करजण तालुका में पुलिस तंत्र ही शराब और नशे की नदियों का मुख्य संरक्षक बन बैठा है। यह सिर्फ एक खबर नहीं, बल्कि सिस्टम के मुंह पर करारा तमाचा है। कागजों पर जो पुलिस कानून की रखवाली के लिए तैनात है, असल में वही खाकी वर्दी पहनकर करजण के गांव-गांव में मौत का सामान बिकवा रही है। इंग्लिश शराब से लेकर केमिकल युक्त जहरीली देसी शराब, वरली मटका का जुआ और युवाओं की नसों में जहर घोलने वाला चरस-गांजा... यह सब कुछ पुलिस के सीधे आशीर्वाद से चल रहा है। इस महाभ्रष्टाचार के केंद्र में है करजण पुलिस स्टेशन के डी-स्टाफ का एक ऐसा 'वहीवटदार' (सिस्टम ऑपरेटर), जिसने पूरी कानून व्यवस्था को अपनी जेब की जागीर समझ लिया है और अब वह एक खूंखार सिंडिकेट चला रहा है।

मौत का खुला व्यापार और वडोदरा से आते जुआरी: करजण के चार सबसे खूंखार डेंजर ज़ोन

कुराली (पानी की टंकी के पास): यह इलाका अब नई नगरी के नाम पर सरेआम वरली मटका और जुए का सबसे बड़ा अड्डा बन चुका है। यहां के युवाओं का भविष्य सरेआम दांव पर लगाया जा रहा है और पुलिस जानबूझकर अपनी आंखें बंद किए बैठी है।

सापा गांव (नई वसाहत): यह गांव अब करजण का नहीं, बल्कि पूरे वडोदरा शहर के बड़े जुआरियों के लिए एक 'सेफ हेवन' यानी सुरक्षित पनाहगाह में तब्दील हो चुका है। हर दिन बाहर से महंगी गाड़ियों में जुआरी यहां अपनी किस्मत आजमाने आते हैं, और स्थानीय पुलिस को इस अय्याशी का मोटा कमीशन सीधा पहुंचता है।

कंडारी गांव: गांव के हर नुक्कड़ और चौराहे पर देसी शराब के खुले बिक्री केंद्र चल रहे हैं। असामाजिक तत्वों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें किसी भी कानून, किसी भी अधिकारी का रत्ती भर भी खौफ नहीं रह गया है। यह गांव अब नशेड़ियों की शरणस्थली बन चुका है।

વડોદરામાં પ્રથમવાર પોલીસ કર્મચારી સામે પ્રોહિબિશન એક્ટની કાર્યવાહી

રૂા.23 લાખના દારૂની હેરાફેરીમાં કરજણના કોન્સ્ટેબલની ધરપકડ

બૂટલેગરો સાથે 100 થી વધુ વખત મોબાઈલ પર વાતચીત થઈ હતી

ક્રાઇમ રિપોર્ટર | વડોદરા

કરજણના ખેતરમાં રૂા. 23 લાખના વિદેશી દારૂની હેરાફેરીમાં સ્થાનિક પોલીસ સ્ટેશનના કોન્સ્ટેબલની સંડોવણીની જાણ થતા પીઆઇએ ધરપકડ કરી છે. વડોદરા જિલ્લામાં સૌપ્રથમવાર પોલીસ કર્મચારી સામે પ્રોહિબીશન એક્ટની કલમ 97 મુજબ કાર્યવાહી કરવામાં આવી છે. કોન્સ્ટેબલે બે બૂટલેગરો સાથે 100 થી વધુ વખત મોબાઈલ પર વાતચીત કરી હોવાનો ઘટસ્ફોટ થયો હતો. બૂટલેગર પરેશ ઉર્ફે ચકો અને નયન સહિત અત્યાર સુધી 17 શખ્સોની ધરપકડ થઇ છે જ્યારે ફાર્મના કેરટેકર ભરત જાડેજાની ધરપકડના ચક્રોગતિમાન કર્યા છે.

કોન્સ્ટેબલ હનુ કામડિયા

બૂટલેગર નયન ઉર્ફે બોબડો કરજણના દેથાણની સીમમાં દારૂની હેરાફેરી કરતો હોવાની બાતમી મળતાં આર.આર. સેલની ટીમે બૂટલેગર પરેશ ઉર્ફે ચકો સહિત 14 શખ્સોને ઝડપી પાડી 40.23 લાખનો મુદ્દામાલ જપ્ત કર્યો હતો. હાલ વડોદરા રહેતા સામંતભાઈ મેરે ફાર્મને સાચવણી માટે ભરતસિંહ જાડેજાને રાખ્યા હોઇ તેણે કરજણ ડી સ્ટાફના કોન્સ્ટેબલ હનુ લુણવીર કામડિયા દારૂનું કટિંગ કરવા માટે જગ્યા આપી હોવાનો ઘટસ્ફોટ થયો હતો.

હનુ કામડિયા મહિલાના નામનો ડમી મોબાઈલ નંબર ઉપયોગ કરતો હતો

પોલીસે બૂટલેગર પરેશ ઉર્ફે ચકો અને નયન ઉર્ફે બોબડાની તપાસ કરતાં એક મોબાઇલ નંબર પર બંને સતત વાતચીત કરતા હોવાનું જણાયું હતું. પોલીસે આ નંબર વિશે પૂછતાછ કરતાં ડી સ્ટાફના પોલીસ કર્મી હનુ કામડિયાનો હોવાનો ઘટસ્ફોટ થયો હતો. દારૂ પકડાયા બાદ તેણે આ નંબર બંધ કરી દીધો હતો. આર.આર.સેલે ઓપરેશન પાર પાડ્યુ ત્યારે હનુ રજા પર હતો. આ બંને મોબાઇલ એક જ જગ્યાએ એક્ટિવ હોઇ તેની સંડોવણી સ્પષ્ટ થઇ ગઇ હોવાનું સૂત્રોમાંથી જાણવા મળ્યું છે.

દારૂ કેસમાં વધુ 6 ની ધરપકડ બાકી

દારૂના ચકચારી કેસમાં પોલીસે અત્યાર સુધી 17 લાકોની ધરપકડ કરી છે. આ કેસમાં ગાજરાવાડીનો બૂટલેગર લાલજી રબારી, કરજણનો રફીક, પાલેજનો ઉપેન્દ્ર પટેલ, મેથી ગામનો સોમભાઈ અને નયનના 2 માણસો સહિત 6 જણાની હજુય ધરપકડ બાકી હોઇ શોધખોળ ચાલી રહી છે.

करमडी गांव: यह करजण का वह डार्क स्पॉट है जो चौबीसों घंटे जहर उगलने वाली देसी शराब की भट्टियों का मुख्य हब बन गया है। केमिकल युक्त जानलेवा शराब का यहां इतने बड़े पैमाने पर उत्पादन हो रहा है कि कभी भी यहां मौत का तांडव मच सकता है। क्या यह भ्रष्ट पुलिस तंत्र करजण की धरती पर एक और भयानक 'लट्ठाकांड' (जहरीली शराब कांड) होने और सैकड़ों मासूमों की लाशें बिछने का इंतजार कर रहा है?

जेल की सलाखों के पीछे से लौटकर आया दागदार कॉन्स्टेबल फिर कैसे बन गया 'कमाऊ पूत'?

इस पूरे खौफनाक और अवैध नेटवर्क का असली मास्टरमाइंड कोई आम अपराधी नहीं, बल्कि करजण पुलिस का ही कलंकित कॉन्स्टेबल हनुभा उर्फ हनु कामड़िया है।

हनु कामड़िया

इस शख्स का आपराधिक इतिहास खुद पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज है। इससे पहले यह करीब 23 लाख रुपये के विदेशी शराब के एक महाघोटाले में बूटलेगरों (शराब तस्करों) के साथ सीधी साठगांठ करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। इस जुर्म में यह जेल की हवा भी खा चुका है और इसे सस्पेंड करके जिले से बाहर फेंक दिया गया था। लेकिन लोकतंत्र और सिस्टम का सबसे बड़ा मजाक देखिए! जेल से छूटते ही, पता नहीं किस ताकतवर राजनीतिक आका के इशारे पर, इस दागदार और नफ्फट कॉन्स्टेबल को दोबारा उसी करजण पुलिस स्टेशन में सबसे मलाईदार पोस्टिंग दे दी गई। करजण के पी.आई. पटेल के लिए यह हनुभा सोने का अंडा देने वाली मुर्गी और सबसे बड़ा 'कमाऊ पूत' साबित हो रहा है। पी.आई. पटेल की मजबूत छत्रछाया में, हनुभा ने फिर से पुराने बूटलेगरों के साथ अपना नेक्सस बना लिया है और विदेशी शराब की 'कटिंग' का धंधा बेखौफ चला रहा है। सूत्रों का दावा है कि इस काले कारोबार और वसूली के दम पर उसने करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति खड़ी कर ली है और अपना एक अलग आपराधिक साम्राज्य बना लिया है।

एलसीबी तक पहुंच रहा है लाखों का चढ़ावा? राज्य के गृहमंत्री के आदेश करजण की सीमा पर आकर हुए फेल!

इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि करजण में सिर्फ शराब और जुआ ही नहीं, बल्कि गांजा और चरस जैसे सिंथेटिक और खतरनाक नशे का सिंडिकेट भी पूरी तरह से एक्टिव है। जिले की सबसे अहम इकाई, स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) भी इन मौत के अड्डों के खिलाफ पूरी तरह से आंखें मूंदे हुए है। अंदरूनी सूत्रों का स्पष्ट कहना है कि वहीवटदार हनुभा हर महीने लाखों रुपये का हफ्ता ऊपर बैठे आकाओं तक पहुंचाता है। इस वहीवटदार की गुंडागर्दी और दादागिरी इस कदर बढ़ चुकी है कि वह राज्य के माननीय गृहमंत्री और उपमुख्यमंत्री के सख्त आदेशों को भी सरेआम ठेंगा दिखा रहा है और सरकार की साफ-सुथरी छवि को मिट्टी में मिला रहा है।

महानगर मेट्रो के सीधे, कड़े और व्यवस्था से तीखे सवाल:

1. क्या वडोदरा के जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) इस जेल से लौटे भ्रष्ट वहीवटदार हनु कामड़िया और उसे खुला संरक्षण देने वाले पी.आई. पटेल की आय से अधिक संपत्ति की निष्पक्ष जांच कराकर उन्हें तत्काल प्रभाव से सस्पेंड करने की हिम्मत दिखाएंगे, या फिर हफ्ताखोरी का यह खूनी खेल ऐसे ही बदस्तूर चलता रहेगा?

2. गांधीनगर की प्रतिष्ठित स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) की टीम करजण के कुराली, सापा, कंडारी और करमडी गांव के इन मौत के अड्डों पर कब अचानक और गुप्त छापेमारी करेगी? कब इस भ्रष्ट पुलिस-बूटलेगर गठजोड़ के अवैध साम्राज्य पर कानून का बुलडोजर चलाया जाएगा?

3. राजनीतिक आकाओं के इशारों पर नाचने वाले बूटलेगरों और हफ्ताखोर खाकी के इन काले चेहरों के खिलाफ गांधीनगर में बैठी राज्य सरकार अपनी लाल आंख कब करेगी?

महानगर मेट्रो की खुली और अंतिम चेतावनी

करजण की बेबस जनता अब इस नरक और नशे के दलदल से त्राहि-त्राहि कर उठी है। लोगों का गुस्सा अब किसी भी वक्त फूट सकता है। अगर ये नशे के अड्डे और करोड़ों का यह पुलिसिया भ्रष्टाचार तुरंत प्रभाव से बंद नहीं हुआ, तो 'महानगर मेट्रो न्यूज़' इस भ्रष्ट तिकड़ी के खिलाफ एक ऐसा महाविस्फोट करेगा जिसकी गूंज पूरे राज्य में सुनाई देगी। हमारे पास इस नेक्सस के पुख्ता ऑडियो-वीडियो सबूत और करोड़ों की बेनामी संपत्तियों के पक्के दस्तावेज मौजूद हैं जो अगले अंक में जनता के सामने होंगे। तैयार रहिए, क्योंकि सच अब छुपने वाला नहीं है!

कविता का रेवंत सरकार पर हमला

बोलीं- वादे पूरे किए बिना दोबारा सत्ता का सपना

तेलंगाना रक्षा बल प्रमुख ने एजेंडा बदलने की वकालत की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हैदराबाद। तेलंगाना रक्षा बल की अध्यक्ष के. कविता ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि तेलंगाना के विकास का एजेंडा बदलने की जरूरत है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर चुनावी वादों को पूरा किए बिना दोबारा सत्ता में आने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

कविता ने कहा कि सरकार के पास फीस प्रतिपूर्ति जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए पर्याप्त धन नहीं है, लेकिन मूसी परियोजना पर एक लाख करोड़ रुपये खर्च करने की बात की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब छात्रों और गरीबों की बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं हो रही हैं, तब इतनी बड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता क्यों दी जा रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के 12 वर्ष बाद भी गरीबों के जीवन में अपेक्षित बदलाव नहीं आया है। इसी उद्देश्य से तेलंगाना रक्षा बल का गठन किया गया है, ताकि आम लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाया जा सके।

कविता ने दावा किया कि यदि उनकी पार्टी को सत्ता मिली तो गरीबों को बिना किसी आर्थिक बोझ के मुफ्त शिक्षा और मुफ्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य की नीतियों को आम जनता और गरीब वर्ग के हितों के अनुरूप बदला जाएगा।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी मेहनत और समर्पण के साथ काम करने का आह्वान किया और कहा कि जनता के मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष जारी रखा जाएगा।

प्रियांक खड़गे की 'रजिस्ट्रेशन' की मांग पर विवाद के बीच 10 जुलाई से कर्नाटक में आरएसएस की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कर्नाटक के बेलगावी में 10 से 12 जुलाई तक अपनी तीन दिवसीय प्रांत प्रचारक बैठक आयोजित करेगा। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है। यह तब होगा जब हाल ही में कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे लगातार संघ से उसके पंजीकरण दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। इस सालाना संगठनात्मक बैठक में आरएसएस के टॉप लीडर और देशभर से वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे। इनमें आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, सभी प्रांत प्रचारक और अलग-अलग सहयोगी संगठनों के संगठनात्मक सचिव शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में पिछले साल संघ की संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी और आने वाले महीनों में होने वाले कार्यक्रमों और विस्तार की योजनाओं को अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक में संगठनात्मक तालमेल को मजबूत करने, चल रही गतिविधियों के क्रियान्वयन की समीक्षा करने, पहुंच बढ़ाने वाले कार्यक्रमों का विस्तार करने और आरएसएस व उसके सहयोगी संगठनों के लिए प्राथमिकताएं तय करने पर चर्चा होने की उम्मीद है।

जपान की प्रधानमंत्री आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचीं

एजेंसी

नई दिल्ली। जपान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बुधवार को तीन दिवसीय भारत की आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचीं। केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि यह दौरा भारत और जापान के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री ताकाइची का कल राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वे हैदराबाद हाउस में परधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्ता करेंगी। वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच समझौतों के आधान प्रदान और प्रेस वक्तव्य का भी कार्यक्रम तय है। दोपहर में जपानी नेता बिजनेस फोरम में भाग लेंगी और अगले दिन सुबह उनकी वापसी होगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन दोनों पक्षों को द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा और सुदृढ़ीकरण करने के साथ-साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगा।

भारत-मलेशिया की रणनीतिक साझेदारी

रक्षा सहयोग को मिलेगा नया विस्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और मलेशिया ने अपने रक्षा संबंधों को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत नई दिल्ली में 1 जुलाई को सैन्य सहयोग पर 12वीं भारत-मलेशिया उप-समिति बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा से जुड़े लगभग सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की और भविष्य के सहयोग का खाका तैयार किया। बैठक के दौरान दोनों देशों ने सैन्य सहयोग की अब तक की प्रगति की समीक्षा की।

सैन्य अभ्यास, सैनिकों के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, स्टाफ वार्ताओं, क्षमता निर्माण और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में हुए सहयोग पर संतोष व्यक्त किया गया। दोनों पक्षों ने माना कि पिछले कुछ वर्षों में रक्षा संबंध लगातार मजबूत हुए हैं और अब इन्हें अगले स्तर तक ले जाने का समय आ गया है। भारत और मलेशिया ने इस बात पर सहमति जताई कि दोनों देशों की सेनाओं के बीच संपर्क और बढ़ाया जाएगा। सैनिकों को एक-दूसरे के प्रशिक्षण संस्थानों में भेजने, पेशेवर अनुभव साझा करने और संयुक्त गतिविधियों की संख्या बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। इससे दोनों देशों की सेनाओं के बीच बेहतर समझ और तालमेल विकसित होगा। बैठक में रक्षा उद्योग और आधुनिक तकनीक पर विशेष जोर दिया गया। दोनों देशों ने रक्षा प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, रक्षा उत्पादन तथा मानवीय सहायता एवं आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया। तेजी से बदलते सुरक्षा माहौल को देखते हुए इन क्षेत्रों को भविष्य की जरूरत बताया गया। क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा हालात पर भी चर्चा हुई।

भारत और मलेशिया ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता, सुरक्षा और समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता बनाए रखने की अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों देशों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान और नियम-आधारित व्यवस्था के जरिए ही क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित की जा सकती है।

विशाला से नारोल जाने वाली सड़क पर एक बेकाबू डंपर ने 16 साल के किशोर की जान ले ली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में विशाला से नारोल जाने वाली सड़क पर आज सुबह (1 जुलाई) एक हादसा हुआ। जिसमें इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर लेने जा रहे एक 16 साल के किशोर को डंपर ड्राइवर ने टक्कर मार दी। डंपर की चपेट में आने से किशोर को गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर ड्राइवर फरार हो गया। ट्रैफिक पुलिस ने डंपर ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, पीपलज में रहने वाला एक 16 साल का किशोर सुबह-सुबह अपने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर पर ट्यूशन के लिए निकला था। पिराना के पास देव होटल के पास पूरी स्पीड से आ रहे एक डंपर ड्राइवर ने उसे टक्कर मार दी। जिसमें किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान किशोर की मौत हो गई।

डंपर ड्राइवर की तलाश

एक्सीडेंट के बाद डंपर ड्राइवर मौके से भाग गया। आस-पास के लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने इलाके के CCTV फुटेज और डंपर के नंबर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

विराटनगर में रहने वाली विधवा के साथ रेप और धोखाधड़ी: शादी का झांसा देकर रेप किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। विराटनगर इलाके में रहने वाली एक विधवा ने मेहसाणा और गांधीधाम के दो लोगों के खिलाफ नवरंगपुरा पुलिस स्टेशन में रेप और लाखों की धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक, महिला की जान-पहचान फेसबुक के जरिए राहुल पटेल नाम के युवक से हुई थी। दोनों लगातार फोन पर बात करते थे। राहुल ने कहा कि वह अपनी पत्नी से अलग रह रहा है और जल्द ही तलाक लेकर शिकायतकर्ता से शादी कर लेगा। परिवार की सहमति के बाद महिला शादी के लिए मान गई।

महिला से कई चरणों में 4.16 लाख रुपये ऐंठ लिए

राहुल ने महिला को भरोसे में लेकर कई चरणों में 4.16 लाख रुपये ऐंठ लिए और कहा कि उसे बिजनेस शुरू करने के लिए पांच लाख रुपये चाहिए। बाद में महिला ने कहा कि उसे लोन का बकाया 5 लाख रुपये चुकाने हैं। महिला अपने बेटे के साथ अहमदाबाद आई थी, जहां से आरोपी उसे एयरपोर्ट से ले गया था। ऊंझा में 2.60 लाख रुपये देकर सोना छुड़ाने के बाद आरोपी ने सोना अपने पास रख लिया। शिकायत में कहा गया है कि इसके बाद उसने शहर के एक होटल में शादी का वादा करके महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए। अलग-अलग बिजनेस में इन्वेस्ट करने के बहाने और पैसे लिए गए आरोपी ने महिला को अहमदाबाद में सेटल करने और अलग-अलग बिजनेस में इन्वेस्ट करने के बहाने और पैसे लिए थे। मार्च 2026 में वह प्लास्टिक फैक्ट्री में इन्वेस्ट करने के लिए हैदराबाद गया और फ्लैट दिलाने के बहाने 6 लाख रुपये और 2.48 लाख रुपये ले लिए। महिला ने आरोपी से अपने भाई से बात करने को कहा, जिसने उसे सोना वापस करने का भरोसा दिया। हालांकि, बाद में पता चला कि 2.48 लाख रुपये का लोन लिया गया था। सोना गिरवी रखकर 16.50 लाख रुपये लिए गए।

कुल 19.91 लाख रुपये और 18 तोला सोना भी दिया गया

शिकायत के मुताबिक, महिला ने आरोपी को अलग-अलग तरीकों से कुल 19.91 लाख रुपये दिए थे, और 18 तोला सोना भी दिया था। पूरी धोखाधड़ी का पता तब चला जब मई में कोर्ट मैरिज के लिए बुलाने पर आरोपी फरार हो गया। नवरंगपुरा पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रेप और धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

वस्त्रपुर की घटना: फूड कंपनी की पुरानी HR ने 10 जान-पहचान वालों के अकाउंट में 13.53 लाख रुपये जमा किए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। वस्त्रपुर में एक फूड कंपनी में ॥क्र के तौर पर काम करने वाली लड़की ने कंपनी मालिक की जानकारी के बिना 10 लोगों के अकाउंट में सैलरी के तौर पर 13.53 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। ॥क्र ने 10 अनजान लोगों के अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर दिए, जबकि वे कंपनी में काम नहीं कर रहे थे। इस मामले में कंपनी मालिक ने वस्त्रपुर पुलिस स्टेशन में ॥क्र लड़की के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

अकाउंटेंट ने जांच की और HR लड़की का स्कैम

वस्त्रपुर के रहने वाले अवधनरेश शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह वस्त्रपुर में अल्फवन मॉल के पास AB फूड नाम की कंपनी चलाते हैं। उनकी कंपनी में जेमी लदानी नाम की लड़की ॥क्र के तौर पर काम कर रही थी। 25 मई को उसे कंपनी से निकाल दिया गया। जेमी के निकलने के बाद कंपनी के अकाउंटेंट ने उसे पेमेंट किया, लेकिन अकाउंटेंट को पता चला कि जेमी ने कंपनी में काम नहीं करने वाले 10 लोगों के अकाउंट में सैलरी के तौर पर लाखों रुपये ट्रांसफर किए थे।

लड़की ने अपने 10 जानने वालों के अकाउंट में 13 लाख ट्रांसफर किए

जांच में पता चला कि जेमी ने कंपनी मालिक के साइन करवाकर सितंबर 2025 से मई 2026 तक सैलरी के तौर पर 13.53 लाख रुपये अपने जानने वाले 10 लोगों के अकाउंट में ट्रांसफर किए थे। किसी के अकाउंट में एक महीने तो किसी के अकाउंट में चार महीने की सैलरी जमा की गई। जेमी को इस बारे में बताया गया, लेकिन कोई जवाब न देते हुए अवधनरेशभाई ने वस्त्रपुर पुलिस स्टेशन में जेमी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

खनिज माफियाओं पर प्रशासन का बड़ा शिकंजा

सुस्काल में अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई, ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी

रेत माफियाओं में हड़कंप: सुस्काल के पास बिना रॉयल्टी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई से मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

छोटाउदैपुर। जिले में प्राकृतिक संसाधनों की अवैध लूट पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अवैध रेत खनन और परिवहन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई से खनिज माफियाओं में हड़कंप मच गया है। अभियान के तहत जिला ट्रैफिक पुलिस ने रात की गश्त के दौरान सुस्काल गांव के पास बिना रॉयल्टी रेत का परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर खान एवं खनिज विभाग के सुपुर्द कर दिया।

रात की गश्त में पकड़ा गया अवैध रेत परिवहन

जानकारी के अनुसार जिला ट्रैफिक शाखा की टीम नियमित रात्रि गश्त पर थी। इसी दौरान सुस्काल गांव के पास एक संदिग्ध ट्रैक्टर-ट्रॉली दिखाई दी। पुलिस ने वाहन को रोककर जांच की तो ट्रॉली रेत से ओवरलोड भरी मिली। चालक से रेत परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज और रॉयल्टी पास मांगा गया, लेकिन वह कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए खान एवं

खनिज विभाग को सौंप दिया।

नदियों में लगातार जारी है अवैध खनन

जिले की प्रमुख नदियों से लंबे समय से अवैध रूप से रेत निकाले जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। अंधाधुंध खनन के कारण नदियों का प्राकृतिक संतुलन प्रभावित हो रहा है और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। प्रशासन की हालिया कार्रवाई को अवैध खनन पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आगे भी जारी रहेगा अभियान

जिला प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि अवैध खनन और बिना रॉयल्टी खनिज परिवहन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। आने वाले दिनों में पुलिस और खान एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा और अधिक सघन कार्रवाई की जाएगी, ताकि अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। अब निगाहें इस बात पर हैं कि इन कार्रवाइयों से खनिज माफियाओं पर कितना प्रभावी अंकुश लग पाता है।

खान एवं खनिज विभाग की भूमिका पर उठ रहे सवाल

इस कार्रवाई के बाद जिले में खान एवं खनिज विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से अवैध खनन और रेत परिवहन की शिकायतें मिलती रही हैं, लेकिन विभाग की ओर से अपेक्षित स्तर पर कार्रवाई नहीं दिखाई दी। ऐसे में जब पुलिस कार्रवाई कर वाहन पकड़ रही है, तब विभाग की सक्रियता को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बिजली के खंभों के मुआवज़े के मुद्दे पर कैबिनेट में चर्चा मंत्रियों ने किसानों को ज़्यादा मुआवज़ा देने पर अपनी राय दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट मीटिंग में बिजली के खंभों से जुड़े मुआवज़े का मुद्दा चर्चा का मुख्य विषय रहा। मीटिंग के दौरान, सभी मंत्रियों ने किसानों को ज़्यादा सही और ज़्यादा मुआवज़ा देने के पक्ष में एकमत ज़ाहिर किया। अब राज्य सरकार किसान नेताओं से चर्चा करके उनके सुझाव और बातें सुनेगी, जिसके बाद आखिरी फ़ैसले की घोषणा की जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद, सरकार मुआवज़े की रकम और उसे लागू करने के बारे में आधिकारिक घोषणा करेगी, जिससे किसानों में भी उम्मीदें बढ़ गई हैं। कैबिनेट मीटिंग में डिज़ास्टर मैनेजमेंट के काम, निचले

इलाकों में प्रशासन की तैयारी, बाढ़ प्रभावित ज़िलों में राहत और बचाव कामों की तैयारी और संभावित भारी बारिश के दौरान लागू किए जाने वाले एक्शन प्लान पर चर्चा होगी। संभावना है कि अलग-अलग विभागों को ज़्यादा अलर्ट रहने और समय पर जवाब देने के लिए ज़रूरी गाइडेंस भी दी जाएगी। इसके अलावा, राज्य सरकार के बड़े डेवलपमेंट प्रोग्राम पर भी चर्चा होगी। वाइब्रेंट गुजरात के तहत हुए रीजनल कॉन्फ्रेंस का रिव्यू, बजट 2026-27 में घोषित नई स्कीमों को तेज़ी से लागू करने की प्रोग्रेस, इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी को लागू करने की स्थिति पर कैबिनेट में डिटेल में चर्चा होगी। किसानों को राहत देने वाली नई पॉलिसी का ऐलान हो सकता है मीटिंग में बिजली के खंभों के मुद्दे पर भी फैसला होने की संभावना है, जिसे पॉलिटिकल और एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए अहम माना जा रहा है। पिछले कुछ समय से बिजली के खंभों के मुद्दे पर किसान अलग-अलग जगहों पर प्रोटेस्ट कर रहे हैं। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार किसानों को राहत देने वाली कोई नई पॉलिसी या अहम ऐलान कर सकती है। इसलिए, राज्य भर के किसानों समेत अलग-अलग तबकों की नज़रें आज की कैबिनेट मीटिंग पर टिकी हैं।

गांधीनगर: LCB ने कलोल के खोराज-डाभी गांव में एक घर पर छापा मारा... जुआ खेलते हुए 11 लोग रंगे हाथों पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। लोकल क्राइम ब्रांच ने गांधीनगर ज़िले के कलोल तालुका के खोराज डाभी गांव में एक रिहायशी बिल्डिंग के अंदर बड़े पैमाने पर चल रहे जुए के अड्डे पर छापा मारा और 11 लोगों को तीन पत्ती खेलते और लोगों को खिलवाते हुए रंगे हाथों पकड़ा। इस छापे के दौरान, मौके से कैश, मोबाइल फ़ोन और जुए से जुड़ी किताबें समेत कुल 99,500 का सामान ज़ब्त किया गया और कलोल तालुका पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

LCB ने खोराज-डाभी गांव में जुए के अड्डे पर छापा मारा

लोकल क्राइम ब्रांच श्रावण महीने से पहले ही जिले में असामाजिक

गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए एक्टिव हो गई है। PI डी.बी. वाला की टीम को खास जानकारी मिली कि कलोल तालुका पुलिस स्टेशन के तहत खोराज डाभी गांव के एक घर में जुआ चल रहा है। इस जानकारी के आधार पर तुरंत अलग-अलग टीमें बनाई गईं और बताई गई जगह पर पहुंच गईं। जैसे ही उन्होंने गिरीश सिंह रामाजी डाभी के घर पर छापा मारा, गंजीपाना से पैसे हारने का जुआ खेल रहे 11 लोगों को पकड़ लिया गया। 11 लोग जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़े गए पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम खोराज डाभी गांव के गिरीश सिंह रामाजी डाभी, मेहसाणा के वडस्मा गांव के राजीव सिंह दोलत सिंह डाभी और प्रद्युम्न सिंह भरतकुमार चावड़ा, विष्णुदान वजेसंग गढ़वी, प्रदीप सिंह भूपत सिंह चावड़ा, सतीशदान भगवत सिंह गढ़वी, स्वरूप सिंह भरत सिंह चावड़ा, अजय सिंह जगदीश सिंह चावड़ा, नारदीपुर गांव के भरतजी चंदूजी ठाकोर, मानसा के परबतपुरा गांव के कनुभाई शकरभाई रावल और अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके के मयूर लक्ष्मणजी ठाकोर बताए।

99 हजार का कीमती सामान जब्त, केस दर्ज

बाद में पुलिस ने कुल 1.50 लाख रुपये जब्त किए। सट्टेबाजी से मिले 27,500 कैश और गिरफ्तार लोगों की बॉडी सर्च से अलग-अलग कंपनियों और जुए के अड्डों से मिले 72 हजार रुपये कीमत के कुल 9 मोबाइल फोन, कुल 99,500 रुपये कीमत का कीमती सामान बरामद किया गया है और सभी आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है।

इदर तालुका की गौवव नदी में बड़े पैमाने पर गैर-कानूनी रेत माइनिंग हो रही है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। इदर की गौवव नदी में गैर-कानूनी रेत माइनिंग जियोलॉजिस्ट किशन पटेल ने कहा कि लीज़ बंद हो गई थी, लेकिन अब सरकारी रॉयल्टी फीस का पेमेंट हो गया है। इदर तालुका की गौवव नदी में बड़े पैमाने पर गैर-कानूनी रेत माइनिंग हो रही है। गांववालों के बार-बार डिस्ट्रिक्ट जियोलॉजिस्ट को बताने के बाद भी कोई एक्शन नहीं लिया गया है, जिससे लोकल लोगों में चिंता है। इदर के चंदप गांव के पास इदर ममलतदार ऑफिस के पास से हर दिन कई ओवरलोडेड डंपर गुजरते हैं, इसके बावजूद एडमिनिस्ट्रेशन कोई एक्शन नहीं ले रहा है। इदर तालुका के वडियावीर गांव के पास गौवव नदी में वडियावीर, भूटिया, डेट्रोली और बडोली सीम से गुजरने वाले हिस्से में

सुबह से ही डंपर, JCB और ट्रैक्टर से रेत माइनिंग शुरू हो जाती है। इस बारे में बार-बार बताने के बाद भी कोई नतीजा नहीं निकला है। वडियावीर और भूटिया गांव के गांववालों ने 25 मई को हिम्मतनगर के जियोलॉजिस्ट को लिखकर बताया था। इस रिप्रेजेंटेशन में बताया गया था कि भिलोदा के मकबूलभाई मजारखान मकरानी पिछले एक महीने से JCB, हिताची और डंपर से दिन-रात रेत माइनिंग कर रहे हैं। गांववालों ने ऑफिस से डिटेल्स मांगी थीं कि उनकी लीज लीगल है या

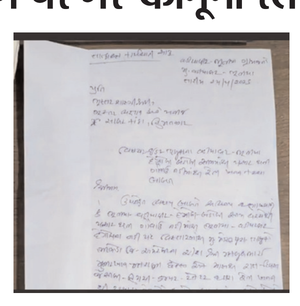

नहीं, लेकिन आज तक कोई जवाब नहीं मिला है। गांववाले फोटो और वीडियोग्राफी करके डिस्ट्रिक्ट जियोलॉजिस्ट को सबूत भेज रहे हैं, पता चला है कि इस लीज को लेकर पहले भी पुलिस कंप्लेंट और कोर्ट कंप्लेंट भी फाइल की जा चुकी है। अगर यह लीज ग्राम पंचायत, गांववालों और किसानों की सहमति के बिना रिन्यू की गई है, तो गांववाले इसे तुरंत बंद करने की मांग कर रहे हैं। इस साल कम बारिश होने की वजह से नदी-नाले नहीं भरे हैं,

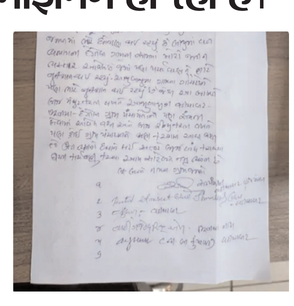

जिससे डर है कि नदी में माइनिंग से ग्राउंडवाटर लेवल और नीचे चला जाएगा। गांववालों की मांग है कि अगर लीज गैर-कानूनी है, तो इसे तुरंत बंद किया जाए। डिस्ट्रिक्ट जियोलॉजिस्ट किशन पटेल ने फोन पर बताया कि हालांकि उस समय यह लीज बंद हो गई थी, लेकिन अब उन्होंने सरकारी रॉयल्टी फीस दे दी है। फिर भी, गांव वालों की मांग पर सही एक्शन लिया जाएगा।

शहर में सुभाष ब्रिज के तीन स्पैन गिराए गए: नया ब्रिज बनाने के लिए सुरक्षित तरीके से तोड़ दिया गया

अगले मई तक बनकर तैयार होने की संभावना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में सुभाष ब्रिज को पूरी तरह से गिराने के काम के तहत, नदी के किनारे ब्रिज के 3 स्पैन को गिराने का काम सफलतापूर्वक और पूरी तरह से सुरक्षित तरीके से पूरा कर लिया गया है। गिराने के दौरान, पूरे स्पैन को बहुत सावधानी से गिराया गया और कंट्रोल तरीके से नीचे उतारा गया। कॉन्ट्रैक्टर ने ब्रिज बनाने के दौरान मशीनरी का इस्तेमाल किया और स्पैन को सावधानी से हटाया। ब्रिज कंसल्टेंट द्वारा सुभाष ब्रिज को पिलर्स के साथ पूरी तरह से गिराने की रिपोर्ट देने के बाद, ब्रिज का काम तेज़ी से शुरू किया गया है। जिसके तहत ब्रिज पर लगे स्पैन को हटाने का काम किया जा रहा है। गिराने के दौरान, ब्रिज के पूरे एरिया को पूरी तरह से बैरिकेडिंग करके प्रतिबंधित ज़ोन घोषित कर दिया गया है। इस काम के साथ, पुराने सुभाष ब्रिज के कुल तीन स्पैन को गिराने का काम सुरक्षित तरीके से पूरा कर लिया गया है। अगले फेज़ में, तय प्लान के मुताबिक सभी सुरक्षा उपायों का पालन करते हुए बाकी काम किया जाएगा। इसके अलावा, मलबा हटाने का काम भी शुरू कर दिया गया है।

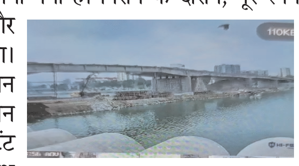

मई में तैयार हो सकता है नया ब्रिज

पूरा ब्रिज गिराकर नया बनाया जाएगा, शहर के सुभाष ब्रिज में खराबी की वजह से अब पूरे ब्रिज को गिराने में 9 महीने की जगह लगभग 16 महीने, यानी अप्रैल या मई-27 तक का समय लगेगा। ब्रिज को पूरी तरह गिराने के बजाय सिर्फ सुपरस्ट्रक्चर गिराने का फैसला पहले ही ले लिया गया था। लेकिन गिराने के दौरान ऐसी स्थिति पैदा हो गई जिसमें मौजूदा ब्रिज के स्पैन और पिलर को नुकसान हो सकता था, इसलिए पूरे ब्रिज को गिराकर नया बनाया जा रहा है। 4 दिसंबर को सुभाष ब्रिज में दरार और स्पैन का कुछ हिस्सा धंस गया 4 दिसंबर, 2025 को अहमदाबाद के सुभाष ब्रिज में दरार और स्पैन का कुछ हिस्सा धंसने की घटना सामने आई थी। इसके बाद अधिकारियों ने ब्रिज को बंद कर दिया और तुरंत जांच शुरू कर दी। नगर निगम ने ब्रिज की मजबूती की जांच करने और मरम्मत के तरीके बताने का काम कुछ इंजीनियरिंग कंसल्टेंट एजेंसियों को सौंपा था। इसके अलावा IIT रुड़की, IIT मुंबई और SVNIT जैसे संस्थानों ने भी टेस्ट आयोजित किए।

सरखेज में एम्बरग्रीस (व्हेल की उल्टी) बेचने आए तीन स्टूडेंट्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सरखेज में एम्बरग्रीस (व्हेल की उल्टी) बेचने आए तीन स्टूडेंट्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया। तीनों स्टूडेंट्स मोरबी के एक आदमी से मिली 1.82 करोड़ रुपये की एम्बरग्रीस लेकर सरखेज रिंग रोड पर खड़े थे, तभी ज़ोन LCB ने तीनों को पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी BA, LLB और BCom के स्टूडेंट्स हैं।

तीनों के बैग की चेकिंग के दौरान उनमें एम्बरग्रीस मिला।

ज़ोन LCB PSI एच. डी. वाघेला की टीम को एक जानकारी मिली थी, जिसके आधार पर विश्वराजसिंह चुडासमा, दर्शन सभाद और वीरपालसिंह राठौड़ नाम के तीन युवक सरखेज SP रिंग रोड पर सनाथल ब्रिज के नीचे खड़े थे, और उन्हें हिरासत में लिया गया। तीनों की जांच के दौरान उनके बैग में एम्बरग्रीस मिला। तीनों युवक किसी को 1.82 करोड़ रुपये की 1.82 घ्रद्द एम्बरग्रीस बेच रहे थे। हालांकि, इससे पहले कि युवक यह मात्रा बेच पाते, पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया।

तीनों आरोपियों ने BA, LLB और B.Com की पढ़ाई की है।

DCP शिवम वर्मा ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों का एजुकेशनल बैकग्राउंड अच्छा है। जिसमें वीरपालसिंह राठौड़ चांदखेड़ा में पान पार्लर चलाता है, और दर्शन सबद उसकी दुकान पर काम करता था। इसके अलावा, लिंबडी का रहने वाला विश्वराज चुडासमा L.L.B. की पढ़ाई कर रहा है और इन दोनों का दोस्त है, इसलिए तीनों एक-दूसरे के कॉन्टैक्ट में आए। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी दर्शन सबद के खेत में काम करने वाले एक मजदूर के ज़रिए ये तीनों युवक मोरबी के हसमुख पटेल नाम के एक आदमी के कॉन्टैक्ट में आए और बेचने के लिए यह मात्रा लाए, जिसने उन्हें यह कीमती मात्रा बेचने के लिए दी।

संक्षिप्त न्यूज

खेत की खुदाई में मिले सेना के पुराने बम, इलाके में मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाड़मेर। जिले के नागाणा थाना क्षेत्र के बांदरा गांव स्थित मूढों की ढाणी में खेत की खुदाई के दौरान सेना के पुराने बम मिलने से मंगलवार शाम इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्षेत्र को सुरक्षित कर भीड़ को दूर हटाया। बाद में स्पेशल टीम ने मौके पर पहुंचकर बमों की जांच की। नागाणा थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि खुदाई के दौरान रेत में दबे चार आरपीसी (RPC) राउंड और एक ब्लैंक कारतूस मिले। जांच में पता चला कि सभी सेना के पुराने और आउटडेटेड एम्युनिशन हैं, जो वर्षों से रेत में दबे हुए थे। स्पेशल टीम की जांच में सभी बम डिफ्यूज पाए गए, जिसके बाद पुलिस और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। पुलिस ने सभी एम्युनिशन को सुरक्षित कब्जे में लेकर नियमानुसार रखवा दिया है।

शेरगढ़ अभयारण्य में 115 जल संरक्षण संरचनाएं तैयार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बारां। गिरते भू-जल स्तर और मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए शेरगढ़ अभयारण्य में वन विभाग ने वर्ष 2025-26 के दौरान करीब 47 लाख रुपए की लागत से 115 मृदा एवं जल संरक्षण संरचनाएं तैयार की हैं। इन संरचनाओं के माध्यम से इस मानसून में लगभग 1000 करोड़ लीटर वर्षा जल का संग्रह किया जा सकेगा, जबकि 40 हजार टन उपजाऊ मिट्टी के बहाव को भी रोका जाएगा। इससे भू-जल रिचार्ज बढ़ेगा और वन्यजीवों के लिए सालभर पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। शेरगढ़ अभयारण्य के रेंजर जितेंद्र खटीक ने बताया कि कैंपा फंड सहित विभिन्न योजनाओं के तहत 2000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में ग्रास लैंड भी विकसित किए गए हैं, जो वर्षा जल को रोकने और मिट्टी संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

एक्सप्रेस-वे पर मौत की आगः बस-ट्रेलर टक्कर के बाद जिंदा जले 8 लोग

मिनटों में आग का गोला बनी बस, यात्रियों में मची चीख-पुकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दौसा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बुधवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। तेज रफ्तार बस आगे चल रहे ट्रेलर से टकरा गई और टक्कर के कुछ ही पलों में दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई। बस में सवार यात्री उस समय नींद में थे। अचानक आग की लपटें उठते ही बस के भीतर चीख-पुकार मच गई। लोग जान बचाने के लिए दरवाजों और खिड़कियों की ओर दौड़े, लेकिन कई यात्री आग की लपटों में घिरकर बाहर नहीं निकल सके। देखते ही देखते पूरी बस आग का गोला बन गई। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जिनमें छह यात्री जिंदा जल गए , जबकि दो की मौत सिर में गंभीर चोट लगने से हुई। पुलिस और राहत दल जब मौके पर पहुंचे तो बस के भीतर का दृश्य बेहद भयावह था। कई शव इतने बुरी तरह जल चुके थे कि उनका मांस पूरी तरह राख हो चुका था और केवल हड्डियां ही बची थीं। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान अब डीएनए परीक्षण के जरिए कराई जाएगी। हादसे के बाद घटनास्थल पर मार्मिक दृश्य देखने को मिले। कोई अपने परिजन को तलाशता रहा तो कोई बदहवास होकर रोता-बिलखता नजर आया। एक महिला अपनी आंखों के सामने पत्नी को आग में जलता देख कुछ नहीं कर सकी, वहीं दूसरी महिला पुलिसकर्मियों के पैर पकड़कर अपने

लापता पति को ढूंढने की गुहार लगाती रही। हादसे के कई घंटे बाद तक कुछ यात्रियों का पता नहीं चल सका, जिससे परिजनों की चिंता और बढ़ गई। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग पर काबू पाने के बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को तत्काल

अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। हादसे ने एक बार फिर हाईवे पर सड़क सुरक्षा और आपातकालीन व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बेकाबू कार ने घर के बाहर बैठे मां-बेटे को रौंदा, बुजुर्ग महिला की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डीग। जिले के सीकरी क्षेत्र में बुधवार को तेज रफ्तार और बेकाबू कार ने घर (झोपड़ी) के बाहर खाट पर बैठे मां-बेटे को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 60 वर्षीय मारून की मौत हो गई, जबकि उनका 25 वर्षीय बेटा राजेश गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मारून को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल राजेश का इलाज सीकरी के सरकारी अस्पताल में जारी है। घायल राजेश ने बताया कि वह अपनी मां के साथ रोज की तरह झोपड़ी के बाहर खाट पर बैठा था। इसी दौरान तेज गति से आई एक अनियंत्रित कार सीधे उनकी खाट से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मां-बेटे कई फीट दूर जाकर गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े और राहत कार्य शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कार को अपने कब्जे

में लेकर जांच शुरू की। वाहन के पंजीकरण नंबर के आधार पर पुलिस ने चालक की पहचान कर उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। वहीं घायल युवक का उपचार जारी है और उसकी हालत पर चिकित्सकों की नजर बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का प्रतीत हो रहा है। चालक से पूछताछ की जा रही है तथा पूरे घटनाक्रम की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

भरण-पोषण नहीं देने पर पति को 660 दिन की सिविल कारावास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। पत्नी और चार बच्चों के भरण-पोषण के लिए अदालत द्वारा निर्धारित राशि का भुगतान नहीं करने पर फैमिली कोर्ट ने पति को 660 दिन की सिविल कारावास की सजा सुनाई है। फैमिली कोर्ट के न्यायाधीश मधुसूदन शर्मा ने 29 जून को चार अलग-अलग वसूली प्रकरणों में यह फैसला सुनाया। आरोपी पर करीब 1.90 लाख रुपए की भरण-पोषण राशि बकाया थी, लेकिन उसने अदालत में भुगतान करने में असमर्थता जताई। कोर्ट रीडर मोहम्मद आहसन मदनी के अनुसार, टोंक के शेख मोहल्ला निवासी नईमुन्निसा की शादी वर्ष 2007 में अल्ताफ खान से हुई थी। वर्ष 2015 में पति ने पत्नी और चार बच्चों को घर से निकाल दिया, जिसके बाद महिला ने दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया और 2017 में भरण-पोषण का परिवाद दायर किया। 30 मार्च 2019 को अदालत ने पत्नी व चारों बच्चों के लिए कुल 5 हजार रुपए प्रतिमाह भरण-पोषण देने का आदेश दिया था। आदेश के बावजूद राशि जमा नहीं कराने पर महिला ने वर्ष 2023 से 2026 के बीच चार वसूली प्रार्थना-पत्र पेश किए।

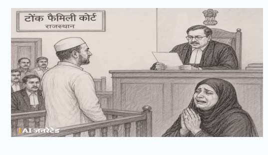

टोंक में नवीन पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर का शिलान्यास, श्रद्धालुओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। रौनक पार्क कॉलोनी में बुधवार को श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर (अरनिया केदार) के नवीन मंदिर का विधि-विधान से शिलान्यास किया गया। गुरु मां आर्यिका विज्ञा श्री के सानिध्य और पंडित मनोज शास्त्री के निर्देशन में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आदर्श नगर जैन मंदिर से निकली भव्य कलश यात्रा में महिलाएं सिर पर मंगल कलश और पुरुष ध्वज लेकर भक्ति भाव से शामिल हुए। भूमि पूजन, अभिषेक, शांतिधारा एवं वास्तु विधान के बाद धर्मसभा में आर्यिका विज्ञा श्री ने कहा कि सहनशीलता केवल कठिनाइयों को सहने का नाम नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में धैर्य, शांति और सकारात्मकता बनाए रखने का गुण है। उन्होंने कहा कि सहनशील आत्मा कभी चुनौतियों से घबराती नहीं।मंदिर समिति ने बताया कि ईसरदा बांध डूब क्षेत्र में आने से 250 वर्ष पुराने अरनिया केदार जैन मंदिर को स्थानांतरित कर यहां 40म40 फीट का नवीन मंदिर बनाया जा रहा है, जिसमें मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ सहित 11 जिन प्रतिमाएं प्रतिष्ठित की जाएंगी।

इदर-वडाली हाईवे पर गंभीर हादसाः एक युवक की दर्दनाक मौत, दूसरा घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। मंगलवार रात इदर-वडाली हाईवे पर एक गंभीर सड़क हादसा सामने आया है। इस दिल दहला देने वाले हादसे में एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को तुरंत इलाज के लिए वडाली सिविल अस्पताल ले जाया गया। मिली जानकारी के अनुसार, रजिस्ट्रेशन नंबर GJ®~DG9098 वाली बाइक पर सवार दो लोग मंगलवार रात इदर-वडाली हाईवे से गुजर रहे थे। इस दौरान एक अज्ञात गाड़ी के ड्राइवर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी और एक्सीडेंट करके वहां से भाग गया। हादसा इतना भयानक था कि बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल जिग्नेशभाई सोमाभाई बुंबडिया को तुरंत 108 एम्बुलेंस से वडाली सिविल अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने के बाद भी मरीज की परेशानी कम नहीं हुई। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मंगलवार दोपहर को हॉस्पिटल में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर के रिटायर होने की वजह से हॉस्पिटल में डॉक्टरों की कमी हो गई थी। इस वजह से, गंभीर हालत में जिग्नेशभाई को प्राइमरी इलाज के बाद भी आगे के इलाज के लिए करीब 30 से 40 मिनट तक इंतज़ार करना पड़ा और फिर उन्हें हिम्मतनगर रेफर कर दिया गया। घटना की खबर मिलते ही वडाली पुलिस का एक काफिला तुरंत मौके पर पहुंचा। पुलिस ने बॉडी को कब्जे

में लेकर पोस्टमार्टम के लिए वडाली सिविल हॉस्पिटल भेज दिया है और मरने वाले युवक की असली पहचान का पता लगाने की कोशिश कर रही है। वडाली पुलिस ने हाईवे पर लगे CCTV फुटेज और दूसरे सबूतों के आधार पर आगे की कानूनी जांच शुरू कर दी है ताकि एक्सीडेंट करके भागे अनजान ड्राइवर को पकड़ा जा सके।

15 दिन टला मनरेगा संविदा कर्मचारियों का सामूहिक बहिष्कार, नियमितीकरण पर सरकार ने दिए सकारात्मक संकेत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में महात्मा गांधी नरेगा (वीबी-जी-रामजी) के करीब 3500 संविदा कर्मचारियों का प्रस्तावित 15 दिवसीय सामूहिक बहिष्कार फिलहाल टल गया है। नियमितीकरण की मांग को लेकर कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा से उनके आवास पर मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। मंत्री ने सेवा नियमों की प्रक्रिया अंतिम चरण में होने और जल्द नियमितीकरण का मार्ग प्रशस्त होने का भरोसा दिलाया। इसके बाद कर्मचारियों ने सामूहिक बहिष्कार को 15 दिनों के लिए स्थगित करने का निर्णय लिया। प्रतिनिधिमंडल ने मांग रखी कि सेवा नियमों को शीघ्र अंतिम रूप देकर वर्षों से लंबित नियमितीकरण की प्रक्रिया शुरू की जाए। मंत्री के आश्वासन के बाद प्रदेशभर के मनरेगा संविदा कर्मचारियों में उम्मीद जगी है कि उनकी दो दशक पुरानी मांग अब पूरी हो सकती है। प्रदेशाध्यक्ष दिनेश मीणा ने बताया कि मनरेगा के संविदा कर्मचारी पिछले करीब 20 वर्षों से बेहद कम मानदेय पर सेवाएं दे रहे हैं। बढ़ती महंगाई के दौर में वर्तमान मानदेय पर परिवार का भरण-पोषण

करना बेहद कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को विश्वास है कि सरकार जल्द नियमितीकरण की प्रक्रिया पूरी करेगी और उन्हें स्थायी रोजगार का अधिकार मिलेगा।

विधि विभाग की मंजूरी के बाद पूरी होगी प्रक्रिया

कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बताया कि विधानसभा में भी इन कर्मचारियों के नियमितीकरण का आश्वासन दिया जा चुका है। इस संबंध में तैयार प्रस्ताव को वित्त विभाग तथा कार्मिक विभाग से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। अब केवल विधि विभाग से पत्रावली (फाइल) का अनुमोदन होना शेष है। जैसे ही यह प्रक्रिया पूरी होगी, संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण का रास्ता पूरी तरह साफ हो जाएगा। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बताया कि ग्रामीण विकास विभाग में इन कर्मचारियों की नियुक्ति वर्ष 2005 में उस समय हुई थी, जब डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ और उदयपुर जिलों में महात्मा गांधी नरेगा योजना का ट्रायल शुरू किया गया था। वर्ष 2008 में योजना पूरे राजस्थान में लागू होने के बाद भी ये कर्मचारी संविदा पर ही सेवाएं देते रहे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2013 में बोनस अंकों के आधार पर नियमितीकरण के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन मामला हाईकोर्ट पहुंचने के कारण भर्ती पर रोक लग गई। इसके बाद वर्ष 2016 में मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां अनुभव अंकों के पक्ष में फैसला आया। हालांकि वर्ष 2017 में तत्कालीन भाजपा सरकार ने एसएसआर भर्ती-2013 की विज्ञप्ति अपरिहार्य कारणों से वापस ले ली, जिससे नियमितीकरण का मामला फिर अटक गया। वर्ष 2022 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने वर्ष 2023 में विभिन्न विभागों के संविदा कर्मचारियों को इन नियमों के तहत शामिल भी किया गया।

कहीं भी इंजेक्शन लगाया तो एक्शन होगा

CM मिलावटी और नकली दवा माफिया को पंसेरिया का कड़ा संदेश, राज्य में 'नमो स्वच्छता अभियान' शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। सिविल हॉस्पिटल में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की मौजूदगी में राज्य भर में 'नमो स्वच्छता अभियान' शुरू किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पब्लिक प्लेटफॉर्म से साफ-सफाई को लेकर कड़ा संदेश देते हुए कहा, 'कहीं भी, इंजेक्शन लगाने का सिस्टम होगा, होगा, होगा।' उन्होंने पब्लिक जगहों पर कचरा फेंकने और गंदगी फैलाने वालों पर सख्त एक्शन की चेतावनी दी और कहा कि सफाई सिर्फ एक कैंपेन नहीं, बल्कि हर नागरिक का स्वभाव बनना चाहिए।

'पब्लिक प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाने वालों पर एक्शन होगा'

प्रोग्राम के दौरान हेल्थ मिनिस्टर प्रफुल पंसेरिया ने साफ-सफाई और हेल्थ सिक्योरिटी पर सरकार के सख्त रुख का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि फूड एंड ड्रग डिपार्टमेंट ने पूरे राज्य में मिलावटी खाने का सामान बेचने और नकली दवाएं बनाने वालों के खिलाफ रेड और कानूनी एक्शन लेना जारी रखा है। ऐसे लोगों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। हेल्थ मिनिस्टर ने आगे कहा कि सरकारी अस्पतालों की दीवारों और पब्लिक प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ भी सख्त एक्शन लिया जाएगा। अस्पतालों की दीवारों

की पेंटिंग और मेंटेनेंस पर पब्लिक का पैसा खर्च होता है, इसलिए पब्लिक प्रॉपर्टी की सुरक्षा करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। हेल्थ से जुड़े नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देशराज्य सरकार के इस कैंपेन का मुख्य मकसद सिर्फ अस्पतालों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे राज्य में साफ-सफाई के बारे में लोगों को जागरूक करना, पब्लिक जगहों को साफ रखना और हेल्थ से जुड़े नियमों का सख्ती से पालन कराना है। सरकार ने साफ मैसेज दिया है कि साफ-सफाई और पब्लिक हेल्थ को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गेट नंबर 4 के पास नर्सरी से 5 फुट के रसेल वाइपर को रेस्क्यू किया गया, कर्मचारियों में भगदड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य के नए सेक्रेटेरिएट में एक बार फिर ज़हरीला सांप दिखने की घटना सामने आई है। बुधवार (1 जुलाई) को सुबह करीब 11:15 बजे नए सेक्रेटेरिएट के गेट नंबर 4 के पास हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट की नर्सरी में काम करने वाले कर्मचारियों में अचानक भगदड़ मच गई। फूलों और पौधों के बीच करीब पांच फीट लंबे बहुत ज़हरीले वाइपर (रसेल वाइपर) को देखकर कर्मचारी डर गए। चूंकि सांप का स्वभाव बहुत गुस्सैल होता है, इसलिए कर्मचारियों ने बिना कोई रिस्क लिए तुरंत सुरक्षित दूरी बनाए रखी और दूसरे लोगों को भी वहां से दूर रहने की सलाह दी।

ज़हरीले वाइपर को सुरक्षित पकड़कर जंगल के इलाके में छोड़ा गया

घटना की सूचना मिलते ही, पर्यावरणविद और फ्री में सांप और पक्षियों को बचाने के काम के लिए जाने जाने वाले रिटायर्ड बैंक मैनेजर प्रदीप सोलंकी से संपर्क किया गया। जानकारी मिलते ही वह तुरंत नए सेक्रेटेरिएट पहुंचे और ज़रूरी रेस्क्यू इक्विपमेंट की मदद से बिना कोई नुकसान पहुंचाए ज़हरीले वाइपर को सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद, वाइल्डलाइफ़ कंज़र्वेशन के नियमों के मुताबिक, सांप को सही जंगल वाले इलाके में छोड़ दिया गया।

सांपों के भागने की घटनाएं बढ़ीं

गौरतलब है कि पिछले कुछ सालों से नए सेक्रेटेरिएट परिसर में अलग-अलग तरह के सांप दिखने की घटनाएं सामने आ रही हैं। खासकर मॉनसून के मौसम में झाड़ियों और हरियाली में पानी भरने और नमी बढ़ने से सांपों के भागने की संभावना बढ़ जाती है। माना जा रहा है कि गेट नंबर 4 के पास हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट की नर्सरी में घनी हरियाली और पेड़-पौधों की वजह से ऐसे रेप्टाइल भी पनाह ले रहे हैं।

मॉनसून के दौरान सांपों से बचाव और रेगुलर मॉनिटरिंग की ज़रूरत

रैटलस्नेक को देश के चार सबसे ज़हरीले सांपों में से एक माना जाता है और इसके काटने से गंभीर हेल्थ

प्रॉब्लम हो सकती हैं। इसलिए, ऐसे सांप को देखने पर उसे पकड़ने की कोशिश करने के बजाय, किसी एक्सपर्ट रेस्क्यू टीम से संपर्क करना ज़रूरी है। समय पर रेस्क्यू होने से किसी की जान या चोट नहीं लगी और सेक्रेटेरिएट के स्टाफ ने भी राहत की सांस ली। इस घटना ने एक बार फिर सेक्रेटेरिएट परिसर में मानसून के दौरान सांपों से बचाव और रेगुलर मॉनिटरिंग की ज़रूरत पर ज़ोर दिया है।

2 जुलाई 2026, गुरुवार का दैनिक राशिफल

♈ मेष — कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

♉ वृषभ — नौकरी और व्यापार में प्रगति के योग हैं। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और अनावश्यक खर्च से बचें।

♊ मिथुन — भाग्य का साथ मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं।

♋ कर्क — धैर्य और संयम से काम लें। पारिवारिक मामलों में समझदारी दिखाएं। निवेश करने से पहले सलाह अवश्य लें।

♌ सिंह — दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। व्यापार में लाभ के संकेत हैं। नई योजनाओं पर काम शुरु कर सकते हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा।

♍ कन्या — कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती हैं। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें।

♎ तुला — रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता हैं।

♏ वृश्चिक — परिवार के साथ समय व्यतीत होगा। संपत्ति संबंधी मामलों में सफलता मिल सकती हैं। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

♐ धनु — आत्मविश्वास के बल पर कठिन कार्य भी पूरे होंगे। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। छोटी यात्रा लाभदायक हो सकती हैं।

♑ मकर — आय के नए स्रोत बन सकते हैं। कारोबार में लाभ के योग हैं। वाणी पर संयम रखें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

♒ कुंभ — आज का दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहेगा। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सेहत सामान्य रहेगी।

♓ मीन — खर्चों पर नियंत्रण रखमा जरुरी होगा। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मन की शांति बनी रहेगी और किसी अनुभवी व्यक्ति का मार्गदर्शन मिलेगा।

आज का शुभ रंग: आसमानी | 5 | आज का शुभ अंक: 5

पानी पाकिस्तान का बंद हुआ है, मगर गला यहां के 'शांति दूतों' का क्यों सूख रहा है?

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने जिस दृढ़ता के साथ पाकिस्तान को उसकी असली जगह दिखानी शुरू की है, उससे इस्लामाबाद की सत्ता, सेना और वहां के कथित लोकतांत्रिक चेहरे बुरी तरह बौखला गए हैं। सिंधु जल संधि को स्थगित करने के भारत के फैसले ने पाकिस्तान की नसों में ऐसा डर भर दिया है कि वहां के नेता लगातार धमकियां दे रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रो रहे हैं और दुनिया को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत ने उनके अस्तित्व पर हमला कर दिया है।

देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान अपने पानी, अपनी संप्रभुता और अपने भविष्य की रक्षा करेगा। पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसद्दिक मलिक ने तो यहां तक कह दिया कि जो हाथ उनके पानी को छुएंगे, उन्हें काट दिया जाएगा। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने भी भारत पर पानी रोकने का आरोप लगाते हुए आक्रामक बयान दिए। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने दुनिया को डराने की कोशिश की कि यदि सिंधु जल संधि नहीं बची तो द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की पूरी विश्व व्यवस्था खतरे में पड़ जाएगी।

लेकिन पाकिस्तान के इन आंसुओं के पीछे छिपा सच पूरी दुनिया जानती है। पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाले आतंकवादी कहां से आए थे? जम्मू-कश्मीर में दशकों से आतंकवाद को कौन पालता रहा है? भारत के सैनिकों और नागरिकों का खून बहाने के लिए हथियार, प्रशिक्षण और धन कौन देता रहा है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिल्कुल सही कहा था कि खून और पानी साथ साथ नहीं बह सकते। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करके यह स्पष्ट कर दिया कि अब नई दिल्ली पुरानी नीति पर नहीं चलेगी। यदि पाकिस्तान आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बनाए रखेगा तो उसे हर मोर्चे पर कीमत चुकानी होगी। भारत ने पश्चिमी नदियों पर अपने अधिकार वाले जल के उपयोग को तेज करने का फैसला किया है। यह कोई युद्ध नहीं, बल्कि अपने अधिकारों का प्रयोग है।

साथ ही सबसे बड़ा सवाल उन लोगों से पूछा जाना चाहिए जो भारत में बैठकर पाकिस्तान से वार्ता की मांग कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि एक सौ से अधिक तथाकथित बुद्धिजीवियों, नेताओं और सामाजिक हस्तियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शाहबाज शरीफ को पत्र लिखकर बातचीत बहाल करने, वीजा सेवाएं शुरू करने, दूतावास सामान्य करने और यहां तक कि कश्मीर पर फिर से बातचीत करने की मांग की है। इस पत्र पर फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, मीरवाइज उमर फारूक और कुछ अन्य भारतीय हस्तियों के हस्ताक्षर भी हैं।

इन लोगों से देश पूछना चाहता है कि आखिर पाकिस्तान से इतनी मोहब्बत क्यों है? जो देश भारत में आतंकवादी भेजता है, हमारे नागरिकों की हत्या करवाता है, सीमा पार से गोलियां चलाता है, उसी देश के लिए इनके दिल में इतनी बेचैनी क्यों उमड़ती है? भारत ने जब पाकिस्तान का पानी रोकने की दिशा में कदम उठाया तो प्यास पाकिस्तान को लगी, लेकिन गला यहां बैठे तथाकथित शांति दूतों का सूखने लगा। आखिर क्यों? क्या इन लोगों को भारत की सुरक्षा से ज्यादा चिंता पाकिस्तान की खेती और उसकी बिजली व्यवस्था की है?

ये लोग कहते हैं कि वार्ता ही समाधान है। लेकिन देश जानना चाहता है कि आखिर कितनी वार्ताएं हो चुकी हैं? लाहौर बस यात्रा से लेकर आगरा शिखर वार्ता तक और उफा से लेकर शरम अल शेख तक भारत ने हर बार शांति का हाथ बढ़ाया। बदले में मिला क्या? कारगिल, संसद हमला, मुंबई हमला, उरी, पुलवामा और अब पहलगाम। पाकिस्तान हर बार वार्ता की मेज पर मुस्कुराता है और पीठ पीछे आतंकियों को भेजता है।

आज जब भारत पहली बार कठोर नीति पर डटा है तो देश के भीतर बैठे कुछ लोग बेचैन हो उठे हैं। उन्हें आतंकवाद पर गुस्सा नहीं आता, लेकिन पाकिस्तान का पानी रुकने पर दर्द होने लगता है। उन्हें भारत के शहीदों की चिंता कम और इस्लामाबाद की परेशानी ज्यादा दिखाई देती है। यह वही मानसिकता है जिसने दशकों तक भारत को कमजोर नीति में बांध कर रखा।

सच यह है कि सिंधु जल संधि का सबसे ज्यादा लाभ पाकिस्तान ने उठाया। भारत ने वर्षों तक उदारता दिखाई, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद फैलाता रहा। अब जब नई दिल्ली ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंक और व्यापार, आतंक और वार्ता, आतंक और पानी साथ साथ नहीं चल सकते, तब पाकिस्तान दुनिया भर में सहानुभूति जुटाने निकला है। लेकिन दुनिया भी समझ रही है कि समस्या की जड़ कहां है।

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि धमकियों से भारत डरने वाला नहीं है। पानी को लेकर युद्ध जैसे बयान देने वाले पहले अपने घर की हालत देखें। वहां की अर्थव्यवस्था डगमगा रही है, जनता महंगाई से त्रस्त है और सेना तथा सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए भारत विरोध का सहारा ले रही हैं।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पाकिस्तान नीति ने स्पष्ट संदेश दिया है कि नया भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं देगा, बल्कि अपने हितों की रक्षा के लिए निर्णायक कदम भी उठाएगा। आतंकवाद को पालने वालों को अब हर क्षेत्र में जवाब मिलेगा। पाकिस्तान यदि वास्तव में शांति चाहता है तो उसे पहले आतंकवाद की फैक्टरी बंद करनी होगी। जब तक उसकी धरती से भारत विरोधी आतंक जारी रहेगा, तब तक कोई भी वार्ता केवल छलावा मानी जाएगी। बहरहाल, भारत की जनता अब भ्रम में नहीं है। देश समझ चुका है कि शांति की सबसे पहली शर्त सुरक्षा है। और जो लोग पाकिस्तान के लिए आंसू बहा रहे हैं, उन्हें यह याद रखना चाहिए कि भारत की सहनशीलता को कमजोरी समझने की भूल अब कोई नहीं कर सकता। नया भारत अपने सैनिकों के खून का हिसाब भी लेगा और अपने पानी का अधिकार भी बचाएगा।

संपादकीय

चंदा-चढ़ावा कांड 'बेनतीजा'

उप्र के पुलिस महानिदेशक रहे डॉ. विक्रम सिंह और सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक एमएल शर्मा के आकलन हैं कि राम मंदिर चंदा-चढ़ावा चोरी का मामला शायद ही किसी निष्कर्ष तक पहुंचे, क्योंकि जांच के नाम पर जो किया जा रहा है, उसमें कई छिद्र हैं और वह सवालिया भी है। बड़ी आरामदेह जांच चल रही है। जांच के नाम पर तमाशा किया जा रहा है। अहम और संदेहास्पद सवाल यह है कि जिन 8 आरोपितों को पुनः 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है, उनकी रिमांड पुलिस ने क्यों नहीं मांगी? यदि रिमांड नहीं है, तो आरोपितों से पूछताछ, सवाल-जवाब कैसे किए जाएंगे? पूछताछ नहीं होगी, तो कथित अपराधियों से बरामदगी कैसे होगी? अपराध के सुराग और नेटवर्क कैसे खुलेंगे? बरामदगी तभी महत्वपूर्ण और कानूनी है, जब आरोपित कबूल करें और खुलासा करें कि चोरी का धन, आभूषण आदि कहां रखे हैं? पैसे का कहां निवेश किया गया है? जब तक ये जानकारियां पुष्ट, सत्यापित नहीं होंगी, तब तक अपराध साबित नहीं किया जा सकता। ये दोनों शीर्ष पुलिस अधिकारी मानते हैं कि जो कार्रवाई ट्रस्ट ने की और करीब 80 लाख रुपए की बरामदगी विशेष जांच टीम से भी छिपाई और प्राथमिकी 20 दिन के बाद दर्ज कराई गई, इन सबके बीच इतने छिद्र हैं कि जांच किसी निष्कर्ष या नतीजे तक पहुंचने की उम्मीद क्षीण है। गौरतलब है कि विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने खुलासा किया है कि बीती 5 जून को राम मंदिर ट्रस्ट ने खुद प्राथमिक जांच कराई। पुलिस की मदद ली गई और आरोपित अविनाश शुक्ला के घर से करीब पांच लाख रुपए नकदी का काला बैग बरामद किया गया, लेकिन 7 जून को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल ने 'चोरी' से इंकार किया। कहा कि कुछ उल्लेखनीय बात नहीं हुई। पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह इसे ट्रस्ट की ह्यगैर-कानूनीह्न हस्तक्षेप मानते हैं। पुलिस किसके आदेश पर उस छापेमारी में शामिल हुई? उनका सवाल है कि रुपए बरामद होने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? दरअसल हमारा भी यह मानना है कि पहली बरामदगी और 25 जून को प्राथमिकी दर्ज कराने के बीच 20 लंबे दिनों का फासला था। उस दौरान आरोपितों और उनके आकाओं ने सबूत मिटा दिए होंगे, चोरी की रकम ठिकाने लगा दी होगी और उसके बावजूद अयोध्या पुलिस ने आरोपितों को रिमांड पर नहीं लिया, तो जाहिर है कि जांच का निष्कर्ष नहीं निकलेगा। क्या चंदा-चढ़ावा चोरी का इतना संवेदनशील, भ्रष्ट मामला 'बेनतीजा' भी रह सकता है? साफ लगता है कि ट्रस्ट के स्तर पर बहुत कुछ छिपाया जा रहा है, लिहाजा अपराध में बराबर की भूमिका चंपत राय बंसल, अनिल मिश्रा आदि की भी है! पुलिस ने चंपत राय से भी पूछताछ की है और उनका बयान दर्ज कर लिया गया है, लेकिन उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और न ही उन्हें आरोपित करार दिया गया है। क्यों..? आश्चर्य यह है कि पुलिस ने 8 आरोपितों के घर पर छापेमारी की। नकदी, आभूषण और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए जाने का दावा भी किया जा रहा है। आरोपितों के परिजनों से भी पूछताछ की गई है। फिर भी अदालत में पुलिस ने आरोपितों की रिमांड क्यों नहीं मांगी? क्या पुलिस सब कुछ जानती है? क्या पुलिस ने पर्याप्त साक्ष्य जुटा लिए हैं? हमें तो राजनीतिक दबाव, आरोपितों को संरक्षण, सांठगांठ का मामला लगता है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं।

किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रघ्संहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं।

जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

भारतीयता की मिसाल पेश करती सद्भावपूर्ण कारगुजारियां

निर्मल रानी

दुनिया में भारत की पहचान अनेकता में एकता रखने वाले देश के रूप में बनी हुई है। विविधता ही हमारे देश की एक ऐसी सबसे बड़ी विशेषता है जो पूरे विश्व को भारत की ओर आकर्षित करती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। अनेक तरह की भाषाएं,अलग अलग रंग, अलग खानपान, विभिन्न प्रकार की पोशाकें,अनेक किस्म के धर्म,जातियां,रीति रिवाज,मान्यताएं तथा विश्वास आदि हमारे देश को एक रंग बिरंगे खुशबूदार गुलदस्ते के रूप में दुनिया के सामने पेश करते हैं। परन्तु पिछले एक दशक में एक ऐसी साम्प्रदायिकतावादी विचारधारा ने सत्ता पर नियंत्रण हासिल कर लिया है जिसे शायद हमारे देश की यह विविधता व सर्वधर्म समभाव रास नहीं आता। यह विचारधारा पूरे देश को एक ही रंग में रंगना चाहती है। और अपने इस मकसद को पूरा करने के लिये यह शक्तियां पूरे देश में सांप्रदायिकता व जातिवाद का जहर घोलने के प्रयास हो रहे हैं। दुःख की बात तो यह है कि इन दुष्प्रयासों में लगे लोग इंसानियत को भी भूल चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के मध्य तो जैसे नफरती एजेंडे पर तेजी से अमल करने की प्रतिस्पर्धा लगी हुई है। उत्तर प्रदेश, आसाम, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बंगाल जैसे राज्यों में कौन मुख्यमंत्री कितनी मस्जिदें गिराता है कितनी दरगाहों व मदरसों पर बुलडोजर चलता है,कितने मुसलमानों के घर जमींदोज करता है, इसे लेकर इनमें गोया होड़ लगी हुई है। सैकड़ों मस्जिदों व मदरसों को धराशायी करने वाले राज्य उत्तर प्रदेश में ही अभी पिछले ही दिनों संभल के नखासा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम-कसेरुआ में स्थित ऐतिहासिक मुस्तफा कादरी मस्जिद को प्रशासन द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। जबकि बताया जा रहा है कि यह मस्जिद उत्तर प्रदेश सरकार के सरकारी गजट में बाकायदा वक़्फ़ जायदाद के तौर पर दर्ज है। सवाल यह उठता है कि जो इबादतगाह राज्य सरकार के आधिकारिक रिकॉर्ड्स में दर्ज हो, उसे रातों-रात एक सोची-समझी साजिश के तहत अवैध कैसे घोषित किया जा सकता है? इस तरह की कार्रवाई सीधे तौर पर मस्जिद को ध्वस्त करने की एक गहरी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। साफ है कि भाजपा सरकार मुसलमानों को निशाना बनाते हुये दमनकारी, पक्षपातपूर्ण और अलोकतांत्रिक तरीके से अपनी बुलडोजर नीति लागू कर रही है। सत्ता संरक्षित व पोषित इस नफरत में कुछ लोग तो इतने अंधे हो गए हैं कि लंगर भंडारा लगाते समय किसी का धर्म पूछकर उस के हाथों से प्रशाद की थाली तक वापस छीने ले रहे हैं ? धर्म जाति देखकर सार्वजनिक प्याऊ से पानी पीने तक के लिये मना कर रहे हैं ? किसी दाढ़ी टोपी वाले को लंगर की थाली देकर उसके खाने से पहले जयश्रीराम बोलने का दबाव डाला जा रहा है ? परन्तु हक ीकत में यह सब कुछ हो तो जरूर रहा है परन्तु इसके लिये सत्ता व संबंधित संगठनों को योजनाबद्ध तरीके से काफी मशक़्क़त करनी पड़ रही है। इसके लिये सत्ता का दुरूपयोग भी हो रहा है और लाखों निठल्ले बेरोजगार व अपराधी किस्म के लोग सत्ता का संरक्षण पाकर बेलगाम होकर धर्म व जाति विशेष के लोगों के साथ अमानवीय तरीकों से पेश आ रहे हैं। परन्तु जिस देश की रगों में राम रहीम कबीर रसखान जायसी नानक फरीद बुल्लेशाह चिश्ती औलिया जैसे महापुरुषों संतों व फक ीरों के संस्कार सीख व शिक्षाएं प्रवाहित हो रही हों उस देश पर यह संगठित नफरती गिरोह लंबे समय तक अपनी एकरंगी नफरती विचारधारा हरगिज नहीं थोप सकते। उदाहरणार्थ पिछले दिनों भारत सहित पूरे विश्व में करबला के शहीदों के नाम पर मुहर्रम संबंधी आयोजन किये गये। जगह जगह ताजिये रखे गये। इस मौके पर पूरे देश में सैकड़ों जगह ऐसे दृश्य देखे गये जबकि हिन्दुओं ने ताजियादारी की और मुहर्रम मनाया। कुछ जगहें तो ऐसी भी थीं जहाँ एक भी मुसलमान नहीं रहते परन्तु दशकों से केवल हिन्दू समाज के लोग ही ताजिया व अलम उठाते व मुहर्रम मनाते आ रहे हैं। सैकड़ों जगहों पर हिन्दू व मुसलमान बिना किसी भेदभाव के लंगर बांटते व गरीबों की मदद करते दिखाई दिये। बिहार में तो मुहर्रम को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि लोक एवं साझा सामाजिक संस्कृति के रूप में मनाया जाता है। अनेक हिन्दू बाहुल्य इलाकों में ताजिया-जुलूस के साथ मजलिस, फातिहा पढ़ने और कर्बला की घटना को याद करने की परंपरा है। बिहार के संदर्भ में तो यह भी उल्लेखनीय है कि मुहर्रम की परंपरा को कई जगह ह्लवादा, वफा और विरासतह्व के रूप में याद किया जाता है। यानी यह केवल शोक का आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, परस्पर सम्मान और साझा इतिहास का प्रतीक बन चुका है। बिहार में ही मुहर्रम का एक खास ऐतिहासिक पक्ष यह भी है कि कई गांवों में हिंदू समुदाय पीढ़ियों से ताजिया, मातम और जुलूस की परंपरा निभाता आ रहा है। उदाहरण के तौर पर कटिहार के महमदिया हरिपुर गांव में पिछले सौ साल से अधिक समय से हिंदू लोग मुहर्रम मनाते आ रहे हैं, जिसे स्थानीय लोग पूर्वजों के वादे और गंगा-जमुनी तहजीब की विरासत से जोड़ते हैं। इसी बीच राजस्थान में कई जगहों से साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव की ऐसी मिसालें देखने को मिलीं जिसने यह साबित कर दिया कि सत्ता की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में हिन्दू मुस्लिम एकता व भाईचारे को दुनिया की कोई भी ताकत मिटा नहीं सकती।

खतरे की घंटी दस्तक दे रही है कितने तैयार है हम?

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में वेनेजुएला में आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के विनाशकारी दोहरे भूकंप ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इस भीषण आपदा के कारण अब तक 1,500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 68,900 लोग लापता हैं। राजधानी कराकस और तटीय राज्य ला गुआइरा में भारी तबाही हुई है।इस त्रासदी ने न केवल वेनेजुएला, बल्कि भारत सहित दुनिया के सभी देशों को आपदा प्रबंधन और बुनियादी ढांचे को लेकर कई महत्वपूर्ण सबक दिए है।

वेनेजुएला में भूकम्प ने पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों के आधिकारिक आंकड़े भले ही बदलते रहे हों, लेकिन त्रासदी की गंभीरता निर्विवाद है। हजारों परिवार असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में संवेदना व्यक्त करने के साथ एक प्रश्न भी मन में उठता है कि क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और संवेदना के बाद सब कुछ भूल जाते हैं? यह हमें एक बार फिर याद दिलाता है कि प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं या पहाड़ दरकते हैं, तब विकास के बड़े-बड़े दावे भी कुछ ही पलों में बिखर जाते हैं। ऐसे समय में किसी देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं बल्कि उसकी तैयारी होती है।

इस बार एक सकारात्मक पक्ष भी सामने आया। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम लगता है लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ क्षण जीवन और मृत्यु के बीच काफी अंतर बना सकते हैं। स्पष्ट है कि विज्ञान इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे चेतावनी तंत्र को और अधिक सटीक, तेज और व्यापक बनाया जाए। आपको पता है कि हमारे देश में भी भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं का लंबा इतिहास रखता है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी तथा हाल के वर्षों में हिमालयी क्षेत्रों में आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। इन घटनाओं का एक ही संदेश है कि प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह नहीं बता सकते कि किस दिन और किस समय भूकम्प आएगा। लेकिन वे वर्षों से यह अवश्य बता रहे हैं कि भारत का बड़ा हिस्सा भूकम्पीय दृष्टि से संवेदनशील है। देश का लगभग 60 प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। इसका अर्थ यह है कि भविष्यवाणी भले संभव न हो, लेकिन पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है।

यहीं से एक और सवाल उभरता है। आज देश के लगभग हर शहर में कांक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन और ऊंचे टावर विकास की नई पहचान बन चुके हैं। लेकिन क्या हमने कभी गंभीरता से यह पूछा कि इन इमारतों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा के लिए भी? किसी भी भवन की असली परीक्षा उसके उद्घाटन के दिन नहीं होती। उसकी परीक्षा उस दिन होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके तो वही वास्तविक विकास है।

भारत में लगातार आ रहे छोटे भूकंपों का मुख्य कारण भारतीय टेक्टोनिक प्लेट का यूरेशियन प्लेट से टकराना और उत्तर की ओर खिसकना लगभग 49 मिलीमीटर प्रति वर्ष है। इसके कारण हिमालयी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में जमीन के भीतर लगातार दबाव और तनाव बनता रहता है, जो छोटे-छोटे झटकों के रूप में समय-समय पर बाहर निकलता है।भारत में क्यों बढ़ रही है भूकंप की आवृत्ति? भारत जिस भू-भाग पर स्थित है, वह लगातार उत्तर दिशा की ओर यूरेशियन प्लेट से टकरा रहा है। यह प्रक्रिया हिमालय के निर्माण का कारण भी है और इसी के दबाव से जमीन के अंदर भ्रंश (फॉल्ट लाइन) सक्रिय रहते हैं।भारत की लगभग 59% भूमि भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है। इसमें पूरा पूर्वोत्तर भारत, जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और गुजरात का कच्छ इलाका जोन-श सबसे खतरनाक में आता है।गहरे झटके और दूरगामी प्रभावः अक्सर उत्तर भारत जैसे दिल्ली-एनसीआर में महसूस होने वाले झटकों का केंद्र अफगानिस्तान (हिंदूकुश क्षेत्र) होता है। अधिक गहराई में होने के कारण ये झटके दूर तक महसूस होते हैं लेकिन तीव्रता कम होने से आमतौर पर बड़ा नुकसान नहीं होता।भू-वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की रायभूकंप विज्ञानियों का मानना है कि इस तरह के छोटे झटके एक तरह से राहत का संकेत भी होते हैं क्योंकि इनसे जमीन के भीतर जमा अत्यधिक दबाव धीरे-धीरे बाहर निकलता रहता है। हालांकि, देश की घनी आबादी वाले शहर (जैसे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता) जहां निर्माण मानकों का ठीक से पालन नहीं होता, वहां इनकी वजह से बड़ा खतरा हमेशा बना रहता है।

भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं बल्कि उनके पालन की है। क्या हर बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुसार बन रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण पूरा होने के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन सवालों का जवाब पूरी तरह संतोषजनक नहीं है तो चिंता स्वाभाविक है। निर्माण की गुणवत्ता के साथ किसी भी स्तर पर किया गया समझौता या लापरवाही अंततः निर्दोष नागरिकों के जीवन पर भारी पड़ सकती है। इसलिए सुरक्षा मानकों का पालन केवल कानूनी औपचारिकता नहीं बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। दरअसल सबसे बड़ी जिम्मेदारी शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर विकास न्यासों, नगर निगमों और भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की बनती है। किसी भी बहुमंजिला भवन को अनुमति देते समय केवल नक्शा और कागजी औपचारिकताएं पूरी कर लेना पर्याप्त नहीं होना चाहिए। अनुमति तभी मिले जब प्रत्येक सुरक्षा मानक का पूरी ईमानदारी से पालन हुआ हो। विकास के नाम पर सुरक्षा से किया गया हर समझौता भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकता है।एक और सोच बदलने की आवश्यकता है। अक्सर यह मान लिया जाता है कि अमुक शहर में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया इसलिए वहां खतरा कम है। यह सोच खतरनाक हो सकती है। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी विज्ञान या इंसान सटीक नहीं जानता। जमीन के नीचे का शोर लावा या हलचल कब किस रूप में बाहर आएगा, इसका सटीक अनुमान किसी के पास नहीं है। इसलिए किसी क्षेत्र को केवल पुराने अनुभवों के आधार पर पूरी तरह सुरक्षित मान लेना एक बड़ी भूल हो सकती है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, भूस्खलन, तेज हवाएं और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी निर्माण और नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। आने वाले समय के शहर बहुस्तरीय सुरक्षा की सोच के साथ ही सुरक्षित रह पाएंगे। अब समय आ गया है कि किसी भी बहुमंजिला भवन को उसकी ऊंचाई देखकर नहीं बल्कि उसकी सुरक्षा परखकर अनुमति दी जाए।इतना ही नहीं, पहले से बनी इमारतों का समय-समय पर सुरक्षा परीक्षण भी आवश्यक है। अस्पताल, विद्यालय, सरकारी भवन, पुल, फ्लाईओवर और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक परिसरों का नियमित संरचनात्मक परीक्षण होना चाहिए। जहां कमजोरी मिले वहां समय रहते सुधार किया जाए। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने से कहीं अधिक बुद्धिमानी पहले से सुरक्षा पर निवेश करने में है। साथ ही नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित अभ्यास हों। आधुनिक चेतावनी प्रणाली गांवों तक पहुंचे। लोगों को यह पता हो कि संकट की पहली घड़ी में क्या करना है और क्या नहीं करना है। जागरूक समाज ही किसी भी आपदा के प्रभाव को कम कर सकता है।

यह सही है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक सूचना तंत्र, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, ईमानदार प्रशासन और जागरूक नागरिकों का एक साथ काम करना आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती की परीक्षा लेती है। इसलिए अब समय आ गया है कि विकास की परिभाषा बदल दी जाए। विकसित भारत की पहचान सबसे ऊंची इमारतों से नहीं बल्कि सबसे सुरक्षित इमारतों, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन और सबसे सजग नागरिकों से होगी। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैयारी रखनी होगी।

बाथरूम में छिपाते थे पैसे, निकालने की ये थी ट्रिक... चढ़ावा चोरों ने पूछताछ में सब कबूला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच में पूछताछ के दौरान कई नए दावे सामने आए हैं. पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी कैमरों की लोकेशन जानकर कैश निकालते थे और पहले उसे बाथरूम में छिपाकर बाद में बाहर ले जाते थे. जांच अब आरोपियों की संपत्तियों, बैंक खातों, आय-व्यय, गणना कक्ष के कर्मचारियों और पूरे दान प्रबंधन सिस्टम तक पहुंच गई है. पुलिस मामले के हर पहलू की पड़ताल कर रही है. राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का मामला हर दिन नए मोड़ ले रहा है. पुलिस जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे कई ऐसे नए खुलासे होते जा रहे हैं जो हैरान करने वाले हैं. गिरफ्तार कर जेल गए 8 आरोपियों से अदालत की अनुमति के बाद पूछताछ हुई. जिसमें आरोपियों से कई अहम जानकारियां मिलने का दावा किया जा रहा है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि दान राशि में हेराफेरी कैसे की जाती थी, कैमरों की लोकेशन, कर्मचारियों की ड्यूटी, सुरक्षा व्यवस्था और रकम बाहर निकालने का तरीका हर पहलू पर पहले से तैयारी रहती थी. सूत्रों का दावा है कि गणना कक्ष में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति से आरोपी पूरी तरह परिचित थे. उन्हें पता था कि कैमरे किस दिशा में हैं और कहां से कैसी रिकॉर्डिंग होती है. इसी वजह से कथित तौर पर रकम निकालने के दौरान एक व्यक्ति कैश अपने पास रखता था, जबकि बाकी कर्मचारी उसे चारों तरफ से घेर लेते थे ताकि कैमरे में साफ तस्वीर दर्ज न हो सके. पूछताछ में सामने आई सबसे चौंकाने वाली बात यह बताई जा रही है.

यूपी का भविष्य बदल देगा डिफेंस कॉरिडोर, करीब 40 हजार करोड़ के निवेश से पैदा होंगी 15,000 नौकरियां

उत्तर प्रदेश के रक्षा सामग्री उत्पादन में अग्रणी राज्य बनने की उम्मीद है। राज्य में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (UPDIC) में भारी निवेश की आशा है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। रक्षा सामग्री उद्योग के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश नई ऊंचाईयों को छूने लगा है। राज्य में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (UPDIC) में 39,571 करोड़ रुपये का निवेश होने की आशा है। राज्य में नौ निर्माण इकाइयां पहले से चल रही हैं और 13,486 करोड़ के प्रोजेक्ट धरातल पर उतर चुके हैं। यह भारत के डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में यूपी की बढ़ती भूमिका को स्पष्ट करता है। उत्तर प्रदेश में सन 2018 में शुरू की गई उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेलवपमेंट अथॉरिटी (PEIDA) द्वारा विकसित किया गया यह डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर कानपुर, झांसी, लखनऊ, अलीगढ़, आगरा और चित्रकूट में छह हिस्सों में फैला है। इसमें अब तक किए गए निवेश से करीब 15,300 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

करीब 13,486 करोड़ रुपये की परियोजनाएं आकार ले चुकीं

यूपीडीआईसी एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, कॉरिडोर में करीब 13,486 करोड़ रुपये की परियोजनाएं आकार ले चुकी हैं। इनमें करीब 15,300 रोजगार पैदा करने की क्षमता है। यह परियोजनाएं यूपी की रक्षा निर्माण क्षमताओं को काफी मजबूत करेंगी। उत्तर प्रदेश अब अगले पांच वर्षों में 25,000 करोड़ का और निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य तय कर रहा है। इस निवेश से करीब 20 से 22 हजार नौकरियां पैदा होंगी।

राज्य में 65 उद्योगों ने ली जमीन

डिफेंस कॉरिडोर के लिए 2095 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहीत की गई है। इसमें से 1141.79 हेक्टेयर जमीन उद्योगों को आवंटित की जा चुकी है। रक्षा सामग्री उत्पादन से जुड़ीं इकाइयां लगाने के लिए 65 कंपनियों ने जमीन ली है। कानपुर में सबसे अधिक 12,948 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। इसके बाद झांसी में 12,190 करोड़ रुपये का निवेश होने वाला है। लखनऊ में 4850.67 करोड़ रुपये का निवेश आया है। अलीगढ़ में 4581 करोड़ रुपये, चित्रकूट में 4392 करोड़ रुपये और आगरा में 607 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। डिफेंस कॉरिडोर में पहले से नौ उत्पादन इकाइयां काम कर रही हैं। इनमें से कानपुर, लखनऊ और अलीगढ़ में तीन-तीन यूनिटें हैं। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेलवपमेंट अथॉरिटी को उम्मीद है कि मौजूदा वित्तीय वर्ष के अंत तक, यानी मार्च 2027 तक 14 और इंडस्ट्रियल यूनिटों में प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा।

मंत्री जी के स्वागत में आए स्कूली बच्चे उमस भरी गर्मी में तड़पते रहे, तुलसी सिलावट घंटों आए लेट

बुरहानपुर में एक सरकारी कार्यक्रम के दौन उमस भरी गर्मी में छात्राएं परेशान दिखी हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बुरहानपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह में उस समय अव्यवस्था की तस्वीर सामने आई, जब मुख्य अतिथि और जिले के प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट निर्धारित समय पर कार्यक्रम स्थल नहीं पहुंचे। मंत्री की लेटलतीफी का खामियाजा स्कूली छात्र-छात्राओं और वहां मौजूद महिलाओं को भुगतना पड़ा। सुबह 11बजे से पहुंचे लोग दोपहर तक रिमझिम बारिश के बीच उमस और गर्मी से बेहाल रहे। कई बच्चे अपने रूमाल और कॉपियों से हवा करते नजर आए। जानकारी के मुताबिक छात्र-छात्राएं सुबह करीब 11 बजे ही कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए थे। महिला एवं बाल विकास विभाग का अमला भी समय से पहले मौजूद था। लेकिन प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट का आगमन दोपहर करीब 3 बजे होने से सभी को घंटों इंतजार करना पड़ा। उमस भरे मौसम में बच्चे पसीने से तरबतर नजर आए, जबकि कई महिलाएं और कर्मचारी भी गर्मी से परेशान दिखे।

समय का पालन होना चाहिए

कार्यक्रम में शामिल लोगों का कहना है कि जब बच्चों और महिलाओं को पहले से बुलाया गया था तो समय का पालन होना चाहिए था। घंटों तक इंतजार के दौरान न तो पर्याप्त राहत की व्यवस्था दिखाई दी और न ही बच्चों की परेशानी पर ध्यान दिया गया। विद्यार्थियों का कहना था कि उनकी पढ़ाई का समय भी प्रभावित हुआ और उन्हें बिना वजह घंटों बैठना पड़ा जल गंगा संवर्धन अभियान को लेक हर जिले में आयोजित किए गए थे कार्यक्रम बुरहानपुर में मंत्री तुलसी सिलावट थे मेहमान उमस भरी गर्मी में बेहाल दिखीं छात्राएं लोगों में मंत्री के लेट आने से दिखी नाराजगी

जिले में हो रही है चर्चा

जल संरक्षण और जनजागरूकता जैसे महत्वपूर्ण अभियान के समापन समारोह में मंत्री की लेटलतीफी अब चर्चा का विषय बन गई है। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि जब सरकारी कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को बुलाया जाता है तो क्या उनके समय, स्वास्थ्य और पढ़ाई की कोई अहमियत नहीं है? घंटों इंतजार से परेशान बच्चों और महिलाओं की तस्वीरों ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखने वाली बात होगी कि भविष्य में ऐसे आयोजनों में समय पालन और व्यवस्थाओं को लेकर क्या सुधार किए जाते हैं।

'घंटे भर नहीं आई मदद, आंखों के सामने फंसा रह गया पैर', दौसा बस हादसे में इंदौर के 5 की मौत, 22 घायल

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ऋषिकेश से इंदौर आ रही हंस ट्रेवल्स की स्लीपर बस के ट्रेलर से टकराने के बाद भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में इंदौर के 5 यात्रियों सहित 8 लोगों की मौत हो गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। राजस्थान के दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार देर रात एक ऐसा खौफनाक हादसा हुआ, जिसने इंदौर के कई हंसते-खेलते परिवारों की खुशियां छीन लीं। ऋषिकेश से तीर्थयात्रा कर इंदौर लौट रही हंस ट्रेवल्स की एक स्लीपर बस हाईवे पर आगे चल रहे एक ट्रेलर से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कुछ ही पलों में दोनों वाहनों में भयंकर आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में इंदौर के पांच निवासियों समेत कुल आठ यात्रियों की मौत हो गई है। वहीं, 22 अन्य यात्री गंभीर रूप से झुलस गए और घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए दौसा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की खबर मिलते ही इंदौर में मृतकों के घरों में कोहराम मच गया। यह दर्दनाक वाकया मंगलवार देर रात करीब 2:30 बजे एक्सप्रेसवे पर कोलवा थाना इलाके के तनावड़ जीरो पॉइंट के पास हुआ। पुलिस की प्राथमिक जांच के मुताबिक, आशंका है कि बस ड्राइवर को अचानक नींद की झपकी आ गई थी, जिसके कारण तेज रफ्तार बस सीधे ट्रेलर में जा घुसी। आग इतनी तेजी से फैली कि सोते हुए यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। पांच लोग आग में जिंदा जल गए, जबकि तीन की मौत गंभीर चोटों के कारण हुई। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर कोलवा थाना क्षेत्र के पास देर रात 2:30 बजे हुआ दर्दनाक हादसा। ऋषिकेश से इंदौर लौट रही हंस ट्रेवल्स की बस में आग लगने से इंदौर के 5 नागरिकों की मौत। हादसे में मारे गए 8 लोगों में से 5 की जान बस में लगी भीषण आग के कारण जिंदा जलने से हुई। चश्मदीद यात्री का दावा, सूचना देने के करीब एक घंटे बाद तक मौके पर नहीं पहुंची कोई राहत टीम। बस में सवार इंदौर के चंद्रप्रकाश गुप्ता ने रोते हुए इस हादसे का दिल दहला देने वाला मंजर बयां किया। उन्होंने बताया, 'टक्कर के बाद बस में धुआं भर गया। मैं किसी तरह बाहर निकला, लेकिन मेरी पत्नी का पैर सीट में फंस गया था। मैंने निकालने की बहुत कोशिश की, लेकिन देखते ही देखते वह बेहोश हो गईं।' उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस और हाईवे पेट्रोलिंग को बार-बार फोन करने के बाद भी एक घंटे तक कोई मदद नहीं पहुंची। अगर समय पर रेस्क्यू टीम आती, तो शायद कई और जानें बचाई जा सकती थीं। फिलहाल पुलिस मामले की तकनीकी जांच कर रही है।

एमपी कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी, कोर्ट ने कहा- पुलिस उन्हें क्यों नहीं ढूंढ पा रही

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं उनके खिलाफ ग्वालियर की एमपी एमएलए कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी की है मामले में अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया गया है। यह वारंट ग्वालियर की एमपी एमएलए कोर्ट की तरफ से जारी किया गया है। यह पूरा घटनाक्रम साल 2024 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा हुआ है। साथ ही कोर्ट ने पुलिस को भी फटकार लगाई है।

2024 लोकसभा चुनाव से जुड़ा है मामला

दरअसल, 2024 के लोकसभा चुनाव में जीतू पटवारी भिंड जिले में पहुंचे थे। यहां उमरी इलाके में उन्होंने सार्वजनिक तौर पर यह बात कही थी कि बीएसपी के प्रत्याशी देवाशीष जरारिया बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव को प्रभावित कर रहे हैं। यह बयान सामने आने के बाद देवाशीष जरारिया के चुनावी प्रतिनिधि अशोक गुप्ता ने इस बात की शिकायत उमरी थाने में दर्ज कराई थी। इसके बाद जीतू पटवारी पर एफआईआर दर्ज कर ली गई थी। इसी मामले की लंबे समय से सुनवाई चल रही थी। एमपी एमएलए कोर्ट की तरफ से कई बार जीतू पटवारी को सम्मन जारी किए गए थे। लेकिन वह कोर्ट में पेश नहीं हुए। बीते रोज इसी मामले में सुनवाई करते हुए एमपी एमएलए कोर्ट ने जीतू पटवारी के खिलाफ गिरफ्तारी जा वारंट जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को होनी है।

ये था पूरा मामला

जीतू पटवारी ने लोकसभा चुनाव में लगाए थे आरोप बीएसपी प्रत्याशी देवाशीष जरारिया पर जीतू ने लगाए थे आरोप उन्होंने कहा था कि वह बीजेपी की कर रहे हैं मदद कोर्ट ने जारी किया है गिरफ्तारी वारंट गौरतलब है कि साल 2024 के लोकसभा चुनाव में देवाशीष जरारिया को कांग्रेस से टिकट नहीं मिला था इस वजह से वह कांग्रेस से बगावत करके बीएसपी में शामिल हो गए थे और बीएसपी के टिकट पर ही चुनाव लड़े थे।

कोर्ट ने की है सख्त टिप्पणी

सुनवाई के दौरान एमपी-एमलए कोर्ट ने सख्त टिप्पणी भी की है। एमपी-एमएलए कोर्ट ने कहा कि जीतू पटवारी के बयान और उनकी राजनीतिक गतिविधियां हर जगह दिख रही हैं। लेकिन पुलिस उन्हें नहीं ढूंढ पा रही है।

मायके में पड़ोसी से अफेयर...16 साल के भाई ने गला दबाकर ले ली बहन की जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में मंगलवार शाम को एक 16 साल के किशोर ने अपना 17 साल की बहन का गला दबाकर हत्या कर दी. उसके बाद अकेले चलकर वह पुलिस चौकी पहुंचा और पुलिस को बताया कि उसने अपनी बहन की हत्या कर दी है. उसने आरोप लगाया कि वह कई महीनों से अपनी ससुराल नहीं जा रही है थी और पड़ोस के रहने वाले एक लड़के से उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था जिसके साथ वो चली गई थी. पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया और उसके घर पहुंची वहां शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया. दरअसल मामला मेरठ के लोहियानगर थाना क्षेत्र का है. जहां हुमायूं नगर के रहने वाला सलीमुद्दीन कारपेंटर का काम करता है. मंगलवार शाम को सलीमुद्दीन का बेटा दिलशाद फतलहपुर चौकी पहुंचा और उसने पुलिस को हत्या की बात बताकर सरेंडर कर दिया. इसके बाद पुलिस उसको साथ लेकर घर पहुंची. घर के अंदर एक कमरे में उसकी बहन इलमा का शव जमीन पर पड़ा हुआ था. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया. बताया जा रहा है कि इलमा की 2 साल पहले शादी हुई थी लेकिन वह 6 महीने से अपनी ससुराल नहीं जा रही थी. आरोप है कि 28 जून को करीब सुबह 6:00 बजे वह पड़ोसी के साथ कहीं चली गई थी. आरोप है कि 2 साल पहले भी इलमा लिसाड़ी गेट के रहने वाले एक लड़के के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ी गई थी इसके बाद उसका उस लड़के से उसका निकाह हो गया. 6 महीने पहले इलमा ससुराल से मायके आ गई इसी दौरान बताया जा रहा है कि उसका पड़ोस के रहने वाले युवक से प्रेम प्रसंग हो गया और दोनों चोरी छुपे मिलने लगे . पड़ोसियों ने इसकी शिकायत इलमा के परिवार से की . परिवार वालों ने भी इलमा को समझने की कोशिश की और ससुराल जाने को कहा लेकिन उसने ससुराल जाने से मना कर दिया . रविवार सुबह 6:00 बजे इलमा उसके साथ कहीं चली गई. काफी ढूंढने का प्रयास किया गया लेकिन वह नहीं मिली मंगलवार सुबह 9:00 बजे इलमा घर वापस लौट आई और परिजनों से उसका झगड़ा हुआ. बताया जा रहा है कि करीब शाम 4:00 बजे इलमा अपने कमरे में थी तभी उस का 16 साल का भाई दिलशाद उसके कमरे में आया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया. इसके बाद गला दबाकर उसने इलमा की हत्या कर दी. हत्या के बाद दिलशाद पुलिस चौकी पहुंचा और घटना के बारे में बताया. पुलिस दिलशाद के घर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया. जबकि दिलशाद को गिरफ्तार कर लिया गया.

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ी, मेदांता अस्पताल में भर्ती

अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में स्थित राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी को लेकर मामला सुर्खियों में है. इस बीच राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज को अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया. उन्हें सोमवार को दोपहर 1 बजकर 35 मिनट पर अस्पताल लाया गया था. उस समय उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी और साथ ही पेशाब में इंफेक्शन की शिकायत भी थी. भर्ती होने के बाद से ही डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है. अस्पताल के डॉक्टर ने महंत नृत्य गोपाल दास के स्वास्थ्य को लेकर जानकारी दी है. डॉक्टर ने बताया कि महंत गोपाल की सेहत अब पहले से काफी बेहतर है. उन्होंने कहा कि हर कोई महंत गोपाल के स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ कर रहा है. उन्हें भर्ती हुए दो दिन हो चुके हैं और उनकी हालत में लगातार सुधार देखा जा रहा है. डॉक्टर के मुताबिक महंत नृत्य गोपाल दास का इलाज अस्पताल की सीसीएम टीम कर रही है. इस टीम की अगुवाई डॉ. दिलीप दुबे कर रहे हैं. पेशाब में जो इंफेक्शन हुआ है, उसकी जांच और इलाज खुद डॉक्टर देख रहे हैं. डॉक्टर ने भरोसा दिलाया कि महंत गोपाल को लगातार स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है और उनकी सेहत सुधर रही है. हालांकि डॉक्टर ने यह भी साफ किया कि महंत नृत्य गोपाल दास को पूरी तरह ठीक होने में अभी तीन से चार दिन और लग सकते हैं. डॉक्टर ने उम्मीद जताई है कि स्वास्थ्य लाभ के बाद महंत गोपाल एक बार फिर अयोध्या लौट जाएंगे. अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों की टीम उनकी सेहत पर पूरी नजर बनाए हुए है ताकि जल्द से जल्द वह पूरी तरह स्वस्थ हो सकें.

'मंदिर हमारा, चंदा हमारा, चोरी हमारे लोगों ने की राम मंदिर मामले पर ये क्या बोल गए पिंकी

उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चंदा देने वाले और चंदा अपने घर ले जाने वाले दोनों ही भगवान राम को मानने वाले हैं।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। देशभर में इन दिनों अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी का मामला गर्माया हुआ है। मामले की जांच के लिए योगी सरकार की तरफ से एसआईटी का गठन किया गया। आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करते हुए उनकी भी गिरफ्तारी हुई। साथ ही, चंपत राय और अनिल मिश्रा जैसे बड़े पदाधिकारियों ने ट्रस्ट से इस्तीफा दे दिया है। इस बीच हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने मामले पर अलग ही बयान दिया है। उनका कहना है कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सवाल नहीं उठाने चाहिए। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर पिंकी चौधरी ने वीडियो जारी करते हुए कहा, 'आज हमारा भव्य राम मंदिर है, जिसे देखने के लिए पूरे देश के कोने-कोने से लोग जा रहे हैं। जो लोग चंदा दे रहे हैं, वो सभी रामजी को मानने वाले हैं। जो वहां थे, वो भी रामजी को मानने वाले ही हैं और रामजी के आशीर्वाद से ही उनके घरों में कुछ चंदा गया है। उनका मन परिवर्तित हुआ और चंदा उनके घरों में गया। इसमें किसी को प्रश्नचिह्न लगाने का और किसी को यह कहने का अधिकार नहीं है कि उन लोगों को उठाओ, जेल मेंबंद करो। मंदिर हमारा, चंदा हमारा, चोरी की हमारे लोगों ने और तुम लोग खामख्वाह ड्रामेबाजी कर रहे हो।'

'मस्जिदों और मदरसों पर कोई नहीं बोलता'

अपने वीडियो में पिंकी चौधरी ने आगे कहा, 'मस्जिद और मदरसों पर तो किसी ने आवाज नहीं उठाई। इन मदरसों में विदेश से, पाकिस्तान से, इंस्लामिक कंट्री से और कहां-कहां के देशों से पैसा आ रहा है। मस्जिद और मदरसों में आकर वहां से आतंकवादी पैदा किए जा रहे हैं। वहां कोई बोलने को तैयार नहीं है। वहां सबके मुंह में दही जम जाती है। जितने भी चर्च हैं, उनमें बाहर से फंडिंग आती है। ईसाई देश फंडिंग करते हैं और हमारे देश में ईसाई बनाने का काम करते हैं। वहां कोई आवाज नहीं उठाता है।'

हमारा चंदा चोरी हुआ, हम देखेंगे- पिंकी चौधरी

पिंकी चौधरी ने कहा, 'अब इन्हें एक मुद्दा मिल गया है रामजी के ऊपर। बोल रहे हैं कि अयोध्या के राम मंदिर में चंदा चोरी हो गया। अरे, हमारा चंदा चोरी हुआ है, हम उसे देखेंगे। आपको हमारे मंदिर पर सवाल-जवाब करने का अधिकार नहीं है। सभी हिंदुओं को इसपर आवाज उठानी चाहिए। हमारा मंदिर, हमारा चंदा चोरी हुआ है, वह हम देखेंगे। किसी दूसरे आदमी को इसमें हाथ डालने का या बोलने का कोई अधिकार नहीं होना चाहिए।'

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (गुरुवार)
02 जुलाई 2026

मंगेतर सिया के पास ही था केतन का फोन, मर्डर के बाद सबूत मिटाने का शक

पुणे के लोनावला में हुए केतन अग्रवाल मर्डर केस में बड़ा खुलासा हुआ है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। लोहागढ़ किले में हुए 26 वर्षीय केतन अग्रवाल हत्याकांड में एक नया और बेहद चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। पुलिस जांच में यह बात निकलकर आई है कि केतन की मौत के बाद उसका मोबाइल फोन काफी समय तक उसकी मंगेतर सिया गोयल के पास ही था। सिया ने बाद में यह फोन केतन के परिवार को सौंप दिया था। हालांकि, अब पुणे ग्रामीण पुलिस इस बात की गहराई से तफ्तीश कर रही है कि क्या फोन सिया के पास रहने के दौरान उसमें से कोई अहम सबूत या चैट डिलीट किए गए हैं।

मंगेतर और उसके प्रेमी पर हत्या का आरोप

बता दें कि केतन अग्रवाल की आगामी नवंबर में सिया से शादी होने वाली थी। इसके लिए जयपुर में 17 करोड़ रुपये का महल बुक किया गया था। लेकिन शादी से पहले ही सिया और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने मिलकर कथित तौर पर केतन को लोनावला के लोहागढ़ किले की पहाड़ी से नीचे धकेल कर मौत के घाट उतार दिया। फिलहाल दोनों आरोपी 3 जुलाई तक पुलिस हिरासत में हैं।

क्राइम सीन रीक्रिएशन और साइंटिफिक टेस्ट की तैयारी

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने रविवार को आरोपी सिया की मौजूदगी में डमी को पहाड़ी से नीचे फेंककर क्राइम सीन रीक्रिएट किया। इसके बाद सह-आरोपी चेतन को भी किले पर ले जाकर घटनाक्रम को दोहराया गया। अब पुलिस इस मामले में सीसीटीवी फुटेज की सच्चाई परखने के लिए 'गेट एनालिसिस' यानी चाल ढाल का वैज्ञानिक अध्ययन कराने की योजना बना रही है। दरअसल, बचाव पक्ष का दावा है कि सीसीटीवी में दिख रहा शख्स चेतन नहीं है, जिसे पुलिस इस टेस्ट के जरिए खारिज करना चाहती है। केतन को सिया और चेतन के अफेयर पर शक था, और उसने अपने पिता से सिया का बैकग्राउंड चेक कराने को भी कहा था।

टिल्लू ताजपुरिया गैंग का मुख्य शार्प शूटर डागू महाराज गिरफ्तार, चचेरा भाई को भी दबोचा

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने टिल्लू ताजपुरिया गैंग के शार्प शूटर संदीप उर्फ डागू महाराज और उसके भाई दीपक को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कुख्यात टिल्लू ताजपुरिया गैंग के एक सक्रिय शार्प शूटर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी पिछले साल अलीपुर इलाके में एक विवादित जमीन पर कब्जे के दौरान हुई अंधाधुंध फायरिंग और जानलेवा हमले के मामले में वॉन्टेड था। आरोपी संदीप उर्फ डागू महाराज (40) है। पुलिस ने इसके चचेरे भाई दीपक (32) को भी गिरफ्तार किया है। दोनों ही सोनीपत हरियाणा के रहने वाले हैं।

यह है पूरा मामला

पुलिस अधिकारी ने बताया, 30 अक्टूबर 2025 को दिल्ली के रमजानपुर गांव में एक विवादित प्लॉट पर अवैध कब्जा करने के इरादे से 30 से 45 हथियारबंद बदमाश इकट्ठा हुए थे। इस दौरान बदमाशों ने इलाके में दहशत फैलाने के लिए करीब 12 राउंड गोलियां चलाईं, प्लॉट का ताला तोड़ने की कोशिश की और लाठी-डंडों से कई लोगों पर जानलेवा हमला किया था। अलीपुर थाने में हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। तभी से आरोपी मामले में फरार चल रहा था। क्राइन ब्रांच की नॉर्दन रेंज (2) टीम को सूचना मिली थी कि डागू महाराज अपने एक साथी के साथ काले रंग की स्कॉर्पियो-एन गाड़ी में अवैध हथियारों के साथ नरेला इलाके में आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नरेला यूईआर-द्वद्ध रोड के पास जाल बिछाया। जैसे ही संदिग्ध स्कॉर्पियो गाड़ी वहां पहुंची, पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। पुलिस को देख आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए पीछा किया और दोनों को दबोच लिया। पुलिस ने डागू महाराज के पास से एक अवैध सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और 4 जिंदा कारतूस बरामद हुए। वहीं, उसके भाई दीपक के पास से भी 4 जिंदा कारतूस मिले। इसके अलावा अपराध में इस्तेमाल की जा रही स्कॉर्पियो कार को भी जब्त कर लिया गया है। पूछताछ में सामने आया कि डागू महाराज साल 2011 में पहली बार मोबाइल स्नैचिंग में पकड़ा गया था, जिसके बाद वह अपराध की दुनिया में धंसता चला गया। उस पर मर्डर और अटेम्प्ट टू मर्डर के कई केस दर्ज हैं।

दिल्ली में 1 नवंबर से 31 जनवरी तक इन बाहरी वाहनों को नहीं मिलेगी एंट्री, पार्किंग फी भी होगी डबल

दिल्ली सरकार ने इस सर्दी प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 1 नवंबर से 28 फरवरी तक कड़े नियम लागू किए हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हर साल सर्दियों का मौसम प्रदूषण की मार लेकर आता है. इस बार प्रदूषण पर नकेल के लिए सरकार पहले से ही एक्शन प्लान तैयार करने में जुटी है. दिल्ली सरकार ने इस बार प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए कड़े नियमों का ऐलान कर दिया है. दिल्ली में इस बार एक नवंबर से 28 फरवरी तक वाहनों की आवाजाही से लेकर निर्माण कार्य तक, कड़े नियम लागू रहेंगे. दिल्ली सरकार का कहना है कि पिछले तीन वर्ष में सर्दियों के दौरान वायु गुणवत्ता लगातार बहुत खराब से गंभीर श्रेणी तक पहुंचती रही है, इसलिए अब स्थायी और सख्त उपाय लागू किए जा रहे हैं. दिल्ली में अब बिना पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल (पीयूसी) सर्टिफिकेट के वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा. दिल्ली के सभी पेट्रोल और सीएनजी पंपों पर पूरे साल केवल उन्हीं वाहनों को ईंधन मिलेगा, जिनके पास वैध पीयूसी होगा. दिल्ली में अब एएनपीआर कैमरों और डिजिटल डेटाबेस के जरिये निगरानी की जाएगी. बिना पीयूसी के पकड़े जाने पर जुर्माना लगाया जाएगा. एक नवंबर से 31 जनवरी तक दिल्ली में दिल्ली के बाहर पंजीकृत बीएस-VI से नीचे के वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा. दिल्ली से बाहर के सभी वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर इस अवधि के दौरान रोक रहेगी. हालांकि, CNG के साथ ही इलेक्ट्रिक वाहन, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और पुलिस की गाड़ियों को छूट दी जाएगी. एक नवंबर से 28 फरवरी तक पार्किंग की फीस भी महंगी होगी. अधिकृत पार्किंग स्थलों पर वाहन पार्क करने की फीस इस अवधि में दोगुनी वसूली जाएगी. दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के पार्किंग स्थलों को इस फैसले से बाहर रखा गया है. इसके पीछे यह तर्क दिया जा रहा है कि इससे लोग मेट्रो का अधिक उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित होंगे. एक नवंबर से 31 जनवरी तक सरकारी और निजी कार्यालयों में केवल 50' कर्मचारी ही शारीरिक रूप से उपस्थित रह सकेंगे. बाकी कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम अनिवार्य होगा. निजी कंपनियों को कार-पूलिंग, सार्वजनिक परिवहन और अलग-अलग शिफ्ट लागू करने के निर्देश दिए गए हैं. इस अवधि में निर्माण और तोड़फोड़ के काम पर भी रोक रहेगी. 10 दिसंबर से 20 जनवरी के बीच अधिकांश निर्माण और तोड़फोड़ से जुड़े काम पर पूर्ण प्रतिबंध लागू रहेगा.

दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों को प्राइवेट कंपनियां लेंगी गोद नई योजना को मिली मंजूरी

दिल्ली सरकार ने 'हमारे स्मारक, हमारा गौरव' कैंपेन के तहत 75 ऐतिहासिक स्मारकों को गोद देने और संरक्षण के लिए 2 करोड़ तक अनुदान देने की मंजूरी दी है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार ने राजधानी की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और उन्हें पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जानकारी दी है कि सरकार ने 'हमारे स्मारक, हमारा गौरव' कैंपेन के तहत दो नई योजनाओं को मंजूरी दी है. इस पहल का मकसद दिल्ली की विरासत को जनभागीदारी के जरिए संवारना और आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाना है. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' विजन को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली के 75 ऐतिहासिक स्मारकों को अगले पांच वर्षों के लिए निजी कंपनियों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSU), ट्रस्ट और गैर-सरकारी संगठनों को 'स्मारक मित्र' के रूप में गोद लेने की अनुमति दी जाएगी. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'दिल्ली की हर पीढ़ी ने इस शहर को अपनी तरह से जिया है. किसी ने इन स्मारकों को किताबों में पढ़ा, किसी ने उन्हें करीब से देखा. अब वक्त है कि इस विरासत को और संवारकर अगली पीढ़ी को सौंपा जाए. ' उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के विजन को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली सरकार ने 'हमारे स्मारक, हमारा गौरव' अभियान के तहत दो नई योजनाओं को मंजूरी दी है. रेखा गुप्ता ने बताया, 'अब दिल्ली के 75 ऐतिहासिक स्मारकों को 5 साल के लिए निजी कंपनियां, पीएसयू, ट्रस्ट और एनजीओ 'स्मारक मित्र' बनकर गोद ले सकेंगे. वहीं, स्मारकों के मूल संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए पात्र संस्थाओं को 2 करोड़ तक का अनुदान दिया जाएगा. ' उन्होंने आगे बताया कि जनभागीदारी से दिल्ली की विरासत को नए गौरव और नई पहचान के साथ जीवंत सांस्कृतिक एवं पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित किया जाएगा.

मुंबई के चेंबूर इलाके में स्कूल बस पर गिरा पेड़, 1 छात्र की मौत, चार बच्चे घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। चेंबूर इलाके से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां एक स्कूल बस पर पेड़ गिर गया। इस हादसे में एक छात्र की मौत हो गई, जबकि चार छात्र घायल हो गए हैं। पुलिसने बताया कि चेंबूर के रोड नंबर-11 पर स्थित यूनिवर्सल स्कूल की एक बस पर अचानक पेड़ गिर गया। इससे बस में सवार एक छात्र की मौत हो गई, जबकि चार अन्य छात्र घायल हो गए।

हादसे के समय कितने बच्चे बस में थे सवार?

जानकारी के अनुसार, हादसे के समय स्कूल बस में कुल 12 बच्चे सवार थे। अचानक पेड़ गिरने से बस को काफी नुकसान पहुंचा और उसमें सवार बच्चों में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में कुल 5 छात्रों को चोट आई थी, इसमें एक छात्र गंभीर रूप से घायल था। गंभीर रूप से घायल छात्र को शाम 4:23 बजे मृत घोषित कर दिया गया। छात्र की पहचान विहान श्रीवास्तव के रूप में हुई है। छात्र 11 साल का था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और बचाव दल मौके पर पहुंचे। बस में फंसे सभी छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में घायल चार छात्रों का इलाज चेंबूर स्थित जेन अस्पताल में चल रहा है। डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है। घटना के बाद पुलिस, दमकल विभाग और अन्य राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए तथा स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद बीएमसी समेत तमाम विभागों के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और राहत-बचाव कार्य में जुट गए। पेड़ के नीचे दबी बस को भी निकालने का काम शुरू किया गया, जो क्षतिग्रस्त हो चुकी है। मुंबई के डिप्टी मेयर संजय घाडी ने इसे दिल दहला देने वाली घटना बताते हुए जानकारी दी कि बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा।

महाराष्ट्र के विकास के लिए शिवसेना UBT छोड़ एकनाथ शिंदे गुट में हो रहे शामिल

हाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे से बगावत की और शिवसेना के दो गुट हो गए। अब भी लगातार शिवसेना यूबीटी से पलायन जारी है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में हाल में हुई एक घटना ने लोकतंत्र के सामने बड़ा असहज सवाल खड़ा कर दिया है। शिवसेना के सांसद नागेश पाटिल अष्टिकर 5 अन्य सांसदों के साथ एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना में शामिल हो गए। हालांकि यह कोई बड़ी बात नहीं रही, लेकिन दल बदलने पर पाटिल ने कहा कि उनका फैसला क्षेत्र के विकास के लिए है। उन्होंने तर्क दिया कि विकास कार्यों के लिए फंड चाहिए और उसके लिए सत्ता में होना जरूरी है। उन्होंने साफ किया कि उद्धव ठाकरे से उनकी कोई नाराजगी नहीं है।

कई सवाल खड़े किए

राजनीति में दल-बदल नया नहीं है। नेता कभी वैचारिक मतभेद, कभी नेतृत्व संकट और कभी चुनावी गणित की वजह से पाला बदलते रहे हैं। लेकिन, नागेश की बात ने सीधे तौर पर सत्ता और विकास के बीच संबंध को स्वीकारा है। नागेश ने यह कहकर कि विकास के लिए सत्ता जरूरी है, लोकतंत्र और भारतीय राजनीति को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सवाल है कि क्या सिर्फ सत्तासीन सांसदों के चुनावी क्षेत्रों में ही विकास होगा? क्या लोकतंत्र के दो अहम स्तंभ माने जाने वाले सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन कमजोर हो रहा है या बिगड़ गया है? लोकतंत्र में सांसद चाहे सत्ता पक्ष के हों या विपक्ष के, उनके अधिकार बराबर हैं। सड़क, अस्पताल, स्कूल, बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं किसी राजनीतिक दल की कृपा नहीं, लोगों का अधिकार है। इसलिए, जब कोई सांसद ऐसा कहता है कि विकास के लिए सत्ता में होना जरूरी है, तो यह सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी नहीं, राजनीतिक प्रतिबद्धता पर सवाल है। भारत की संसदीय व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका सिर्फ सरकार की आलोचना तक सीमित नहीं है। उसका काम सरकार को जवाबदेह बनाना, गलत नीतियों पर सवाल उठाना और उन मतदाताओं की आवाज बनना है, जिन्होंने सत्ता पक्ष को नहीं चुना। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष, दोनों की मौजूदगी जरूरी है। एक मजबूत सरकार जितनी अहम है, उतना ही जरूरी मजबूत विपक्ष का होना भी है। अगर देश का राजनीतिक माहौल ऐसा हो जाए कि विपक्षी जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र के विकास के लिए सत्ता पक्ष में शामिल होना पड़ेगा, तो इसका असर न सिर्फ राजनीतिक दलों, बल्कि मतदाताओं के भरोसे पर भी पड़ेगा। अगर मतदाताओं के मन में यह धारणा बन जाए कि विपक्ष मे रहकर उनके जनप्रतिनिधि कुछ नहीं कर सकते तो यह सोच लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा को कमजोर करेगी।

आंध्र प्रदेश को महाराष्ट्र ने दिए दो फीमेल टाइगर तो देवेंद्र फडणवीस को थैंक्स बोलने मुंबई पहुंचे पवन कल्याण

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम के. पवन कल्याण ने मुंबई में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस से उनके कैंप ऑफिस में मुलाकात की। इस दौरान दोनों राज्यों के आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें मुख्य रूप से वन्यजीव संरक्षण और पूर्वी घाट में बाघों की आबादी बढ़ाने के प्रयासों पर ध्यान दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच पूर्वी घाट क्षेत्र में बाघ संरक्षण के उपायों पर चर्चा हुई। पवन कल्याण ने मुंबई में मुख्यमंत्री फडणवीस के आधिकारिक आवास पर उनसे मुलाकात की। उपमुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच पूर्वी घाट में बाघ संरक्षण को लेकर सकारात्मक और महत्वपूर्ण चर्चा हुई। वन एवं पर्यावरण मंत्री का दायित्व भी संभाल रहे पवन कल्याण ने आंध्र प्रदेश को दो मादा बाघों के स्थानांतरण (ट्रांसलोकेशन) में सहयोग देने के लिए महाराष्ट्र सरकार और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का आभार व्यक्त किया।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह सहयोग पूर्वी घाट में बाघों की मजबूत और स्वस्थ आबादी को फिर से स्थापित करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि मादा बाघों को लाने से आनुवंशिक समस्याओं (इनब्रीडिंग) को कम करने में मदद मिलेगी। इससे आनुवंशिक विविधता बढ़ेगी, बाघों की आबादी लंबे समय तक टिकाऊ बनेगी और एक स्वस्थ तथा आत्मनिर्भर बाघ आवास विकसित होगा। यह संयुक्त संरक्षण प्रयास विज्ञान आधारित और टिकाऊ वन्यजीव प्रबंधन के माध्यम से जैव विविधता की रक्षा के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आंध्र प्रदेश के मादा बाघ देने पर जताया आभार

पवन कल्याण ने बताया कि आंध्र प्रदेश के पूर्वी घाट क्षेत्र में मादा बाघों की संख्या में आई भारी कमी के कारण आनुवंशिक समस्याएं पैदा हो रही थीं। उन्होंने कहा कि इस समस्या को दूर करने और बाघों की आबादी को फिर से बढ़ाने के लिए हमने महाराष्ट्र सरकार से सहयोग मांगा था। महाराष्ट्र ने आंध्र प्रदेश को दो मादा बाघ उपलब्ध कराने पर सहमति जताई है और इसके लिए हम उनका हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। पवन कल्याण ने विश्वास जताया कि आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच यह साझेदारी पूर्वी घाट में बाघों के दीर्घकालिक संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जनसेना प्रमुख ने इस पहल को आगे बढ़ाने में लगातार मार्ग आगे बढ़ते रहेंगे।

दिल्ली में फिर 'अग्निकांड', उत्तम नगर के एक शोरूम में लगी भीषण आग पर पाया गया काबू, कूलिंग ऑपरेशन जारी

दिल्ली के उत्तम नगर में एक शोरूम में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई है। दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुटी हैं।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में एक शोरूम में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू कर दिया। फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने की वजह भी फिलहाल साफ नहीं हो सकी है। आग पर पूरी तरह काबू पाने के बाद नुकसान का आकलन किया जाएगा और आग लगने के कारणों की जांच की जाएगी।

चार मंजिला इमारत में लगी थी आग

दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार, आग बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और तीन मंजिल वाली करीब 350 वर्ग गज में फैली एक इमारत में लगी थी। आग की चपेट में इमारत में रखा इलेक्ट्रॉनिक सामान, बिजली के उपकरण, फर्नीचर और अन्य सामान आ गया, जिससे सभी मंजिलों पर भारी नुकसान हुआ। दमकल विभाग ने बताया कि लगातार कई घंटों की मशक्कत के बाद सुबह करीब 6:30 बजे आग पर काबू पा लिया गया। इसके बाद टीम ने कूलिंग ऑपरेशन शुरू किया, ताकि आग दोबारा न भड़क सके। सुबह 7:05 बजे तक की जानकारी के अनुसार, इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। दिल्ली फायर सर्विस के डिविजनल फायर ऑफिसर राजिंदर अटवाल ने बताया कि आग एक इलेक्ट्रॉनिक सामान के शोरूम में लगी थी। उन्होंने कहा कि दमकल कर्मियों की लगातार कोशिशों के बाद आग पर लगभग पूरी तरह काबू पा लिया गया है और फिलहाल कूलिंग ऑपरेशन जारी है, ताकि आग दोबारा न भड़क सके। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जाएगी और आग पूरी तरह बुझने के बाद नुकसान का आकलन किया जाएगा। जब पिछले कुछ महीनों में दिल्ली, लखनऊ और राजस्थान समेत कई शहरों में भीषण आग की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इनमें कई लोगों की जान गई, करोड़ों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई और फायर सेफ्टी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हुए। दिल्ली की ऐसी ही दिल दहला देने वाली घटनाएं कुछ इस तरह हैं:

मालवीय नगर होटल आग हादसा

दिल्ली के मालवीय नगर में एक होटल में भीषण आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई थी। शुरुआती जांच में आग की वजह शॉर्ट सर्किट मानी गई। जांच में यह भी सामने आया कि इमारत में सुरक्षित निकासी के पर्याप्त रास्ते नहीं थे और कई सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया गया था। एक्सपर्ट्स के अनुसार, देश के कई शहरों में आग की घटनाओं के पीछे कुछ सामान्य कारण सामने आ रहे हैं– शॉर्ट सर्किट सबसे बड़ा कारण बनकर सामने आ रहा है। पुराने और ओवरलोड बिजली के तार आग का खतरा बढ़ाते हैं। एसी, इनवर्टर और भारी बिजली उपकरणों के लगातार इस्तेमाल से वायरिंग गर्म हो जाती है। कई इमारतों में फायर अलार्म, स्प्रिंकलर और अग्निशमन उपकरण सही हालत में नहीं होते।

दिल्ली में डांस फीट एकेडमी का 'सपनों पर होंगे कदम' स्टेज शो सफलतापूर्वक संपन्न

अनिल अरोड़ा, सह संपादक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। गत दिनों दिल्ली में डांस फीट एकेडमी द्वारा 'सपनों पर होंगे कदम' विशाल डांस स्टेज शो का भव्य आयोजन मुक्ताधारा ऑडिटोरियम, भाई वीर सिंह मार्ग, गोल मार्केट, कनॉट प्लेस में किया गया। कार्यक्रम सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक चला। शो की शुरुआत गणेश वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मुख्य अतिथि ईशा सक्सेना, माही ठाकुर, सेलिब्रिटी अतिथि जुनैद हुसैन खान (एक्टर), सेलिब्रिटी अतिथि गरिमा (मॉडल और एक्टर), पूजा दुआ ज़ी टीवी के रियलिटी शो 'दिल्ली डार्लिंग्स' से मशहूर VIP गेस्ट आनंद कुमार गोहर संस्थापक अध्यक्षभारत सम्राट मार्शल आर्ट्स स्पोर्ट्स जीत कुने-डो (ट्रस्ट)VIP गेस्ट सोनू कश्यपआइकन ऑफ़ मार्शल आर्ट्स फिटनेस एकेडमी VIP गेस्ट पूर्णिमा चौहान फ्लेक्सी फिटनेस डांस एकेडमी की मालकिन खास मेहमान संजय आर्यन, नवनीत,सुमन सोलंकी फाइट ज़ोन ताइक्वांडो,मॉडल मेकअप आर्टिस्ट रेखा गुप्ता, रीति शर्मा, डॉ सुनीता पांडे,मंजू किरण , रीना नायर, मीना सलवान, राजेश चौहान, सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे एकेडमी एकेडमी के आयोजक एवं कोरियोग्राफर रवि राजपूत ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को अपनी नृत्य प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच देना था। बॉलीवुड हस्तियों और विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में प्रतिभागियों को डांस सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में चेतन एडवरटाइजिंग के डायरेक्टर, को-एडिटर एवं नेशनल ब्रांड एंबेसडर अनिल अरोड़ा मुख्य रूप से शामिल हुए।वीआईपी गेस्ट श्रीमती राधा रानी गीतांजलि मॉडर्न स्कूल, वीआईपी गेस्ट रजनी मैम गीतांजलि मॉडर्न स्कूल, फोटो ग्राफी एवं वीडियोग्राफी सूरज थापा एवं प्रवीन कुमार द्वारा तथा मंच संचालन फेमस एंकर मॉडल शिल्पी बहादुर सेलिब्रिटी मैकअप अर्टिस्ट सुजाता सिंह एवं टीम का पूर्ण सहयोग सहित प्रांजल जैन बिटिया फाउंडेशन टीम, ज्योति कोचर टीम, सरदार कीरत सिंह संदीप सोखी टीम सदस्य माधुरी कर्माकर 'रीमा' , गुलाबी बाग साई बाबा मंदिर के चेयरमैन भारत भूषण , हर्ष,रिंकू गुप्ता, डॉक्टर संजय भारद्वाज,सुमित भोजगी, सौरभ गुप्ता, ममता मेहरा मंडल अध्यक्ष बीजेपी पहाड़गंज मंडल, कमल शर्मा,पोपट लाल महानगर संयोजक : हिंदू युवा वाहिनी ,महानगर अध्यक्ष : सर्वदलीय हिंदू संगठन उपाध्यक्ष : बाबा विश्वनाथ शिव शक्ति मंदिर समिति मुरादाबाद उत्तरप्रदेश से आकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई सभी का भी सहयोग रहा!

चैतर वसावा को सात साल की सज़ा पर आदिवासी समुदाय का हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। नर्मदा सेशन कोर्ट द्वारा डेडियापाड़ा ख्रुको सात साल जेल की सज़ा सुनाए जाने के बाद पूरे गुजरात में राजनीतिक गर्मी चरम पर पहुँच गई है। इस फ़ैसले को लेकर खासकर आदिवासी समुदाय में काफ़ी नाराज़गी और गुस्सा है।

समुदाय के नेता और राजनीतिक कार्यकर्ता इस फ़ैसले को सिर्फ़ कानूनी कार्रवाई नहीं बल्कि आदिवासी समुदाय की मज़बूत आवाज़ को दबाने की कोशिश बता रहे हैं। इस घटना के बाद गुजरात की सभी विधानसभाओं में सपोर्ट मार्च और विरोध कार्यक्रम किए जा रहे हैं। पार्टी ने पूरे राज्य में चैतर वसावा को इंसाफ़ दिलाने के लिए जनता की आवाज़ उठानी शुरू कर दी है। इस कैंपेन को गाँवों से लेकर शहरों तक बड़ा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसी के तहत झालोद विधानसभा में भी एक मज़बूत सपोर्ट मार्च निकाला गया। बड़ी संख्या में AAP समर्थक, पदाधिकारी, पंचायत चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार और। तालुका के अलग-अलग गांवों से आदिवासी समुदाय के नेता झालोद में इकट्ठा हुए। कार्यकर्ता बैनर, पार्टी के झंडे और इंसाफ की मांग करते हुए तख्तियां लेकर शहर की मुख्य सड़कों पर रैली में शामिल हुए। रैली के दौरान, पूरा झालोद शहर 'चैतर वसावा को इंसाफ दो ', 'आदिवासी आवाज को मत दबाओ' और 'हम अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगे' जैसे जोरदार नारों से गूंज उठा। बड़ी संख्या में शामिल हुए समर्थकों ने एकता दिखाकर इस लड़ाई को और मजबूत बनाने का संकल्प जताया। यह पूरा प्रोग्राम झालोद विधानसभा स्पीकर की लीडरशिप में ऑर्गनाइज़ किया गया। अनिल गरासिया की लीडरशिप में हुई रैली में लोगों का भारी सपोर्ट देखने को मिला, जिससे पता चलता है कि यह मुद्दा अब सिर्फ एक पॉलिटिकल मुद्दा नहीं रहा, बल्कि समाज के आत्म-सम्मान और हक से जुड़ा मामला बन गया है। प्रोग्राम के दौरान अलग-अलग स्पीकर्स ने कहा कि चैतर वसावा सालों से आदिवासी हक और मुद्दों के लिए मजबूती से लड़ते आ रहे हैं। ऐसे में उनके खिलाफ लिए गए फैसले को लोग सीरियसली ले रहे हैं और इसे अन्याय बता रहे हैं। 'वह सिर्फ़ एक व्यक्ति नहीं हैं, वह आदिवासी समुदाय के अधिकारों के लिए लड़ने वाली एक बुलंद आवाज़ हैं। उनके ख़िलाफ़ लिया गया फ़ैसला पूरे समाज के आत्म-सम्मान पर सीधा हमला है। हम इस अन्याय के ख़िलाफ़ चुप नहीं रहेंगे। हम लोकतांत्रिक तरीक़ों से इस लड़ाई को आख़िरी तक ले जाएँगे। अगर ज़रूरत पड़ी तो पूरे गुजरात में और भी तेज़ आंदोलन चलाया जाएगा।

एक घर से 3.64 लाख की विदेशी शराब ज़ब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदयपुर। लोकल क्राइम ब्रांच (LCB) ने रंगपुर पुलिस स्टेशन इलाके के बोडगाम गांव में प्रोहिबिशन एक्ट के तहत एक सफल ऑपरेशन किया। एक टिप-ऑफ के आधार पर, बोडगाम पटेल फलिया में एक घर से बड़ी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने मौके से 1,329 बोतल विदेशी शराब (कीमत 3,59,736) और एक मोबाइल फ़ोन (कीमत 5,000) बरामद किया और कुल 3,64,736 का सामान ज़ब्त किया। इस मामले में, जयेशभाई नामलियाभाई राठवा (उम्र 25), बोडगाम पटेल फलिया, ज्ञ्ड्ड.त्न. छोटा उदयपुर के रहने वाले को गिरफ्तार किया गया है। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी अपने दूसरे साथियों के साथ मिलकर पैसे के फायदे के लिए विदेशी शराब मंगवाने, उसमें हेराफेरी करने और उसे बेचने का गैर-कानूनी धंधा चला रहा था। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पहले भी रंगपुर पुलिस स्टेशन में शराबबंदी कानून के तहत दो केस दर्ज हैं। इस मामले में शराब सप्लायर समेत कुल छह आरोपी फरार हैं, जिनमें जीतूभाई चौहान (अलीराजपुर, मध्य प्रदेश), प्रकाशभाई चिलियाभाई राठवा, परेशभाई रामसिंगभाई राठवा, रमेशभाई खुमसिंगभाई राठवा, जयमिनभाई जीनाभाई राठवा और अलसिंगभाई थावरियाभाई राठवा शामिल हैं। पुलिस ने फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए जांच और सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है।

राजपारडी पंथक में सुबह-सुबह जब बाहर से आई 27 विजिलेंस टीमें बिजली चेक कर रही थीं,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। झगड़िया तालुका के राजपारडी पंथक गांवों में आज सुबह-सुबह जब बाहर से आई 27 विजिलेंस टीमें बिजली चेक कर रही थीं, तब बिजली चोर सोते हुए पकड़े गए। इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक, बाहर से आई 27 विजिलेंस टीमें पुलिस सुरक्षा में राजपारडी, वनकपोर, भालोद और तरसाली गांवों में बिजली चेक कर रही थीं। इन गांवों में बिजली टीमों ने कुल 612 बिजली कनेक्शन चेक किए, जिनमें से 42 बिजली कनेक्शन में गड़बड़ी पाई गई। कुल 15 लाख रुपये से ज़्यादा का जुर्माना लगाया गया। जिन बिजली उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन में अलग-अलग गड़बड़ियां पाई गईं, उन पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया और जिन बिजली उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन खराब पाए गए, उनके बिजली मीटर जब्त कर लिए गए और साउथ गुजरात इलेक्ट्रिसिटी कंपनी ने उनके खिलाफ कार्रवाई की।

राष्ट्र की प्रगति में डाक कर्मियों का अतुलनीय योगदान: गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्र की प्रगति में अपने अथक समर्पण और निष्ठा से महत्वपूर्ण योगदान देने वाले डाक कर्मियों को राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस के अवसर पर पूरे देश ने सलाम किया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इन कर्मठ सेवकों को बधाई दी, उनके बलिदान और जन-जन तक सुविधाएं पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। यह दिवस उन लाखों डाक कर्मियों के सम्मान में मनाया जाता है जो न केवल संदेशों और पार्सलों का आदान-प्रदान करते हैं, बल्कि देश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों को भी संचार और विश्वास की डोर से बांधे रखते हैं।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए लिखा, राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस पर हम अपने डाक कर्मचारियों के अटूट समर्पण, ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा को सलाम करते हैं, जो देश भर में दूरियों को मिटाते हुए लाखों लोगों को आपस में जोड़ते हैं। उनकी अथक कोशिशों से यह सुनिश्चित होता है कि हर चिट्ठी, पार्सल और संदेश भरोसे, देखभाल और विश्वसनीयता के साथ अपनी मंजिल तक पहुंचे। आपकी अमूल्य सेवा के लिए दिल से आभार। गडकरी के ये शब्द भारतीय डाक सेवा के विशाल नेटवर्क और उसके पीछे की मानवीय शक्ति का सटीक चित्रण करते हैं। विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी डाक कर्मियों की भूमिका को सराहा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने डाक कर्मियों को बधाई देते हुए उनके समर्पण को राष्ट्र की प्रगति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि उनकी निष्ठा और जन-जन तक सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास देश के विकास में अहम है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश के कोने-कोने तक विश्वास, संवाद और सेवा का संदेश पहुंचाने में डाक कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी उनकी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण को नमन किया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संचार, सेवा और विश्वास की डोर को सशक्त बनाने में डाक कर्मियों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा की भावना के साथ ये कर्मी प्रत्येक नागरिक तक डाक, वित्तीय सेवाएं एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी डाक कर्मियों की कर्मनिष्ठा, समयबद्ध सेवा और जनसमर्पण को देशवासियों के विश्वास का सशक्त माध्यम बताया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी डाक कर्मियों के अथक परिश्रम, निष्ठा और प्रतिबद्धता की सराहना की, जिसने देश के कोने-कोने तक संवाद और विश्वास

के सेतु को मजबूत किया है। भारतीय डाक सेवा, जो अपनी स्थापना के बाद से लगातार विकसित हो रही है, आज केवल चिट्ठियां पहुंचाने तक सीमित नहीं है। यह वित्तीय सेवाओं, बीमा योजनाओं, पासपोर्ट सेवाओं और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को आम आदमी तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है।

जनरल धीरज सेठ ने संभाला थलसेना प्रमुख का पदभार, पिता को किया सैल्यूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के नए थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने बुधवार को औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर रक्षा मंत्रालय मुख्यालय में आयोजित गार्ड ऑफ ऑनर समारोह में एक अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण क्षण दिखाई दिया। गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त करने के बाद, जनरल सेठ ने अपने पिता, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल के.एम. सेठ, को सैन्य सैल्यूट किया। पिता ने भी पलटकर सैल्यूट किया, जिसके बाद नए सेना प्रमुख ने अपने पिता सहित वहां मौजूद परिजनों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। यह दृश्य उपस्थित सैन्य अधिकारियों, जवानों और अतिथियों के लिए विशेष प्रेरणा का केंद्र रहा। इस समारोह में जनरल सेठ के छोटे भाई, रियर एडमिरल रवनीश सेठ भी मौजूद थे, जिन्होंने बड़े भाई को सैल्यूट कर अपनी खुशी व्यक्त की। भारतीय सशस्त्र बलों की विभिन्न शाखाओं में सेवा दे रहे इस परिवार की उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चादं लगा दिए। यह सैन्य परंपरा, पारिवारिक संस्कारों और राष्ट्रसेवा के प्रति अटूट समर्पण का एक अनूठा संगम था। पदभार संभालने के बाद, भारतीय सेना के 31वें थलसेना प्रमुख जनरल सेठ ने कहा कि भारतीय सेना का नेतृत्व करना उनके लिए गर्व और विनम्रता का विषय है। उन्होंने 'कर्तव्य, सम्मान और राष्ट्र सर्वोपरि' के सिद्धांतों के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दिखाकर राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का संकल्प लिया। नए थलसेना प्रमुख ने राष्ट्र की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनका साहस, समर्पण और निस्वार्थ सेवा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। जनरल सेठ ने 30 जून 2026 को सेना प्रमुख का कार्यभार संभाला है। इससे पहले वे सेना के उपप्रमुख के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने निवर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी सहित सभी पूर्व सेना प्रमुखों के योगदान को नमन किया। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र जनरल सेठ ने दिसंबर 1986 में भारतीय सेना की बख्तरबंद कोर में कमीशन प्राप्त किया था।

सोनम वांगचुक की सेहत बिगड़ने पर दीपके ने केंद्र पर साधा निशाना

–प्रधानमंत्री विदेश यात्राओं में व्यस्त इन मुद्दों के लिए समय नहीं

–जंतर-मंतर पर जारी भूख हड़ताल के बीच शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल पर बैठे शिक्षाविद् और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने दावा किया कि वांगचुक का स्वास्थ्य लगातार खराब हो रहा है, लेकिन उनकी मांगों को लेकर उनका संकल्प पहले की तरह मजबूत बना हुआ है। दीपके ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा, प्रधानमंत्री तो विदेश यात्राओं में व्यस्त हैं, उनके पास इन मुद्दों के लिए समय ही नहीं है।

अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कि सोनम वांगचुक की तबीयत हर घंटे बिगड़ रही है और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। इससे पहले उन्होंने एक अन्य पोस्ट में दावा किया था कि भूख हड़ताल शुरू होने के बाद से वांगचुक का वजन लगभग दो

किलोग्राम कम हो गया है तथा उनका रक्तचाप लगातार गिर रहा है।

सीजेपी पिछले 12 दिनों से जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले में विरोध प्रदर्शन कर रही है। पार्टी की प्रमुख मांग है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें या उन्हें पद से हटाया जाए। साथ ही परीक्षा प्रणाली में हुई कथित अनियमितताओं की जवाबदेही तय करने की भी मांग की जा रही है। इन्हीं मांगों के समर्थन में सोनम वांगचुक ने रविवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की है।

मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान अभिजीत दीपके से पूछा गया कि विरोध प्रदर्शन के बीच देश में दो अन्य परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं भी सामने आई हैं। इस पर उन्होंने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के पास इन मुद्दों के लिए समय नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की प्राथमिकताएं अलग हैं और छात्रों की परीक्षाओं से जुड़े गंभीर मामलों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

हाईकोर्ट ने राघव चड्ढा के खिलाफ आपत्तिजनक दस्तावेज हटाने को कहा

–पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा को लेकर व्यापक अंतरिम आदेश से अदालत का इनकार

–राजनीतिक आलोचना वाली सामग्री नहीं हटेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें आंशिक राहत दे दी है। अदालत ने सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यमों पर प्रसारित पांच आपत्तिजनक दस्तावेज हटाने का निर्देश दिया है, लेकिन कथित मानहानिकारक सामग्री को हटाने या उनके व्यक्तित्व अधिकारों (पर्सनैलिटी राइट्स) की सुरक्षा के लिए कोई व्यापक अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया है। इस आदेश के आधार पर कहा जा रहा है कि राजनीतिक आलोचनाओं वाली सामग्री नहीं हटाई जा सकेगी।

जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की एकल पीठ ने कहा कि जिन पांच दस्तावेजों पर याचिकाकर्ता ने

विशेष आपत्ति जताई थी, उन्हें हटाया जाए। हालांकि अदालत ने स्पष्ट किया कि शेष सामग्री प्रथम दृष्टया मानहानिकारक या व्यक्तित्व अधिकारों के उल्लंघन की श्रेणी में नहीं आती। इससे पहले 21 मई को अंतरिम राहत की मांग पर सुनवाई के दौरान भी अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा था कि मामला पर्सनैलिटी राइट्स से अधिक राजनीतिक आलोचना का प्रतीत होता है। अदालत ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक नेताओं के निर्णयों की आलोचना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा है और ऐसे मामलों में व्यक्तित्व अधिकारों तथा मानहानि के दावों के बीच अंतर करना आवश्यक है।

राघव चड्ढा ने अपनी याचिका में सोशल मीडिया पर प्रसारित एआई-जनित डीपफेक वीडियो, मॉर्फ्ड तस्वीरों, सिंथेटिक वॉयस क्लोनिंग, मनगढ़ंत भाषणों और अन्य भ्रामक डिजिटल सामग्री पर रोक लगाने की मांग की थी। अदालत को बताया गया कि कुछ तस्वीरों में उन्हें साड़ी पहने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उन पर पैसे बरसाते हुए दिखाया गया है। याचिकाकर्ता का कहना था कि इस प्रकार की सामग्री का उद्देश्य यह संदेश देना है कि उन्होंने राजनीतिक लाभ या धन के लिए अपना पक्ष बदल लिया। सुनवाई के दौरान चड्ढा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नायर ने दलील दी कि संबंधित सामग्री अश्लील, भ्रामक और मानहानिकारक है। वहीं, अदालत ने टिप्पणी की कि एक राजनीतिक नेता को आलोचना और व्यक्तिगत हमले के बीच अंतर समझना चाहिए तथा हर आलोचनात्मक सामग्री को व्यक्तित्व अधिकारों के उल्लंघन के रूप में नहीं देखा जा सकता। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि प्रतिवादियों की पहचान स्पष्ट न होने की स्थिति में आवश्यकता पड़ने पर एमिकस क्यूरी (अदालत की सहायता के लिए नियुक्त अधिवक्ता) नियुक्त किया जा सकता है। फिलहाल, अदालत ने केवल पांच दस्तावेज हटाने के निर्देश देते हुए व्यापक अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है।

मणिपुर सीमा पर टेंशन, नागा नाकाबंदी के खिलाफ सड़क पर उतरे कुकी

सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला

इंफाल (एजेंसी)। पूर्वोत्तर भारत में शांति की स्थापना की राह अभी भी चुनौतियों से भरी दिख रही है। मणिपुर में हालिया हिंसा की घटनाओं के बाद अब एक बार फिर हालात संवेदनशील हो गए हैं। इस बार तनाव का केंद्र नागा संगठनों द्वारा जारी आर्थिक नाकाबंदी और उसके खिलाफ कुकी समुदाय का तीखा विरोध है। इम्फाल वेस्ट और कांगपोकपी जिले की सीमा पर मंगलवार को उस समय स्थिति गरमा गई जब लगभग 200 कुकी प्रदर्शनकारी नाकाबंदी के विरोध में मार्च निकालते हुए आगे बढ़ने लगे। हालांकि, सुरक्षाबलों ने समय रहते उन्हें रोक लिया और किसी भी बड़ी झड़प को टालते हुए हालात को बिगड़ने से बचा लिया। यह घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि मणिपुर में जातीय तनाव अभी भी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है और किसी भी छोटी चिंगारी से एक बार फिर गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

जानकारी के मुताबिक, कांगपोकपी जिले के मोटबुंग और गामगिफाई इलाके से लगभग 200 कुकी प्रदर्शनकारी गामगिफाई में एकत्र हुए और इम्फाल वेस्ट के कांगलाटोंगबी क्षेत्र के नामदिलोंग की ओर मार्च करने लगे। उनका मुख्य आरोप था कि नागा संगठनों की लगातार जारी आर्थिक नाकाबंदी से आम लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रदर्शनकारी नेशनल हाईवे पर सामान्य आवाजाही बहाल करने और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग कर रहे थे। सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को गामगिफाई से आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी और स्थिति को नियंत्रित

रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया। हालांकि किसी बड़े टकराव की खबर नहीं है, लेकिन पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है और प्रशासन लगातार दोनों पक्षों की गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए है।

पिछले कई हफ्तों से नागा सिविल सोसायटी संगठनों द्वारा एनएच-2 पर विरोध प्रदर्शन और आर्थिक नाकाबंदी जारी है। यह आंदोलन विशेष रूप से छह नागा नागरिकों की हत्या के विरोध में किया जा रहा है। बीते सप्ताह भी उस समय झड़प हुई थी, जब सुरक्षा बलों ने कुकी नागरिकों को सुरक्षा के घेरे में इस मार्ग से निकालने की कोशिश की थी, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हुए थे। कुकी-जो संगठन कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी ने शनिवार आधी रात से केंद्र और मणिपुर सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। संगठन ने मांग की थी कि कांगपोकपी जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय और अंतरराज्यीय राजमार्गों पर आवश्यक वस्तुओं, दवाइयों और अन्य जरूरी सामान की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जाए। चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो विरोध प्रदर्शन और तेज किए जा सकते हैं।

दवाओं की भी आपूर्ति हुई ठप

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस पूरे विवाद की जड़ उन छह नागा नागरिकों की हत्या है, जिनके लिए न्याय की मांग करते हुए नागा संगठनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर व्यापक आर्थिक नाकाबंदी कर रखी है। इस नाकाबंदी से कांगपोकपी जिले में आवश्यक वस्तुओं, दवाइयों और रोजमर्रा की चीजों की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो रही है, जिससे कुकी समुदाय में भारी नाराजगी है। इसी नाराजगी के चलते कुकी समुदाय के लोगों ने इस प्रदर्शन का निर्णय लिया। हालात की संवेदनशीलता को देखते हुए सीमा क्षेत्र में पहले से ही बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात थे।

डीएमके का 100 करोड़ का मानहानि केस वापस : अन्नामलाई ने कहा, अपने हर आरोप पर कायम

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में मंगलवार को अहम मोड़ आया, जब भाजपा के पूर्व नेता के. अन्नामलाई ने दावा किया कि डीएमके सांसद टी.आर. बालू ने उनके खिलाफ दायर 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा वापस लिया है। इस घटनाक्रम के बाद अन्नामलाई ने कहा कि वे सत्ताधारी पार्टी और उसके नेताओं के खिलाफ लगाए गए अपने सभी भ्रष्टाचार के आरोपों पर आज पूरी तरह कायम हैं।

यह कानूनी विवाद अन्नामलाई के बहुचर्चित डीएमके फाइल्स कैंपेन से जुड़ा है, जिसके तहत उन्होंने सत्तारूढ़ दल के शीर्ष नेताओं, विशेषकर टी.आर.बालू और उनके परिवार की कथित संपत्तियों का ब्यौरा सार्वजनिक किया था। अन्नामलाई ने हुए बताया कि बालू ने डीएमके फाइल्स के माध्यम से उनके और उनके परिवार की संपत्ति व कंपनियों की जानकारी प्रकाशित करने के लिए यह मानहानि का केस दायर किया था।

अन्नामलाई ने बताया कि सुनवाई के

दौरान उन्होंने खुद मामले में पैरवी की और व्यक्तिगत रूप से बालू से जिरह की। उन्होंने आरोप लगाया कि जिरह के दौरान बालू ने अदालत में उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसके जवाब में उन्हें डीएमके सांसद के खिलाफ एक अलग मामला दायर करना पड़ा था। अन्नामलाई ने कहा, आज, थिरु टी.आर. बालू ने अपनी मर्जी से मेरे खिलाफ दायर मानहानि का केस वापस लेने का फैसला किया।

भाजपा के पूर्व नेता ने स्पष्ट किया कि केस वापस लेना बालू का अपना निर्णय था, लेकिन वे पिछली डीएमके सरकार और पार्टी के कुछ सदस्यों के खिलाफ की गई हर एक टिप्पणी पर अडिग हैं। उन्होंने अपनी कानूनी टीम और समर्थन देने वाले वकीलों को धन्यवाद देकर पोस्ट का समापन सत्य की हमेशा जीत होती है! के कथन के साथ किया। यह घटनाक्रम अन्नामलाई द्वारा हाल ही में घोषित वी द लीडर्स आंदोलन के राजनीतिक पार्टी में बदलने की तैयारी के बीच आया है, जिसका लक्ष्य जुलाई तक 50 लाख सदस्य जोड़कर तमिलनाडु में गवर्नेंस, भ्रष्टाचार और ड्रग्स की बढ़ती समस्या जैसे मुद्दों पर एक मजबूत राजनीतिक विकल्प प्रदान करना है।

मंगलुरु में बारिश में मकान पर गिरा मलबा, दो बच्चियों समेत तीन की मौत

मंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक के मंगलुरु में बारिश में एक मकान ऊंचाई से गिरे मलबे में दब गया, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। तीन घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि वे खतरे से बाहर हैं। मंगलुरु के नागोरी में कंकनाडी पुलिस स्टेशन के पीछे यह घटना सुबह करीब 4.30 बजे हुई जब ऊंचाई पर बने एक घर की कंपाउंड वॉल चार अलग-अलग इमारत पर गिर गई। एक घर का पिछला हिस्सा पूरी तरह से ढह गया। इससे मकान में रहने वाले लोग अंदर फंस गए। घटना के तुरंत बाद लोग और बचाव दल मौके पर पहुंचे। आपातकालीन कर्मियों ने एक पुरुष और दो लड़कियों को बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, मलबे के नीचे फंसी एक महिला और दो लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई। बचाव अभियान के बाद उनके शव बरामद किए गए।

रात भर हुई मूसलाधार बारिश से मुंबई में कई सड़कें जाम, पेड़ गिरने से छात्र की मौत

–भारी जलजमाव के चलते अंधेरी सबवे पर यातायात बंद, कई जिलों में अलर्ट जारी

गांधीनगर (एजेंसी)। मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई और उसके उपनगरीय इलाकों में रात भर हुई मूसलाधार बारिश से आर्थिक राजधानी के पहिये धीमे हो गए। भारी जलजमाव के कारण अंधेरी सबवे को एहतियातन यातायात के लिए बंद करना पड़ा। रात भर हुई भारी बारिश से आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ है और लोगों ने एक्स पर ट्रैफिक में देरी की जानकारी दी है। प्रभावित इलाकों में ट्रैफिक को दूसरी तरफ मोड़ने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया था। भारी बारिश के बाद सोमवार और मंगलवार को भी अंधेरी सबवे में पानी भर गया था। हालांकि दिन में पानी कम हो गया था, लेकिन रात में फिर से हुई बारिश के कारण दोबारा पानी भर गया, जिससे अधिकारियों को पूर्व-पश्चिम को जोड़ने वाले इस अहम रास्ते को फिर से बंद करना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मानसून की बारिश ने मुंबई और महाराष्ट्र के कई हिस्सों में ज़ोरदार दस्तक दी, जिससे बड़े पैमाने पर अव्यवस्था और ट्रैफिक में रुकावटें आईं और उपनगरों में एक दुखद घटना भी हुई। पश्चिमी उपनगरों में कई जगहों पर पेड़ गिरने की घटनाएं हुईं, जिससे सड़कें बुरी तरह जाम हो गईं। डीएन नगर मेट्रो स्टेशन के पास एक पेड़ उखड़कर गिर गया, जिससे एक बस को नुकसान पहुंचा और आसपास की चीजें कुचल गईं, जिससे लोकल ट्रैफिक रुक गया।

ईस्टर्न फ्रीवे पर कम विजिबिलिटी और फिसलन भरी सड़कों के कारण मंगलवार सुबह दो गाड़ियों की टक्कर हो गई। अंधेरी में स्वामी विवेकानंद रोड पर भी एक बड़ा पेड़ गिर गया। पेड़ काटने वाली मशीनों के साथ नगर निगम के कर्मचारियों को तैनात किया। कम विजिबिलिटी और धीमी गति से ट्रैफिक चलता रहा क्योंकि मुंबई में ज़ोरदार बारिश हो रही थी। फ्रीवे पर दो गाड़ियों की टक्कर हो गई, जिससे और देरी हुई; दुर्घटना में घायल लोगों के बारे में जानकारी नहीं मिली है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मुंबई और उसके आसपास के उपनगरों में लगातार भारी बारिश और बीच-बीच में आंधी-तूफान की भविष्यवाणी की है और नागरिकों को सलाह दी है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और कमज़ोर ढांचों और घने पेड़ों वाले इलाकों से दूर रहें। इस बीच, चेंबूर में एक स्कूल बस पर बड़ा पेड़ गिरने से 11 साल के छात्र की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। भारी बारिश और तेज़ हवाओं ने मुंबई में तबाही मचाई।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि फिलहाल भारी बारिश से राहत मिलने की संभावना कम है और इस इलाके के लिए चेतावनी का स्तर बढ़ा दिया है। कोंकण क्षेत्र के लिए ऑरेंज अलर्ट क्योंकि तट पर लगातार भारी से बहुत भारी बारिश हो रही है। पुणे ज़िले के

लिए ऑरेंज अलर्ट क्योंकि पहाड़ी रास्तों पर तेज़ बारिश हो रही है और छोटे-मोटे भूस्खलन का खतरा है और पुणे शहर के लिए येलो अलर्ट क्योंकि हल्की से मध्यम बारिश लगातार हो रही है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

अमेरिका के कमर्शियल कच्चे तेल के भंडार में 60.72 लाख बैरल की गिरावट आई

नई दिल्ली।

अमेरिका में कच्चे तेल का भंडार लगातार घट रहा है, जिसका असर वैश्विक तेल बाजार पर भी देखने को मिल रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक पिछले सप्ताह अमेरिका के कमर्शियल कच्चे तेल के भंडार में 60.72 लाख बैरल की गिरावट आई। इससे पहले वाले सप्ताह में भंडार 7.65 लाख बैरल घटा था। इस खबर के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की तेजी देखने को मिली।

ब्रेंट क्रूड 73.19 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 69.77 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट के मुताबिक पिछले 11 हफ्तों में अमेरिका के कमर्शियल कच्चे तेल के भंडार में कुल 5.94 करोड़ बैरल की कमी आ चुकी है। हालांकि, इस साल अब तक कुल कच्चे तेल का भंडार सिर्फ 80 लाख बैरल ही घटा है, क्योंकि सरकार लगातार अपने स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व से तेल जारी कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सप्ताह स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व में भी 55 लाख बैरल की कमी आई। इसके बाद यह घटकर 32.57 करोड़ बैरल रह गया। यह रिजर्व अपनी अधिकतम क्षमता से करीब 39.9 करोड़ बैरल कम है। इस बीच अमेरिका का कच्चे तेल का उत्पादन बढ़कर 1.3819 करोड़ बैरल प्रति दिन पहुंच गया। वहीं ओक्लाहोमा के कुशिंग हब में कच्चे तेल का भंडार 5.03 लाख बैरल बढ़ा है।

1 जुलाई से वीबी-जी राम जी कानून लागू, अब 125 दिन मिलेगा रोजगार

-औसतन मजदूरी में 10फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी, 300 से कम नहीं मिलेगी

नई दिल्ली।

1 जुलाई से पूरे देश में वीबी-जी राम जी अधिनियम लागू हो गया है, जिसके तहत अब ग्रामीण परिवारों को 100 की जगह 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी। सरकार ने रोजगार के दिनों में 25 दिन की बढ़ोतरी के साथ मजदूरी दर भी बढ़ाई है। नए नियम के मुताबिक अब किसी भी राज्य में दैनिक मजदूरी 300 रुपए से कम नहीं होगी और औसतन मजदूरी में 10फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी की गई है।ये कदम विकसित भारत के तहत केंद्र सरकार के द्वारा उठाया गया है। इससे लाखों ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ने के साथ-साथ असमानता भी कम होगी। सरकार द्वारा दी कई जानकारी के मुताबिक पूरे देश के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ये मजदूरी बढ़ोतरी की गई है। पहले कई जगहों पर 241 रुपए ही मजदूरी मिलती थी, लेकिन अब हर जगह 300 रुपए तक की मजदूरी दी जाएगी। ये इंटरिम बेस रेट लागू किया गया है। साथ ही नेशनल ऐवरेज मजदूरी पहले 298.8 रुपए प्रतिदिन थी जोकि बढ़कर अब 327.4 रुपए हो गई है यानी ऐवरेज देखें तो 28.6 रुपए की बढ़त की गई है। यह बड़ा बदलाव मनरेगा से वीबी-जी राम जी कानून में आने के बाद हुआ है। इससे ग्रामीण मजदूरों की इनकम को सुरक्षा, मजबूती और पुराने नियम जिनसे मजदूरों को फायदा नहीं मिलता था, वह परेशानी भी दूर होगी।

सोना-चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्सा) पर दोनों कीमती धातुओं में गिरावट आई है। एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 1301 रुपए टूटकर 1,41,230 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं इसी प्रकार चांदी की कीमत में भी गिरावट दर्ज की गयी है। ये 4166 रुपए टूटकर 2,24,397 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुँच गई है। इस गिरावट का प्रभाव अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी देखा गया, जहाँ शुरुआती कारोबार में सोने और चांदी दोनों की ही कीमतें घटी हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में गत दिवस भी सोने की कीमतों में गिरावट आई थी। 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने का भाव 800 रुपए घटकर 1,45,800 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया, जो पिछले सत्र में 1,46,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। यह दिखाता है कि भौतिक बाजार में सोने की खरीदारी में अभी भी कमजोरी बनी हुई है।वहीं इसके विपरीत, सर्राफा बाजार में चांदी में तेजी आई जिससे निवेशक हैरान को गये। लगातार चार सत्रों की गिरावट का सिलसिला तोड़ते हुए, चांदी की कीमत में 6,000 रुपए की तेजी रही और यह 2,30,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुँच गई। इससे पिछले सत्र में चांदी का भाव 2,24,000 रुपए प्रति किलोग्राम था। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि घरेलू बाजार में सोने पर दबाव बना रहा, लेकिन हालिया गिरावट के बाद चांदी में निचले स्तर पर खरीदारी देखी गई।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 443 निफ्टी 140 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर में मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 443.97 अंक बढ़कर 76,922.64 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 140.10 अंक बढ़कर 24,005.85 पर बंद हुआ। आज रियल्टी, एफएमसीजी और मीडिया शेयर्स में सबसे ज्यादा खरीदारी रही जिससे भी बाजार को बल मिला। आज कारोबार के दौरान करीब 158 शेयरों में तेजी रही जबकि 1935 शेयरों में गिरावट आई। वहीं 165 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी पर सबसे ज्यादा बढ़त वाले शेयरों में नेस्ले इंडिया, एचयूएल और एशियन पेंट्स शामिल थे जबकि सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, टीसीएस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और टाटा स्टील का स्टॉक शामिल है।बाजार में अगर सेक्टर के

हिसाब से देखें तो रियल्टी इंडेक्स में 3 बढ़त देखने को मिली। वहीं एफएमसीजी और मीडिया इंडेक्स में 2-2 फीसदी की बढ़त रही। ऑटो और पीएसयू बैंक इंडेक्स में भी 1-1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। आईटी इंडेक्स में 2 फीसदी की गिरावट आई, मेटल इंडेक्स 1फीसदी और फार्मा इंडेक्स में 0.5फीसदी की गिरावट रही।इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ शुरु हुआ।

चांदी 43प्रतिशत और सोना 20फीसद तक लुढ़का

शेयर बाजार में भी भारी अस्थिरता, निवेशकों की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली ।

साल 2026 के पहले छह महीनों में सोना, चांदी और शेयर बाजार तीनों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। रिकॉर्ड स्तर से सोना करीब 20 प्रतिशत तक सस्ता हो गया है, जबकि चांदी में लगभग 43 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। वहीं, शेयर बाजार भी दबाव में रहा और सेंसेक्स करीब 11 प्रतिशत तक फिसल गया। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका की ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता, डॉलर की मजबूती और पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर वैश्विक बाजारों पर पड़ा है। इन परिस्थितियों ने निवेशकों का भरोसा कमजोर किया, जिससे कीमती धातुओं और शेयर बाजार दोनों में बिकवाली बढ़ी। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि आने वाले समय में वैश्विक आर्थिक संकेतकों, केंद्रीय बैंकों की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर निवेशकों की नजर रहेगी। हालात सामान्य होने तक बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना जताई जा रही है।

1 जुलाई से कॉमर्शियल सिलेंडर 180 रुपए सस्ता तो कार खरीदना हुआ महंगा

-घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं, बिना टिकट यात्रा पर डबल जुर्माना

नई दिल्ली।

1 जुलाई यानी बुधवार से देश में आम आदमी की जेब, रसोई और सफर से जुड़े 6 बड़े नियम बदल गए हैं। कॉमर्शियल सिलेंडर 180 रुपए सस्ता तो पासपोर्ट बनवाना महंगा हो गया है। ट्रेन में बिना टिकट सफर करने पर दोगुना जुर्माना लगेगा। तेल कंपनियों ने 1 जुलाई से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में औसतन 180 तक की बड़ी कटौती कर दी है। हालांकि, 14 किलो वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।दिल्ली में अब नया दाम 2930.00 हो गया है जो पहले 3113.50 था यानी 183.50 रुपए की कमी आई है। कोलकाता में नई कीमत 3081.50 है जो पहले 3255.50 थी यानी 174 रुपए की कमी, मुंबई में पुराना दाम 3067.50 था जो अब घटकर 2885.50 रुपए रह गया है यानी 182.00 की कमी और चेन्नई में पहले इसकी कीमत 3283.00 थी जो अब कम होकर 3106 रुपए हो गई है यानी 177 की कमी। इसके घटने से रेस्टोरेंट, होटल और शादियों में कैटरिंग का खर्च कम होगा, जिससे आम जनता के लिए भी बाहर खाना और नाश्ता सस्ता हो सकता है। कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम घटने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च घटेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली सस्ते कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी सस्ती हो सकती है।पेट्रोलियम मंत्रालय ने देश में पेट्रोल-डीजल की किल्लत को देखते हुए 11 जून को एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ 200 लीटर डीजल भरने की जो सीमा लगाई थी, उसे अब उसे खत्म कर दिया गया है। वहीं अब पेट्रोल पंपों पर एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ 200 लीटर डीजल भरने की सीमा खत्म हो गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 11 जून को पेट्रोल-डीजल की किल्लत की वजह से ये पाबंदियां लगाई थीं।

डॉलर के मुकाबले रुपये में बड़ी गिरावट

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 67 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 95.23 पर बंद हुआ। यह गिरावट वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में बढ़ती अनिश्चितता और घरेलू मोर्चे पर चुनौतियों का स्पष्ट संकेत दे रही है, जिसका सीधा असर देश की आयात लागत और महंगाई दर पर पड़ने की आशंका है।विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने रुपये की इस तेज गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारकों का हवाला दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अमेरिकी डॉलर का लगातार मजबूत होना एक बड़ा कारण रहा है, क्योंकि वैश्विक निवेशक अस्थिरता के बीच सुरक्षित निवेश के रूप में डॉलर की ओर रुख कर रहे हैं। इसके साथ ही, भारतीय बाजारों से विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी रुपये पर भारी दबाव डाला है। विदेशी संस्थागत निवेशक लाभ बुकिंग और वैश्विक जोखिमों के चलते भारतीय इक्विटी और ऋण बाजारों से अपना निवेश निकाल रहे हैं, जिससे डॉलर की मांग बढ़ रही है और रुपया कमजोर हो रहा है।

इसके अलावा, एशियाई मुद्राओं में व्यापक कमजोरी भी रुपये की गिरावट में सहायक रही, क्योंकि लगभग सभी प्रमुख एशियाई मुद्राएं डॉलर के मुकाबले कमजोर हुई हैं। अमेरिकी डॉलर इंडेक्स का 95 के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करना भी बाजार की धारणा को कमजोर करने वाला एक प्रमुख कारक साबित हुआ है, जिसने निवेशकों के आत्मविश्वास को हिला दिया है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.67 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.60 के निचले स्तर से 95.29 के उच्च स्तर तक के दायरे में रहा, जो दिन भर की तीव्र अस्थिरता को दर्शाता है। अंततः, यह पिछले बंद भाव की तुलना में 67 पैसे कम होकर 95.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

एएमएफआई की नई कंपनियों की सूची जल्द हो सकती है जारी

इस बार कई कंपनियों की श्रेणी में बदलाव देखने को मिल सकता है

नई दिल्ली।

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग के लिए अहम मानी जाने वाली एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की नई लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों की सूची जल्द जारी हो सकती है। 30 जून को श्रेणी निर्धारण की कट-ऑफ तिथि पूरी होने के बाद अब बाजार की निगाहें नई सूची हैं। इस सूची के आधार पर म्यूचुअल फंड हाउस अपनी निवेश रणनीति तैयार करते हैं और कई फंड मैनेजर पोर्टफोलियो में जरुरी बदलाव करते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक इस बार कई कंपनियों की श्रेणी में बदलाव देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि नई कैटेगरी एक अगस्त 2026 से प्रभावी हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी कंपनी का लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप श्रेणी में शामिल होना या उससे बाहर होना इस बात की गारंटी नहीं है कि उसमें तुरंत निवेश बढ़ जाएगा या बिकवाली शुरू हो जाएगी। फिर भी फंड मैनेजर निवेश संबंधी फैसलों में इस सूची को अ हम आधार मानते हैं।रिपोर्ट के मुताबिक बीएसई, वोडाफोन आइडिया, हिताची एनर्जी इंडिया, जिंदल स्टील, इंडियन बैंक, इंडस टावर्स, बिलियनब्रेन्स गैरेज वेंचर्स, बीएचईएल और वेदांता एल्युमिनियम के लार्जकैप श्रेणी में शामिल होने की संभावना है। दूसरी ओर लोढ़ा डेवलपर्स, इंडियन होटल्स, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स, मैक्स हेल्थकेयर, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, डॉ. रेड्डीज लेबोरेट्रीज, हीरो मोटोकॉर्प, सीमेंस एनर्जी इंडिया और बॉश के लार्जकैप से मिडकैप श्रेणी में आने का अनुमान लगाया है। मिडकैप श्रेणी में हिंदुस्तान कॉपर, एनएलसी इंडिया, एआईए इंजीनियरिंग, अजंता फार्मा, एस्टर डीएम हेल्थकेयर, सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसीजन फोर्जिंग्स, नवीन फ्लोरीन इंटरनेशनल और डेल्हीवरी को जगह मिल सकती है।

डॉलर इंडेक्स बढ़कर 101.3 के करीब पहुंचा, मजबूती की वजह बॉन्ड यील्ड में तेजी

नई दिल्ली।

अमेरिका से आने वाले अहम रोजगार के आंकड़ों से पहले अमेरिकी डॉलर में फिर मजबूती देखने को मिली है। बुधवार को डॉलर इंडेक्स बढ़कर 101.3 के करीब पहुंच गया। इससे पहले हफ्ते की शुरुआत में इसमें कुछ कमजोरी देखने को मिली थी। डॉलर को मजबूती मिलने की बड़ी वजह अमेरिकी सरकारी बॉन्ड यील्ड में आई तेजी है। मंगलवार को 10 साल की अमेरिकी बॉन्ड यील्ड करीब 10 बेसिस प्वाइंट बढ़ी, जिससे डॉलर को सपोर्ट मिला।जारी आंकड़ों के मुताबिक मई महीने में अमेरिका में खाली नौकरियां पिछले दो साल के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गईं। इससे संकेत मिलता है कि भले ही नई भर्तियों की रफ्तार धीमी हुई हो, लेकिन श्रम बाजार अभी भी मजबूत है। अब निवेशकों की नजर अमेरिका के मासिक रोजगार आंकड़ों पर है। इन आंकड़ों से यह संकेत मिल सकता है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व आगे ब्याज दरों को लेकर क्या कदम उठा सकता है। फिलहाल बाजार को उम्मीद है कि फेड इस साल कम से कम एक बार ब्याज दरें बढ़ा सकता है। निवेशकों के मुताबिक इसके लिए सितंबर सबसे पहला संभावित समय हो सकता है। इसके अलावा निवेशक कतर में चल रही अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता पर भी नजर रख रहा हैं। इस बातचीत का असर वैश्विक बाजारों और डॉलर की चाल पर पड़ सकता है।

शेयर बाजार इस माह करेगा बेहतर प्रदर्शन! निजी बैंकिंग व ज्वेलरी सेक्टर में ज्यादा संभावनाएं

ब्रोकरेज ने जुलाई सीरीज के लिए 10 शेयरों में खरीदारी की दी सलाह

नई दिल्ली।

जून महीने में उतार-चढ़ाव के दौर से गुजरने के बाद भारतीय शेयर बाजार जुलाई सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। एक ताजा रिपोर्ट में जुलाई के लिए बाजार पर सकारात्मक रुख जताया है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दस सालों के आंकड़े बताते हैं कि जुलाई सीरीज में निफ्टी ने 80 फीसदी मामलों में बढ़त दर्ज की है और औसतन 3.1 फीसदी का रिटर्न दिया है। हालांकि ब्रोकरेज ने यह भी कहा है कि 24,700 का स्तर बाजार के लिए अहम प्रतिरोध साबित हो सकता है।रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में सबसे ज्यादा संभावनाएं निजी बैंकिंग और ज्वेलरी सेक्टर में दिखाई दे रही हैं। ब्रोकरेज का मानना है कि निजी बैंकों के शेयर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके साथ ही टाइटन और कल्याण ज्वेलर्स जैसी आभूषण कंपनियों पर भी निवेशकों को नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है। इन कंपनियों के आगामी कारोबारी अपडेट शेयरों में अच्छी हलचल पैदा कर सकते हैं। जून सीरीज के प्रदर्शन पर नजर डालें तो निफ्टी करीब 0.2 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। मिडकैप सूचकांक में 0.8 फीसदी की कमजोरी रही, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक ने 3.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की। सेक्टरवार प्रदर्शन में मीडिया, रियल्टी, निजी बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, फार्मा और वित्तीय सेवा कंपनियों ने बेहतर रिटर्न दिया। दूसरी ओर सूचना प्रौद्योगिकी, धातु, एफएमसीजी और ऊर्जा क्षेत्र के शेयर दबाव में रहे।ब्रोकरेज रिपोर्ट के मुताबिक जून सीरीज में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने करीब 3.3 अरब डॉलर के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 8.3 अरब डॉलर का निवेश किया गया।

मार्च 2026 में बैंकों का एनपीए घटकर 0.4 फीसद रहा, कृषि क्षेत्र में फंसे कर्ज का दबाव

46 बैंकों का कुल जीएनपीए अनुपात मार्च 2028 तक 1.9 फीसदी पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक की जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के मुताबिक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल और शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां मार्च 2026 के अंत तक घटकर क्रमशः 1.8 फीसदी और 0.4 फीसदी रह गईं। रिपोर्ट के मुताबिक बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार सभी बैंक समूहों में देखने को मिला। सभी प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में ऋण की गुणवत्ता बेहतर हुई है और कृषि क्षेत्र में सकल गैर निष्पादित परिसंपत्तियां अनुपात सबसे ज्यादा 5.1 फीसदी रहा। मार्च 2026 तक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कुल जीएनपीए में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी 37.2 फीसदी रही जो सबसे ज्यादा है।

जांच के मुताबिक सामान्य स्थिति में 46 बैंकों का कुल जीएनपीए अनुपात मार्च 2026 के 1.8 फीसदी से बढ़कर मार्च 2028 तक 1.9 फीसदी होने की संभावना है। वहीं दो तरह के प्रतिकूल हालात में यह बढ़कर क्रमशः 3.8 फीसदी और 4.1 फीसदी तक पहुंच सकता है। पहले प्रतिकूल हालात में माना गया कि भू-राजनीतिक तनाव और बढ़ेगा, ऊर्जा की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी और विनिमय दर पर दबाव रहेगा। इससे 2026-27 में घरेलू महंगाई बढ़ेगी और आर्थिक वृद्धि की रफ्तार धीमी होगी। हालांकि, 2027-28 में हालात धीरे-धीरे सुधरने की संभावना है। दूसरे प्रतिकूल हालात में यह अनुमान लगाया गया है कि भू-राजनीतिक संघर्ष लंबे समय तक जारी रहेंगे और 2027-28 तक और ज्यादा क्षेत्रों में फैल सकते हैं। इससे दोनों वर्षों में महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।रिपोर्ट के मुताबिक चुने गए 46 बैंकों का कुल सामान्य इक्विटी टियर-1 पूंजी अनुपात मार्च 2026 के 15.2 फीसदी से घटकर मार्च 2028 तक सामान्य स्थिति में 13.9 फीसदी रह सकता है। आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2026 के अंत तक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) 17.7 फीसदी और कॉमन इक्विटी टियर-1 अनुपात 15.3 फीसदी रहा।

सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र, दोनों के बैंकों ने मार्च 2026 में पूंजी पर्याप्तता अनुपात में बढ़ोतरी दर्ज की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वृद्धि जोखिम-भारित परिसंपत्तियों की तुलना में पूंजी में ज्यादा तेजी से हुई बढ़ोतरी के कारण संभव हुई।

अप्रैल-मई में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 1.62 लाख करोड़ रुपए हुआ

पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12 गुना से ज्यादा

नई दिल्ली।

अप्रैल-मई में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा तेजी से बढ़कर करीब 1.62 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12 गुना से ज्यादा है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रिकॉर्ड अधिशेष हस्तांतरण के बावजूद राजस्व संग्रह पर बढ़ते दबाव की वजह से सरकार का घाटा बढ़ा है। सीजीए द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक करीब 1.62 लाख करोड़ रुपए के घाटे की वजह से यह राजकोषीय घाटे के 19.96 लाख करोड़ रुपए बजट अनुमान का करीब 9.6 फीसदी हिस्सा है। अप्रैल-मई 2025 में राजकोषीय घाटा बजट अनुमान का केवल 0.8 फीसदी था।

सरकार की राजस्व प्राप्तियां अप्रैल-मई में करीब 6.99 लाख करोड़ रहीं, जो पिछले साल की इसी अवधि के करीब 7.08 लाख करोड़ रुपए से कम है। कर राजस्व और गैर कर राजस्व दोनों में एक फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। कुल प्राप्तियां अप्रैल-मई में 2 फीसदी घटकर करीब 7.19 लाख करोड़ रुपए रहीं, जो बजट अनुमान का करीब 20 फीसदी है। कर राजस्व में अप्रैल-मई में सरकार का उत्पाद शुल्क संग्रह करीब 2.12 लाख करोड़ रुपए रहा, जो करीब 20 फीसदी कम है। यह मार्च के अंत में पेट्रोल और डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में की गई कटौती की वजह से हुआ है। सरकार ने दोनों ईंधनों पर प्रति लीटर करीब 10 रुपए उत्पाद शुल्क कम किया था।

राजस्व में कमी के बावजूद सरकार ने खासकर पूंजी सृजन पर खर्च की गति बनाए रखा। अप्रैल-मई में सरकार के पूंजीगत व्यय में 13 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई और यह करीब 2.51 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस प्रकार, सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने करीब 12.22 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय लक्ष्य का करीब 21 फीसदी पहले दो महीनों में ही पूरा कर लिया है। रिजर्व बैंक से करीब 2.87 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड लाभांष हस्तांतरण किया गया, जिसके कारण इस महीने गैर-कर राजस्व करीब 13 फीसदी बढ़कर करीब 3.27 लाख करोड़ रुपए हो गया। केंद्रीय बैंक से अप्रत्याशित लाभांश के कारण सरकार ने लगातार तीसरे वर्ष मई में राजकोषीय अधिशेष दर्ज किया।इक्रा लिमिटेड की मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बाद वैश्विक ऊर्जा कीमतों में आई तेज गिरावट से वित्त वर्ष 2027 में सरकार की राजकोषीय स्थिति सुधरी है।

जून में जीएसटी संग्रह ने छुआ नया रिकॉर्ड, 1.95 लाख करोड़ के पार

महाराष्ट्र फिर रहा शीर्ष पर, तमिलनाडु में गिरावट

नई दिल्ली।

जून 2026 में देश का सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 1.95 लाख करोड़ रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर को छू गया है। बुधवार 1 जुलाई को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यह आंकड़ा बीते साल इसी महीने की तुलना में 13.9 प्रतिशत अधिक है। पिछली बार जून 2025 में यह संग्रह 1.71 लाख करोड़ रुपये था, जिससे मौजूदा वृद्धि वित्तीय स्थिरता में सकारात्मक रुझान का संकेत देती है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, घरेलू लेनदेन से प्राप्त सकल जीएसटी संग्रह 6.5 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.35 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि आयात से राजस्व में 34.6 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज हुई, जो 60,038 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सिर्फ सकल राजस्व ही नहीं, बल्कि रिफंड चुकाने के बाद केंद्र सरकार की शुद्ध कमाई भी शानदार रही है। शुद्ध आधार पर, भारत सरकार के खाते में 1,62,377 करोड़ रुपये आए हैं, जो बीते साल के मुकाबले 11.2 प्रतिशत ज्यादा है। इस महीने कुल 32,436 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया, जो पिछले साल के 25,121 करोड़ रुपये की तुलना में 29.1 फीसदी अधिक है।

वहीं जीएसटी टैक्स के अलग-अलग हिस्सों में भी सकारात्मक रुझान देखने को मिला। केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 8 फीसदी बढ़कर 37,376 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जबकि राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 4 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 45,116 करोड़ रुपये हो गया। घरेलू लेनदेन से होने वाला इंटीग्रेटेड जीएसटी (आईजीएसटी) भी 7 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,282 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।वहीं राज्यों के जीएसटी कलेक्शन में महाराष्ट्र ने फिर अपना दबदबा कायम रखा, जिसका संग्रह 9 प्रतिशत बढ़कर 30,714 करोड़ रुपये हो गया। वृद्धि दर के मामले में उत्तर प्रदेश 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ सबसे आगे रहा और कुल संग्रह 9,165 करोड़ रुपये दर्ज किया। गुजरात (12 प्रतिशत बढ़कर 11,743 करोड़), कर्नाटक (10 प्रतिशत बढ़कर 12,937 करोड़) और हरियाणा (9 प्रतिशत बढ़कर 10,065 करोड़) जैसे प्रमुख राज्यों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया।

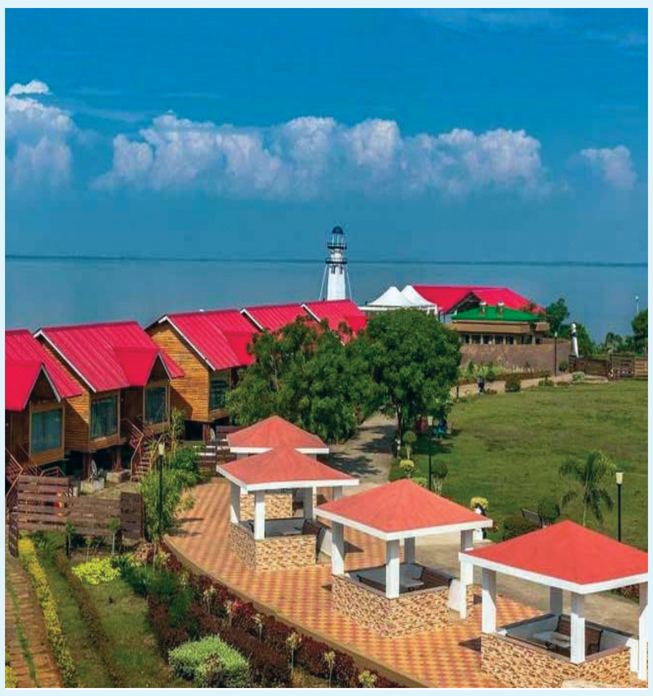

मध्य प्रदेश में उठाएं बीच का मजा

जरूर एक्सप्लोर करें ये मनमोहक और खूबसूरत जगह

मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं।

मध्य प्रदेश का गठन साल 1956 में हुआ था। यह देश के सबसे बड़े राज्यों में शामिल एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य भी है। देश के मध्य में स्थित मध्य प्रदेश में कई ऐसी खूबसूरत और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर सिर्फ देशी ही नहीं बल्कि विदेशी पर्यटक भी घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हनुवंतिया की खूबसूरती और इसकी खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

हनुवंतिया

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में इंदिरा सागर बांध के पास हनुवंतिया स्थित है। यह खंडवा शहर से करीब 45 किमी दूरी पर मौजूद है।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से हनुवंतिया करीब 233 किलोमीटर दूर है। वहीं इंदौर से करीब 138 किमी, देवास से करीब 195 किमी और उज्जैन से 197 किमी दूर है।

इस जगह की खासियत

बता दें कि इंदिरा सागर बांध के बैकवाटर में स्थित हनुवंतिया मध्य प्रदेश की एक मनमोहक जगह है। हनुवंतिया को कई लोग आइलैंड या हनुवंतिया टापू के नाम से भी जानते हैं। इस जगह की खूबसूरती इस कदर प्रचलित है कि लोग इसको एमपी का %मिनी गोवा% भी कहते हैं।

यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ एक फेमस पर्यटन स्थल माना जाता है। यहां पर गर्मियों में भारी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। हनुवंतिया टापू नीले रंग के पानी और खूबसूरती के कारण गोवा की याद दिलाता है। वहीं मानसून में हनुवंतिया की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

सैलानियों के लिए क्यों है खास

गर्मियों में हनुवंतिया को मध्य प्रदेश को एक परफेक्ट पॉइंट माना जाता है। खासकर वीकेंड में भारी संख्या में पर्यटक घूमने और पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं।

हनुवंतिया का शांत और शुद्ध वातावरण पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए जाना जात है। यहां पर कई लोग सिर्फ एडवेंचर एक्टिविटी करने के लिए पहुंचते हैं।

वॉटर स्पोर्ट्स के लिए है फेमस

बता दें कि हनुवंतिया बीच मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा वाटर एक्टिविटी के लिए जाना जाता है। यहां पर कई सैलानी सिर्फ मोटरबोटिंग, गोताखोरी, जेट स्कीइंग, सर्फिंग और जोरबिंग के अलावा हॉट एयर बैलूनिंग और पैरा एक्टिविटीज जैसी शानदार और मजेदार एक्टिविटी के लिए पहुंचते हैं।

हर साल हनुवंतिया आइलैंड में जल महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस महोत्सव में शामिल होने के लिए हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक शामिल होते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

बता दें कि हनुवंतिया के आसपास कई शानदार और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं। जिनको आप ट्रिप के दौरान एक्सप्लोर कर सकते हैं। जैसे इंदिरा सागर बांध, घंटाघर, गौरी कुंज, नागचून बांध खंडवा, तुलजा भवानी माता मंदिर को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

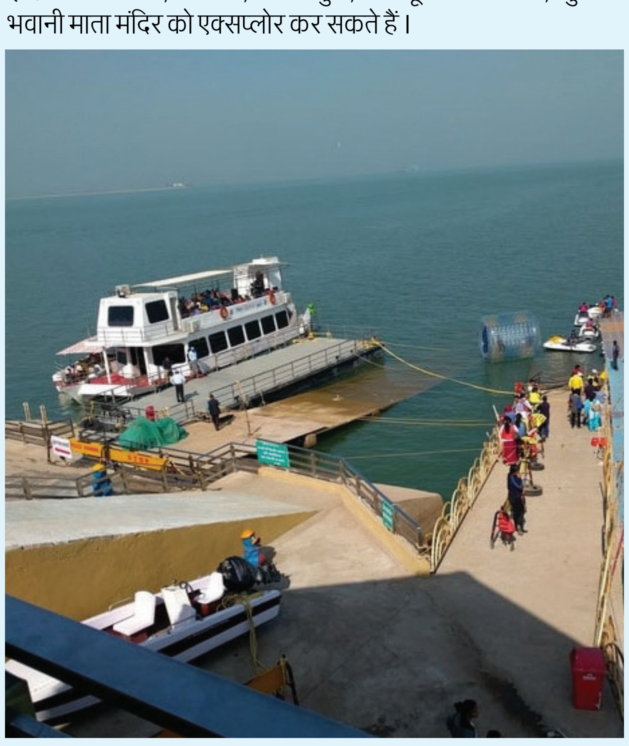

बारिश के मौसम का मजा लेना है तो महाराष्ट्र की इन जगहों पर जरूर जाएं

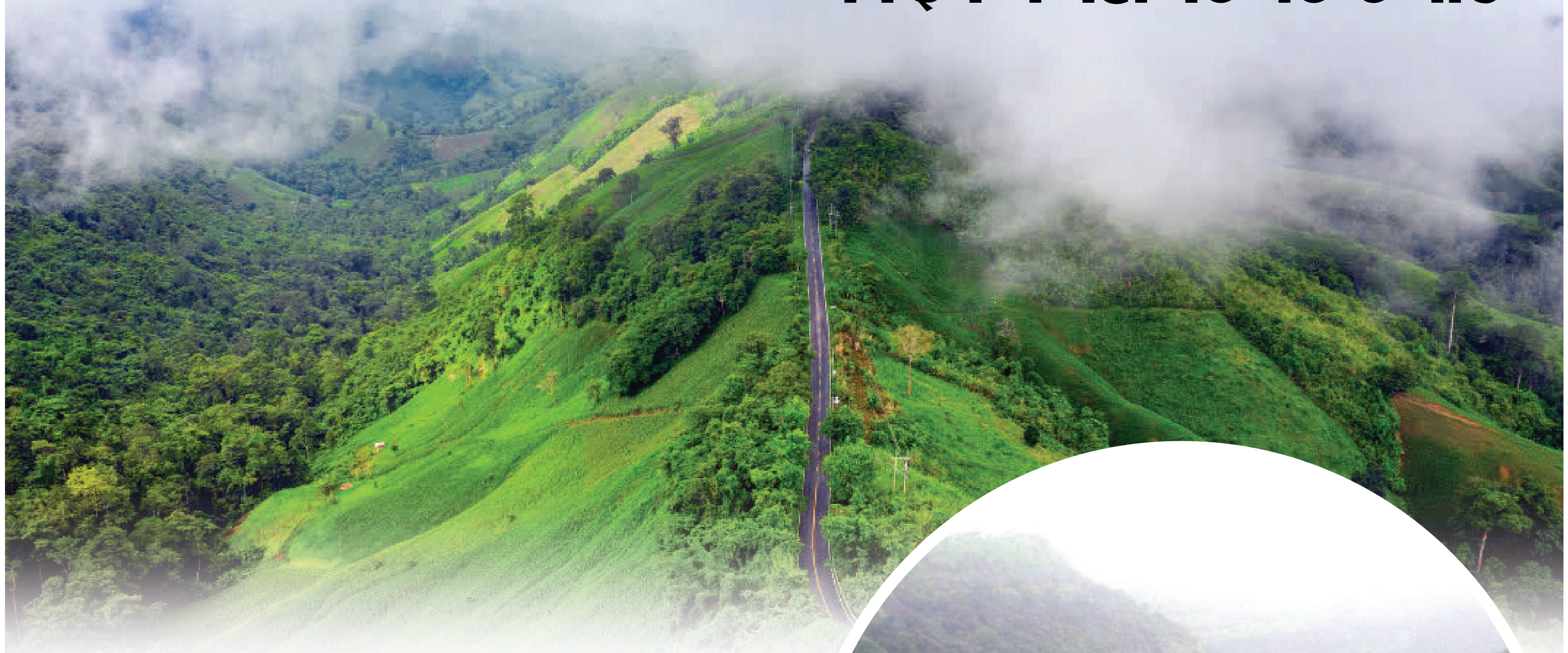

परिवार या दोस्तों के साथ घूमना किसे पसंद नहीं होता? कई लोग ट्रिप पर जाने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाते हैं. खासकर अपने पार्टनर या गर्लफ्रेंड के साथ ट्रिप पर जाना कई लोगों को काफी खुशी देता है. इसलिए ज्यादातर लोग अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मस्ती करने के लिए खूबसूरत जगहों पर जाना पसंद करते हैं. अगर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिताना चाहते हैं तो आज हम आपके लिए कुछ ऐसी जगहों की जानकारी लेकर आए हैं जो जुलाई में कपल्स के घूमने के लिए बेस्ट जगह हैं. खबर के जरिए जानते हैं कि मानसून में अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए कौन सी जगहें बेस्ट हैं.

लोनावाला

मानसून के मौसम में लोनावाला घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है। इस जगह की खूबसूरती और प्रकृति का अनोखा नजारा हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है. खासकर अगर प्रेमी जोड़े और नवविवाहित जोड़े यहां जाएं तो उन्हें बहुत मजा आएगा. क्योंकि यहां का भूशी डैम, टाइगर प्वाइंट, हरी-भरी पहाड़ियां, प्रकृति और खूबसूरत फूलों के बगीचे हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं. इसलिए यह जगह प्रेमी जोड़ों, नवविवाहितों और जोड़ों के लिए सबसे अच्छा पर्यटन स्थल माना जाता है.

मुलशी

अगर आप अपने पार्टनर के साथ मानसून के मौसम का मजा लेना चाहते हैं तो पुणे के पास मुलशी घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है. क्योंकि यहां का इलाका बेहद खूबसूरत है. अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और प्रकृति के लिए मशहूर यह जगह पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है. खास तौर पर धुंध भरी पहाड़ियां और मुलशी डैम देखने लायक बेहद खूबसूरत जगह हैं.

माथेरान हिल स्टेशन

माथेरान हिल स्टेशन अपने प्रेमी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमने के लिए सबसे अच्छी जगह है. यह सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है.मुंबई और पुणे के पास स्थित यह बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन अपनी हरी-भरी पहाड़ियों के साथ बेहद खूबसूरत नजारा देता है. ऐसी प्राकृतिक खूबसूरती के बीच अपने साथी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमना आपके बीच प्यार को और बढ़ा देगा. इसलिए माथेरान लवर्स के लिए एक बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट है.

हरिश्चंद्रगढ़

खूबसूरत कॉफी बागानों में अपने प्रियतम के साथ गपशप करने के लिए यह एक बेहतरीन जगह है. मानसून के मौसम में घूमने के लिए यह सबसे अच्छी जगह है. जो लोग ट्रैकिंग करना चाहते हैं, वे इस जगह पर जा सकते हैं, बर्फीले पहाड़ों, कॉफी बागानों, हरे-भरे पेड़ों, रिमझिम बारिश के बीच कोंकण तट की खूबसूरती को निहार सकते हैं. आप अपने साथी के साथ खुशी के पल बिता सकते हैं। इसलिए, मानसून के मौसम में घूमने के लिए हरिश्चंद्रगढ़ सबसे अच्छी जगह है.

लवासा

वरसगांव झील के किनारे स्थित लवासा में अनगिनत वाटर स्पोर्ट्स हैं. महाराष्ट्र में स्थित यह शहर इतालवी शहर पोर्टोफिनो की तर्ज पर बना है. यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचे और मनोरंजक गतिविधियों के लिए जाना जाता है. यह जगह कपल्स के लिए बेहद रोमांचक हो सकती है.

कसौली की स्थापना 1842 में ब्रिटिश राज के दौरान एक सैन्य छावनी के रूप में हुई थी। यहाँ आज भी कई ब्रिटिश-युग की इमारतें और चर्च मौजूद हैं, जो इसके इतिहास को जीवंत बनाए रखते हैं। साथ ही, यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और साफ-सुथरी जलवायु इसे एक बेहतरीन हिल स्टेशन बनाती है।

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अनोखा मेल है कसौली

हिमाचल प्रदेश के सोलन ज़िले में स्थित कसौली एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक और शांत पहाड़ी स्थल है। समुद्र तल से लगभग 1,900 मीटर की ऊँचाई पर बसा कसौली अपनी हरियाली, शांत वातावरण, औपनिवेशिक इमारतों और मनोरम दृश्यों के लिए जाना जाता है। यह एक आदर्श स्थान है उन लोगों के लिए जो भीड़भाड़ और शोरगुल से दूर कुछ सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

कसौली का इतिहास और विशेषता

कसौली की स्थापना 1842 में ब्रिटिश राज के दौरान एक सैन्य छावनी के रूप में हुई थी। यहाँ आज भी कई ब्रिटिश-युग की इमारतें और चर्च मौजूद हैं, जो इसके इतिहास को जीवंत बनाए रखते हैं। साथ ही, यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और साफ-सुथरी जलवायु इसे एक बेहतरीन हिल स्टेशन बनाती है।

प्रमुख आकर्षण

1. मंकी पॉइंट

कसौली का सबसे ऊँचा स्थान मंकी पॉइंट है, जहाँ से सतलुज नदी, चंडीगढ़ और शिमला के दृश्य साफ दिखाई देते हैं। यहाँ एक छोटा हनुमान मंदिर भी है, जो धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य दोनों के लिए प्रसिद्ध है।

2. गिल्बर्ट ट्रेल

प्राकृतिक प्रेमियों और वॉकिंग के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। यह पगडंडी देवदार और ओक के पेड़ों के बीच से गुजरती है और यहां की शांति आत्मा को सुकून देती है।

3. क्राइस्ट चर्च

1853 में बना यह चर्च कसौली की सबसे पुरानी इमारतों में से एक है। इसकी गोथिक शैली की वास्तुकला और रंगीन कांच की खिड़कियाँ देखने लायक हैं।

4. सनसेट पॉइंट

शाम के समय यहाँ से सूर्यास्त का दृश्य अत्यंत मनमोहक होता है। पहाड़ियों के बीच सूरज को डूबते हुए देखना एक अविस्मरणीय अनुभव है।

5. कसौली ब्रुअरी

यह एशिया की सबसे पुरानी डिस्टिलरी मानी जाती है, जो अब भी संचालित हो रही है। यह ब्रिटिश काल की विरासत को संजोए हुए है।

कसौली में करने योग्य गतिविधियाँ

– प्राकृतिक ट्रेल्स पर वॉकिंग और ट्रेकिंग

– स्थानीय बाजारों में शॉपिंग (हस्तशिल्प, ऊनी वस्त्र, जैम आदि)

– फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग

– चर्चों और औपनिवेशिक इमारतों की खोज

– शांत वातावरण में ध्यान और योग

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून: गर्मियों में ठंडक का आनंद लेने के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर: साफ आसमान और हरियाली देखने के लिए।

दिसंबर से फरवरी: बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए बेहतरीन समय।

कैसे पहुँचे कसौली?

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा चंडीगढ़ (लगभग 60 किमी) है।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन कालका (लगभग 25 किमी) है, जहाँ से टैक्सी या बस ली जा सकती है।

सड़क मार्ग : चंडीगढ़, शिमला, दिल्ली से सीधी बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसौली एक ऐसा पर्यटन स्थल है जहाँ प्रकृति की गोद में शांति, सौंदर्य और इतिहास का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यह उन लोगों के लिए आदर्श स्थान है जो जीवन की दौड़-भाग से दूर कुछ पल सुकून और ताजगी के साथ बिताना चाहते हैं।

फीफा वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच के किंग बने किलियन एम्बाप्पे

88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ रचा इतिहास

स्वीडन पर 3-0 की धमाकेदार जीत

फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल करने का अपना शानदार फॉर्म जारी रखा हुआ है. उन्होंने टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्वीडन के खिलाफ 3-0 की जीत में दो गोल दागकर इतिहास रच दिया और नॉकआउट मैचों में सबसे ज्यादा गोल करने का ऑल-टाइम 88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया.

नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए – अपने तीसरा वर्ल्ड कप में खेल रहे 27 वर्षीय एम्बाप्पे अब टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड ब्राजील के स्टार लियोनिडास और रोनाल्डो के नाम था. दोनों के नाम वर्ल्ड कप के नॉकआउट मैच में संयुक्त रूप से 8-8 गोल हैं।

नॉकआउट राउंड में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

किलियन एम्बाप्पे (फ्रांस): 10 गोल (2018-2022-2026)
रोनाल्डो (ब्राजील): 8 गोल (1998-2002)
लियोनिडास (ब्राजील): 8 गोल (1934-1938)

फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट में एम्बाप्पे के गोल – एम्बाप्पे ने 2018 संस्करण में राउंड ऑफ 16 में अर्जेंटीना के खिलाफ अपना पहला नॉकआउट मैच

खेलते हुए दो गोल के साथ अपनी नॉकआउट यात्रा शुरू की थी. बाद में, उन्होंने फाइनल मुकाबले में क्रोएशिया के खिलाफ गोल करके शानदार प्रदर्शन किया, जहां फ्रांस ने 4-2 से जीत हासिल कर खिताब जीता. 2022 संस्करण में, एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 16 में पोलैंड के खिलाफ दो गोल किए और फिर अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल में हैट्रिक लगाई, लेकिन फ्रांस पेनल्टी शूटआउट में फाइनल हार गया. अब, दो गोल के साथ, एम्बाप्पे ने अपने गोल की संख्या 10 तक पहुंचा दी है।

गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे निकले एम्बाप्पे – एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 32 के मैच में दो गोल किए. जिसके साथ उसके जारी टूर्नामेंट में गोलों की संख्या छह हो गई है और वो अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी के बराबर पहुंच गए, लेकिन दो असिस्ट के कारण वो गोल्डन बूट की रेस में उनसे आगे निकल गए हैं। इसके अलावा वर्ल्ड कप में एमबाप्पे के अब तक कुल 18 गोल हो गए हैं, जो टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा गोल हैं. उन्होंने जर्मनी के फुटबॉल लेजेंड मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. इस लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ लियोनेल मेसी (19) हैं. आने वाले दिनों में इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के बीच स्थिति में बदलाव लगभग तय है. अब जब राउंड ऑफ 16 में फ्रांस का सामना पैराग्वे से होगा, तो एम्बाप्पे के पास अपने गोल की संख्या और बढ़ाने का मौका होगा। एमबाप्पे के इस विश्व कप में अब छह गोल हो चुके हैं और वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेस्सी की बराबरी पर पहुंच गए हैं। वहीं, विश्व कप इतिहास में उनके कुल गोलों की संख्या 18 हो गई है।

अंडर-15 चैंपियनशिप

अथर्व शर्मा के 93 रनों की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स फाइनल में पहुंची

गाजियाबाद (एजेंसी)। अथर्व शर्मा (93) की शानदार पारी की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स ने फ्यूचर स्टार अंडर-15 चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। जहां उसका मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता करीम कैपिटल्स चार्जर्स से होगा। पहले समीफाइनल में अथर्व शर्मा के (93) रनों की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स ने सोनीपत किंग्स को 91 रनों से हराया। जबकि दूसरे सेमीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर के 65 रनों की मदद से करीम कैपिटल चार्जर्स ने नोएडा ब्लेज को छह विकेट से मात दी। अथर्व शर्मा के 93 रन और अयान सिद्दीकी के चार विकेट ने सोनीपत किंग्स को हराया
मेरठ स्पार्टन्स ने अथर्व शर्मा की 57 गेंदों में 93 रनों की पारी के दम पर 5 विकेट पर 216 रन बनाए ; ओपनर बल्लेबाज़ ने क्रीज पर लंबे समय तक टिककर 17 चौके जड़े। जवाब में सोनीपत किंग्स कभी भी जीत के करीब नहीं पहुंच पाई। कुणाल नागर (60) ने ही कुछ संघर्ष किया, जबकि अयान सिद्दीकी ने 19 रन देकर 4 विकेट लिए और टीम को 125 रन पर ऑल-आउट करके 91 रनों से जीत दिलाई। अर्थव शर्मा को' प्लेयर ऑफ द मैच 'का पुरस्कार मिला। दूसरे समीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर की फ़िफ़्टी ने करीम कैपिटल चार्जर्स को नोएडा ब्लेज़ पर जीत दिलाई नोएडा ब्लेज ने चार विकेट पर 160 रन बनाए, जिसमें आकिब सैफी (39) और सक्षम असवाल (38 नाबाद) ने ज्यादातर रन बनाए। करीम कैपिटल चार्जर्स ने एक ओवर बाकी रहते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। सिद्धार्थ तोमर ने 46 गेंदों में 65 रन बनाए और प्रियांशु यादव ने 36 रन का योगदान दिया, जिससे टीम ने छह विकेट से जीत दर्ज की। सिद्धार्थ तोमर को' प्लेयर ऑफ द मैच 'के पुरस्कार से नवाजा गया

भारत और इंग्लैंड मैच से पहले अभिषेक शर्मा को लगा बड़ा झटका

- ईशान किशन ने छीना नंबर वन का ताज

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को बड़ा झटका लगा है. वो अब टी20 के नंबर वन बल्लेबाज नहीं रहे. ये स्थान अब उनके साथी ईशान किशन ने हासिल कर लिया है। इसके साथ ही अभिषेक का लगभग एक साल से टॉप पर बने रहने का दबदबा खत्म हो गया है. बुधवार को जारी ड्ढष्टष्ट की ताजा रैंकिंग में किशन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की. वो अब 876 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर हैं. अभिषेक अब किशन से सिर्फ सात रेटिंग पॉइंट पीछे हैं। इसके अलावा किशन अब विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव जैसे दिग्गजों की उस खास लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टी-20 क्रिकेट में नंबर 1 रैंकिंग हासिल की है. वे ऐसा करने वाले चौथे भारतीय पुरुष बल्लेबाज बन गए हैं।

आईसीसी टी-20 के टॉप 5 बल्लेबाज

ईशान किशन – 876 रेटिंग
अभिषेक शर्मा – 869 रेटिंग
साहिबजादा फरहान – 848 रेटिंग
फिल साल्ट – 792 रेटिंग
पाथुम निसांका – 751 रेटिंग

ट्रेविस हेड बने नंबर वन टेस्ट बल्लेबाज

आईसीसी की ताजा रैंकिंग में एक और बड़े बदलाव देखने को मिला. जिसमें ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड अपने करियर में पहली बार टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर वन स्थान पर पहुंच गए हैं. उन्होंने ये स्थान इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को पछाड़कर हासिल की है. ब्रूक दूसरे स्थान पर खिसक गए, जबकि रूट दो स्थान नीचे गिरकर तीसरे स्थान पर आ गए। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी के दूसरे स्थान पर खिसकने के बाद, भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी की रैंकिंग में फिर से नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है.।

बेल्जियम दौरे के लिए भारतीय जूनियर हॉकी टीम का ऐलान, अनमोल इक्का को मिली कप्तानी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने 5 से 18 जुलाई तक होने वाले बेल्जियम दौरे के लिए 22 सदस्यीय जूनियर (अंडर-21) पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तानी डिफेंडर अनमोल इक्का करेंगे। यह दौरा नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में भारतीय जूनियर टीम का पहला अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट होगा। यह दौरा इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। यूरोप की मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा और टीम को अपने संयोजन व रणनीति को परखने का मौका भी मिलेगा।

ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड से होगी भिड़ंत – भारत इस दौरे पर कुल छह मुकाबले खेलेगा। टीम

ऑस्ट्रिया और मेजबान बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ एक-एक मुकाबला होगा।

भारत का कार्यक्रम
7 जुलाई - ऑस्ट्रिया
8 जुलाई - ऑस्ट्रिया
10 जुलाई - बेल्जियम
13 जुलाई - जर्मनी
14 जुलाई - बेल्जियम
17 जुलाई - नीदरलैंड

कांस्य पदक जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी शामिल – अनमोल इक्का, एडरोहित इक्का, अजीत यादव और रोहित कुल्लू उस भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे जिसने पिछले साल तमिलनाडु में आयोजित जूनियर हॉकी विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। इन खिलाड़ियों से एक बार फिर टीम को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

कोच फ्रेडरिक सोयेज ने क्या कहा- मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह दौरा टीम को हर स्तर पर बेहतर बनाएगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह दौरा हमारे खेल, टीम संयोजन, रणनीतिक अनुशासन और अहम मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा। साथ ही खिलाड़ियों के बीच एकता और आत्मविश्वास भी मजबूत होगा।' सोयेज ने आगे कहा, 'यह दौरा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की अंतरराष्ट्रीय हॉकी की मांगों को समझने और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की मानसिकता विकसित करने में भी मदद करेगा।'

भारतीय जूनियर टीम

गोलकीपर: विवेक लाकड़ा, कुणाल तेवतिया

डिफेंडर: अनमोल इक्का, रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, प्रशांत बारला, संजीत टिर्की, वी मणिमारन

मिडफील्डर: एडरोहित इक्का, हरपाल, जीतपाल, मुकेश टोप्पो, मन्नू मलिक, रितिक लाकड़ा

फॉरवर्ड: अजीत यादव, प्रभदीप सिंह, अर्जुन हरगुडे, आर्यन सेस, लवनूर सिंह, मोहम्मद कोनैन दाद, गुरुसेवक सिंह।

विंबलडन 2026

रोमांचक मुकाबले में बेरेटिनी से हारे वावरिंका, भावुक अंदाज में कहा अलविदा

इटली (एजेंसी)। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टैन वावरिंका का विंबलडन सफर भावुक अंदाज में समाप्त हो गया। पहले दौर में इटली के माटेओ बेरेटिनी ने चार घंटे 20 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में वावरिंका को 6-7(7), 7-6(16), 7-6(7), 7-6(5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मैच के बाद वावरिंका ने स्वीकार किया कि अब उनके करियर को अलविदा कहने का समय आ गया है।

चार घंटे 20 मिनट तक चला रोमांचक मुकाबला – 41 साल और 106 दिन की उम्र में पुरुष एकल ड्रॉ के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी वावरिंका ने बेरेटिनी को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने पहला सेट टाई-ब्रेक में 9-7 से अपने नाम किया, लेकिन 2021 विंबलडन फाइनलिस्ट बेरेटिनी ने दूसरे सेट का बेहद रोमांचक टाई-ब्रेक 18-16 से जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

टाई-ब्रेक में बेरेटिनी ने दिखाई दमदार वापसी – अंधेरा होने के बाद सेंटर कोर्ट की छत बंद कर दी गई, लेकिन मुकाबले का रोमांच कम नहीं हुआ। तीसरे सेट में बेरेटिनी ने सर्विस ब्रेक

हासिल किया, हालांकि वावरिंका ने तुरंत वापसी कर ब्रेक वापस ले लिया। इसके बाद बेरेटिनी ने लगातार दो टाई-ब्रेक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया और दूसरे दौर का टिकट कटाया।

वावरिंका के जज्बे ने जीता दर्शकों का दिल – आखिरी अंक के बाद स्कोरबोर्ड पर बेरेटिनी की जीत दर्ज थी, लेकिन सेंटर कोर्ट तालियों से वावरिंका के लिए गूंज उठा। स्विस दिग्गज ने उम्र के इस पड़ाव पर भी जिस जज्बे और संघर्ष का प्रदर्शन किया, उसने इस मुकाबले को विंबलडन 2026 के शुरुआती दौर के सबसे यादगार मैचों में शामिल कर दिया।

'जिससे प्यार हो, उसे अलविदा कहना आसान नहीं' – मैच के बाद भावुक वावरिंका ने कहा, 'जिस चीज़ से आप इतना प्यार करते हैं, उसे अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता। मैं हमेशा इस खेल के लिए जुनूनी रहा हूं और शुक्रगुजार हूं कि मुझे यहां आखिरी बार खेलने का मौका मिला। इससे बेहतर विदाई की मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था। मैं संन्यास नहीं लेना चाहता, लेकिन अब रुकने का समय आ गया है। इतने लंबे समय तक खेलने की वजह आज रात जैसे पल ही थे।'

2026 सीजन के अंत में लेंगे संन्यास – वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह 2026 सीजन के अंत में पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगे। दूसरी ओर, इस जीत के साथ बेरेटिनी ने एक बार फिर विंबलडन में लंबा सफर तय करने की अपनी उम्मीदें मजबूत कर ली हैं।

राजस्थान के 5 तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन

जयपुर(एजेंसी)। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा 26 से 29 जून तक भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), सोनीपत (हरियाणा) में आयोजित चयन ट्रायल के आधार पर राजस्थान के पांच प्रतिभाशाली तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन किया गया है. यह राजस्थान के लिए अत्यंत गर्व एवं हर्ष का विषय है। राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि अनुज कुमार और सब-जूनियर कंपाउंड बालक वर्ग में आर्यन पारीक का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात) के लिए किया गया है. इसी प्रकार जूनियर रिकर्व महिला वर्ग की प्रतिभाशाली तीरंदाज प्रांजल ठोलिया एवं खुशी कुमावत का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात), कोरिया आमंत्रण तीरंदाजी प्रतियोगिता (केएए इनविटेशनल टूर्नामेंट) और एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए हुआ है. वहीं जूनियर कंपाउंड पुरुष वर्ग के सचिन चेहची का चयन एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए किया गया है। तीरंदाजी का स्तर बढ़ रहाः राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि राजस्थान के खिलाड़ियों का लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन होना राज्य में तीरंदाजी के बढ़ते स्तर का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे ।

आस्ट्रेलिया 8वीं बार महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में

सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से रौंदा

ओवल (एजेंसी)। मंगलवार को 'द ओवल' में खेले गए पहले सेमीफाइनल में, छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने वेस्ट इंडीज़ को आसानी से हराकर विमेंस ञ्20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में अपनी जगह

पक्की कर ली। पहले गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए, ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने वेस्टइंडीज को 125 रन पर रोक दिया और फिर 13 ओवर में ही इस आसान लक्ष्य को हासिल कर लिया।

मिडिल ओवरों में वेस्टइंडीज का 12 रन पर 4 विकेट गंवाना उन पर भारी पड़ा. इसकी वजह से मैच का रुख पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में मुड़ गया और वेस्टइंडीज के पास बचाव के लिए बहुत कम रन बचे।

ऑसट्रेलिया की तरफ से बेथ मूनी के 36 गेंद में नाबाद 61 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें आठ चौकों शामिल थे. जबकि गार्डनर ने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का की मदद 20 गेंद में 35 रन बनाए।

इससे पहले जॉर्जिया वोल (16) और फीबी लिचफील्ड (चार) सस्ते में आउट हो गई थी जबकि एलिसे पैरी चोट लगने के बाद दो के स्कोर पर 'रिटायर्ड हर्ट' होकर लौट गई। मूनी और गार्डनर ने हालांकि आस्ट्रेलिया का महिला क्रिकेट में दबदबा कायम रखते हुए एक और फाइनल में पहुंचाया जहां रविवार को उनका सामना दक्षिण अफ्रीका या इंग्लैंड से होगा। इससे पहले वेस्टइंडीज की शुरूआत काफी खराब रही और 11वें ओवर में सिर्फ 59 के स्कोर पर उसके चार विकेट गिर चुके थे. कप्तान हीली मैथ्यूज (28 गेंद में 30 रन) और शेमेइन कैंपबेल (25 गेंद में 22) को छोड़कर कोई बल्लेबाज टिककर खेल नहीं सकी. आस्ट्रेलिया के लिये कप्तान सोफी मोलिनू, जॉर्जिया वेयरहैम और एशले गार्डनर ने दो दो विकेट लिये।

एमसीसी की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित हुए पुजारा, कहा- इंग्लैंड दूसरे घर जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेतेश्वर पुजारा ने अपने टेस्ट करियर के दौरान आस्ट्रेलिया में कुछ बेहतरीन पारियां खेली लेकिन हाल ही में एमसीसी की आजीवन सदस्यता पाने वाले इस पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा कि इंग्लैंड उन्हें दूसरे घर जैसा लगता है। भारतीय टीम के साथ तीन बार इंग्लैंड का दौरा करने वाले पुजारा काउंटी क्रिकेट में कई टीमों के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने राजकोट के बाद अपना सबसे अधिक समय इंग्लैंड में बिताया है।

प्रसिद्ध लॉर्ड्स स्टेडियम में स्थित मैरीलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित पुजारा ने कहा, 'मैं काउंटी क्रिकेट में काफी खेला हूं। इसलिए जब आप वहां बहुत क्रिकेट खेलते हैं तो आपको घर जैसा महसूस होने लगता है। मेरे लिए स्न्रष्ट का हिस्सा बनना बहुत खुशी और सौभाग्य की बात है।' इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने इंटरव्यू में कहा, 'स्न्रष्ट की मानद सदस्यता मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। एक क्रिकेटर के तौर पर जब आपने अपने पूरे करियर में कड़ी मेहनत की हो और जब उसे पहचान मिले तो फिर आपको अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होता है।'

पुजारा ने लॉर्ड्स में जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, उनमें से भारत ने दो मैच जीते। भारत की तरफ से वह इस ऐतिहासिक मैदान पर शतक नहीं लगा पाए लेकिन उन्होंने ससेक्स की तरफ से खेलते हुए यहां दोहरा शतक लगाया है। भारत की तरफ से 103 टेस्ट मैच खेलने वाले पुजारा दुनिया के सभी प्रसिद्ध मैदानों पर खेले हैं लेकिन लॉर्ड्स में खेलने का अनुभव कुछ अलग ही होता है।

उन्होंने कहा, 'लॉर्ड्स में क्रिकेट खेलने और वहां क्रिकेट देखने की मेरी कुछ अच्छी यादें हैं। 2011 में मेरे घुटने की सर्जरी लंदन में हुई थी और इसके लिए जब मैं वहां डॉक्टर से सलाह ले रहा था, तो मैंने लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड का का दौरा किया। क्योंकि उससे पहले मैं कभी लॉर्ड्स में नहीं खेला था।' पुजारा ने कहा, 'जब आप उस मैदान में कदम रखते हैं, तो उसका एक अलग ही माहौल और अलग ही ऊर्जा होती है। जब आप एमसीसी के आजीवन सदस्य बन जाते हैं, तो आपको वहां जाकर क्रिकेट देखने का विशेषाधिकार मिल जाता है। मेरा बचपन से ही सपना था कि मैं वहां क्रिकेट खेलूं।'

श्रीसंत को केरल क्रिकेट संघ से बड़ी राहत, तीन साल का प्रतिबंध हटाया, चेतावनी भी दी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर एस श्रीसंत पर पिछले साल लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को बुधवार को हटा लिया। यह प्रतिबंध संघ के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के कारण लगाया गया था।

केसीए के बयान के मुताबिक उसने अपनी विशेष आम बैठक में प्रतिबंध हटाने का फैसला किया। बयान में कहा गया है कि यह फैसला क्रिकेटर के बिना शर्त माफी मांगने और केसीए के खिलाफ अपनी टिप्पणी के लिए खेद जताने के बाद किया गया। बयान के अनुसार श्रीसंत पर यह प्रतिबंध पिछले केरल क्रिकेट लीग के मुकाबलों से पहले लगाया गया था। हालांकि, एसोसिएशन ने श्रीसंत को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसा कोई भी व्यवहार करने पर उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंध हटने के बाद श्रीसंत केरल क्रिकेट लीग के तीसरे सीजन में 'एरीज कोल्लम सेलर्स' फ्रैंचाइजी के सह-मालिक के तौर पर बने रह सकेंगे। ञ्चष्ट ने पिछले ञ्चष्टरु सीजन से पहले यह प्रतिबंध लगाया था।

आलोचकों पर बरसे रजनीकांत

सुपरस्टार रजनीकांत की आगामी फिल्म 'धर्मन' के लॉन्च पर पहुंचे। यहां अपने भाषण के दौरान उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब दिया, जो उनकी चुप्पी या उनके बोलने पर हमेशा सवाल उठाते रहते हैं। एक्टर ने कहा कि उनके बोलने और न बोलने दोनों पर ही लोगों को शिकायत रहती है।

75 साल के इस एक्टर ने अपने ऊपर होने वाली लगातार आलोचनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्हें हाल ही में यह समझ आया है कि आलोचना से बचा नहीं जा सकता। चेन्नई में हुए इस इवेंट में रजनीकांत ने कहा कि अब उन्हें भाषण देने के लिए बुलाए जाने पर हिचकिचाहट होती है, क्योंकि अक्सर उनकी बातों पर चर्चा होने लगती है। उन्होंने कहा कि जब कोई मुझसे बोलने के लिए कहता है, तो मैं हिचकिचाने लगता हूं। क्योंकि जब भी मैं बोलता हूं, तो कोई न कोई समस्या खड़ी हो जाती है, या तो मेरे लिए या आपके लिए। सुपरस्टार ने आगे यह भी कहा कि जब वे बोलते हैं, तो लोग अक्सर उनके बयानों पर सवाल उठाते हैं या तर्क देते हैं कि उन्हें किसी विशेष मुद्दे पर नहीं बोलना चाहिए था। अगर मैं बोलता हूं, तो कुछ लोग कहेंगे, 'उन्होंने अभी क्यों बोला?' जबकि अन्य कहेंगे कि उन्हें बोलना ही नहीं चाहिए था। कई साल बाद मुझे एक बात समझ आई है, जो लोग हमें पसंद नहीं करते, वे हमें तब भी पसंद नहीं करेंगे, चाहे हम कुछ भी कर लें। यह सोचना बेवकूफी है कि जो लोग हमें पसंद करते हैं, वे हमारे हर काम को पसंद करेंगे। इसलिए सावधान रहना जरूरी है। हर किसी से अपने कामों के लिए मंजूरी की उम्मीद करना सही नहीं है और लोगों को सावधान रहना सीखना चाहिए।

रजनीकांत की पाइपलाइन में हैं कई फिल्में

हाल ही में रजनीकांत को उनके राजनीतिक रुख या राजनीतिक नेताओं के साथ मुलाकातों के लिए काफी ट्रोल किया गया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो रजनीकांत अपनी आने वाली फिल्म 'धर्मन' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। इसके अलावा उनके पास डायरेक्टर नेल्सन की 'जेलर 2' भी है, जिसके कुछ महीनों में रिलीज होने की उम्मीद है। वहीं कमल हासन के साथ उनकी फिल्म, जिसे नेल्सन डायरेक्ट करेंगे, 2027 में शुरू होने की उम्मीद है।

मेरे लिए करियर का टर्निंग पॉइंट है 'वेलकम टू द जंगल'

भोजपुरी स्टार और सिंगर अक्षरा सिंह इन दिनों काफी खुश हैं। हाल ही में वे बॉलीवुड फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के गाने 'घिस घिस घिस' में अक्षय कुमार के साथ नजर आईं हैं। इसके बाद अब उन्होंने गाने के बाद मिली पॉपुलैरिटी को लेकर और अक्षय कुमार के साथ काम करने पर बात की है। एक इंटरव्यू में अक्षरा सिंह ने कहा, 'मैं अहमद सर, गणेश आचार्य सर और अक्षय सर की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे यह मौका दिया। यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल है और मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट है। मैं इसे हमेशा याद रखूंगी।'

अक्षरा ने उस पल को भी याद किया जब उन्हें इस गाने के लिए फोन आया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें थोड़ा डर लगा था। अक्षरा ने कहा, 'मुझे अहमद सर के प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया और बताया गया कि 'वेलकम टू द जंगल' में एक गाना है, जो मुझे करना है। पहले मैं थोड़ा हिचकिचाई, लेकिन बाद में गणेश आचार्य सर का फोन आया और उन्होंने मुझे समझाया। जैसे ही मैंने उनका और अक्षय सर का नाम सुना, मैं पूरी तरह से ब्लैंक हो गई।'

मेरे अंदर का बच्चा बहुत नर्वस था

उन्होंने आगे कहा, 'एक एक्टर के तौर पर मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी थी, लेकिन मेरे अंदर का बच्चा बहुत नर्वस था। मैं इतनी घबराई हुई थी कि वॉशरूम तक जाना पड़ा। यह मेरे लिए एक फैनगर्ल मोमेंट था। कल तक मैं टीवी पर अक्षय सर की फिल्में देखती थी और ताली बजाती थी, और आज उनके साथ स्क्रीन शेयर कर रही हूं। मुझे लगा जैसे जिंदगी खुद अपनी कहानी लिख रही है।'

अली गोनी से शादी के लिए तैयार हैं जैस्मिन भसीन

टीवी सीरियल की दुनिया में अली गोनी और जैस्मिन भसीन चर्चित नाम हैं। दोनों काफी समय से रिलेशनशिप में भी हैं। शादी को लेकर भी यह कपल सीरियस है। हाल ही में अली गोनी ने एक इंटरव्यू में जिक्र किया कि वह शादी को लेकर प्लान बना रहे हैं। इंस्टेंट बॉलीवुड से की गई हालिया बातचीत में अली गोनी ने कहा, 'मेरी मम्मी बोल रही हैं कि शादी कर लो। जैस्मिन भी तैयार है, मैं भी बिल्कुल तैयार हूं।' आगे वह थोड़ा शरमाते हैं और कहते हैं, 'हो सकता है कि जल्द ही आपको कोई खबर मिले। प्लान हो सकता है।' अली गोनी ने साल 2020 में डेट करना शुरू किया था लेकिन शुरुआत में अपना रिश्ता छिपाकर रखा। फिर अचानक अली गोनी जैस्मिन से मिलने के लिए 'बिग बॉस 14' रियलिटी शो में पहुंचे। इस दौरान ही फैंस को इनके रिश्ते के बारे में पता चला। आगे चलकर दोनों ने अपना रिलेशनशिप पब्लिक के सामने स्वीकार भी किया। अली गोनी जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। एक्टिंग के अलावा वह बिजनेस भी करते हैं। पिछले दिनों 'लाफ्टर शेफ 3' में भी नजर आए। इस शो में वह अपने मस्ती भरे अंदाज और कुकिंग स्किल्स की वजह से पॉपुलर हुए।

रीशूट होगी सिद्धार्थ तमन्ना स्टारर 'वन'

इंडियन सिनेमा में पिछले कुछ वर्षों में हॉरर फिल्मों की भाषा तेजी से बदली है। अब केवल डराने वाले सीन नहीं, बल्कि माहौल, लोककथाएं और मनोवैज्ञानिक तनाव भी दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। इसी बदलते दौर में 'वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' अपने एक्स्ट्रा शूट शेड्यूल को लेकर चर्चा में है। फिल्म की टीम ने करीब 10 दिनों की नई शूटिंग का फैसला किया है। यह निर्णय किसी तकनीकी कमी या कहानी में बड़े बदलाव की वजह से नहीं लिया गया, बल्कि इसलिए कि फिल्म के हॉरर, सस्पेंस और खासकर अंतिम हिस्से को और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सके। बताया जा रहा है कि टीम मौजूदा फुटेज से संतुष्ट है, लेकिन उन्हें लगा कि क्लाइमैक्स में कुछ ऐसे अवसर मौजूद हैं जिनसे तनाव और सिनेमाई असर को अगले स्तर तक ले जाया जा सकता है।

घने जंगल और लोककथा के जरिए कहानी में पैदा होगा डर

निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा और अरुनाभकुमार इस फिल्म को पारंपरिक हॉरर से अलग रूप देना चाहते हैं। फिल्म भारतीय लोककथाओं, जंगलों और रहस्यमयी मान्यताओं से प्रेरित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कहानी में बिहार के दरभंगा क्षेत्र और छठ पर्व की सांस्कृतिक झलक भी शामिल की गई है।

फिल्म में जंगल एक जीवंत किरदार की तरह काम करेगा

सूत्रों के अनुसार फिल्म में जंगल एक जीवंत किरदार की तरह काम करेगा। कई हिस्सों की शूटिंग वास्तविक लोकेशनों पर और सीमित कृत्रिम रोशनी के बीच की गई है ताकि सीन्स ज्यादा वास्तविक और रहस्यमयी महसूस हों। मेकर्स का फोकस ऐसे अनुभव पर है जहां हर आवाज और हर छाया कहानी का हिस्सा लगे।

फाइनल कट के बाद टीम को लगा कुछ कमी रह गई है

बताया जा रहा है कि फाइनल कट देखने के बाद टीम को लगा कि अंतिम हिस्से में तनाव और भावनात्मक असर को और बढ़ाया जा सकता है। इसी वजह से कुछ हॉरर सीक्वेंस और क्लाइमैक्स वाले विजुअल्स पर दोबारा काम किया जा रहा है। यह प्रक्रिया बड़े स्केल की फिल्मों में अक्सर अपनाई जाती है ताकि दर्शकों को ज्यादा इमर्सिव अनुभव मिल सके।

वीएफएक्स के साथ बनेगा नया सिनेमैटिक यूनिवर्स

फिल्म में वीएफएक्स और प्रैक्टिकल इफेक्ट्स दोनों का मेल रखा गया है ताकि स्क्रीन पर कृत्रिमता कम लगे। रिलीज से पहले 'द लीजेंड ऑफ वन' नाम की कॉमिक बुक भी लाई गई है।

हम पूरी श्रद्धा के साथ 'रामायण' बना रहे हैं

रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह हिंदी सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म बताई जा रही है। फिल्म से रणबीर कपूर का लुक सामने आने के बाद से फैंस इस फिल्म की हर अपडेट को लेकर और भी उत्सुक हैं। फिल्म की कास्टिंग से लेकर इसके बड़े पैमाने और वीएफएक्स तक कई वजहों से इसकी चर्चा हो रही है। अब फिल्म में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले रवि दुबे ने दर्शकों के लिए एक मैसेज में फिल्म को लेकर लोगों की उम्मीदों पर बात की है।

हम पूरी तरह से इसके साथ न्याय करने की कोशिश कर रहे हैं

हालिया बातचीत में रवि दुबे ने फिल्म और इसे बनाने के तरीके के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि भारत और रामायण एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। वे एक ही हैं। जहां तक तैयारी की बात है, हम उस पर बाद में चर्चा करेंगे। यह हमारा इतिहास और हमारी धरोहर है और हम इस पर जितना ज्यादा काम कर सकते हैं, अपनी क्षमता के अनुसार इसके साथ न्याय करने की उतनी ही कोशिश करेंगे। यह एक शानदार अनुभव रहा है। फिल्म से दर्शकों को क्या उम्मीद करनी चाहिए, इस बारे में बात करते हुए रवि दुबे ने कहा कि हम यह फिल्म पूरी श्रद्धा के साथ बना रहे हैं। आप भी श्रद्धा के साथ इंतजार करें।

फिल्म से सामने आ चुका है रणबीर का लुक

इस साल की शुरुआत में 'रामायण' का पहला लुक यानी टीजर जारी किया गया था। इसमें रणबीर को भगवान राम के रूप में दिखाया गया था, साथ ही उन असुरों की झलक भी थी जिनसे वे लड़ते हैं, रावण की झलक और युद्ध के भी कई सीन दिखाए गए थे। इस टीजर को मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था। जहां कई लोगों ने राम के किरदार में रणबीर की तारीफ की थी। हालांकि, वहीं इतनी बड़ी फिल्म के वीएफएक्स की आलोचना भी हुई। तब से कई लोग इस उम्मीद में अगले अपडेट का इंतजार कर रहे हैं कि वीएफएक्स को बेहतर कर लिया गया होगा। मेकर्स ने भी वीएफएक्स पर काम करने की बात कही थी।

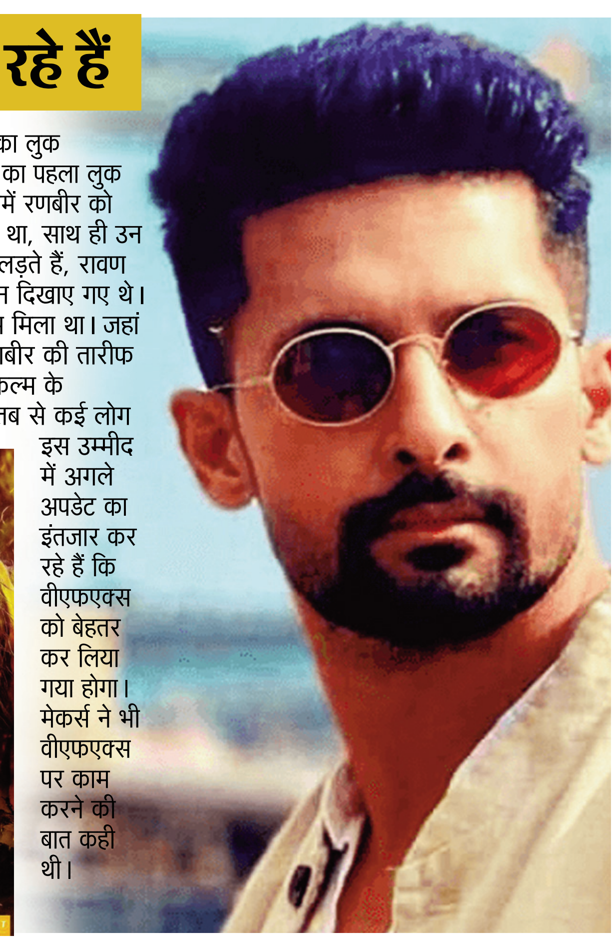

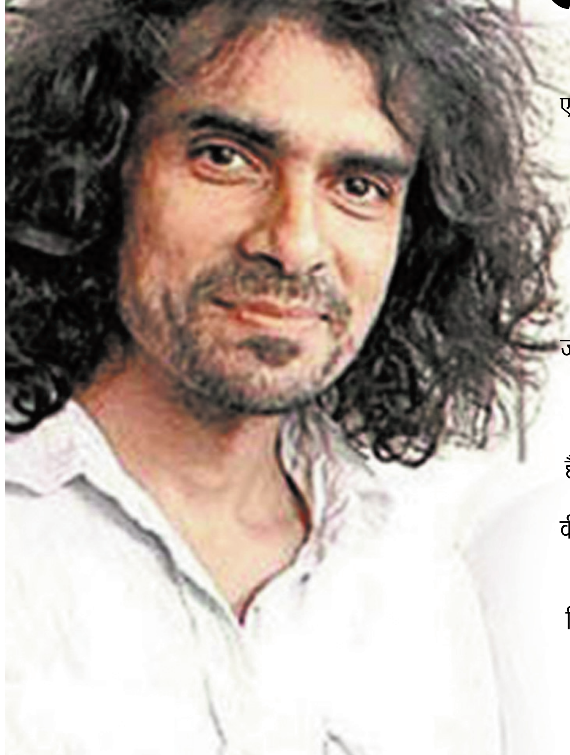

इम्तियाज अली नहीं बनाना चाहते अपनी फिल्मों का सीक्वल

इम्तियाज अली हिंदी सिनेमा के उन फिल्मकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने प्रेम कहानियों और रिश्तों को एक अलग नजरिए से पर्दे पर पेश किया। 'जब वी मेट', 'लव आजकल' और 'रॉकस्टार' जैसी उनकी फिल्में कल्ट क्लासिक में गिनी जाती हैं और दर्शक भी आए दिन इन फिल्मों के सीक्वल की मांग करते हैं। मगर इम्तियाज अली सीक्वल बनाने में यकीन नहीं रखते। इम्तियाज अली इस वक्त अपनी हालिया रिलीज 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं, जो रिलीज हो चुकी है, खूब कमा रही है और तारीफें बटोर रही है। जब इम्तियाज अली से पूछा कि क्या वह अपनी किसी फिल्म का सीक्वल बनाना चाहेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, 'अगर कोई ऐसी कहानी है जो नेचुरली आए और लगे कि यह सीक्वल हो सकता है, तब तो ठीक है। वरना सिर्फ मार्केटिंग के लिए सीक्वल बनाने में मैं यकीन नहीं करता हूं। मुझे मालूम है कि अगर 'जब वी मेट' या 'रॉकस्टार' का सीक्वल बनेगा तो कम से कम लोगों में जिज्ञासा आएगी और बॉक्स ऑफिस पर एक ओपनिंग लग जाएगी। तब क्या होगा कि फिल्म कैसी भी हो, पैसे तो बन ही जाएंगे। मगर मेरी यह सोच नहीं है और न मुझे यह पसंद है। वैसे मैं सीक्वल्स के पक्ष में नहीं रहता क्योंकि बतौर फिल्ममेकर आपको मजा भी तब आता है, जब आप एक नए रास्ते पर निकलते हो।'

हर फिल्म पिछली से जुदा क्यों?

इम्तियाज की ज्यादातर फिल्में अपनी पिछली फिल्म से बिल्कुल जुदा होती हैं। इस बारे में वह कहते हैं, 'मुझे पहले वाला काम पसंद नहीं आता। जो काम मैं कर चुका हूं, दोबारा करने में उतना मज़ा नहीं आता है और मुझे ऐसा लगता है कि हम अलग-अलग तरह की फिल्में बनाकर बहुत कुछ सीख रहे हैं। तो एक तरह के अनुभव से आपने कुछ सीखा, दूसरे से आप कुछ और सीखोगे।'

युवा चाहते हैं उम्र भर चलने वाली मोहब्बत

इम्तियाज की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' विभाजन के समय शुरू हुई प्रेम कहानी पर आधारित है। मगर इस तरह की कहानियों पर फिल्में दशकों से बन रही हैं। तो फिर क्यों इम्तियाज ने यह विषय चुना?

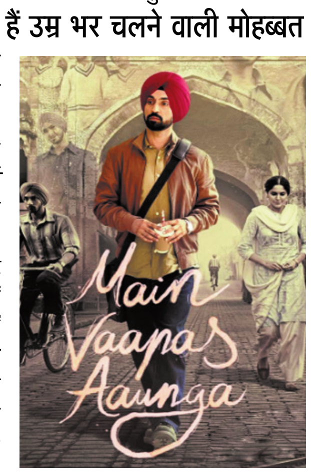

वह कहते हैं, 'इस फिल्म को बनाने की सोच तो विभाजन और उसकी जो लव स्टोरीज हैं, उनसे शुरू हुआ। इसको देखकर जो आज के लोग हैं, वो बहुत हैरान होते हैं। वो यह सोचकर हैरान हैं कि हमारे दादाजी 78 सालों बाद भी किसी को याद कर रहे हैं। वो कहते हैं कि ऐसा हमारी जिंदगी में क्यों नहीं मुमकिन हो सकता। हमें भी इस तरह की मोहब्बत चाहिए जो उम्र भर चले।' इस फिल्म में लीड किरदार दिलजीत ने निभाया है जो उनकी पिछली फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के भी हीरो थे। इस पर इम्तियाज कहते हैं, 'पहली बार ऐसा हुआ है कि एक ही एक्टर दो फिल्मों में लगातार एक के बाद एक कास्ट हुआ हो। और यह संजोग है कि दोनों फिल्मों के लिए दिलजीत ही फिट थे। जब हम 'चमकीला' कर रहे थे तो इस फिल्म में भी वही एक्टिंग करेंगे, इस बात का कोई पता नहीं था। यह कैरेक्टर भी उस वक्त तक पूरी तरह से बना नहीं था।

प्रेम की परिभाषा बहुत बदली है

'जब वी मेट' को करीब-करीब दो दशक का समय हो चुका है। इतने समय में प्यार को लेकर विचारों में क्या बदलाव आया है? यह पूछने पर इम्तियाज़ कहते हैं, 'परिभाषा हमेशा बदलती रहती है। पहले लगता है कि यही एक परिभाषा है। इतनी सारी फिल्मों के बाद हर चीज़ की समझ, पहचान और परिभाषा बदली है। जिसको हम प्यार कहते हैं या प्रेम का रिश्ता कहते हैं, उसकी परिभाषा बहुत ज्यादा बदली है। जो भी बदलाव आया है, वह मेरे ख्याल से मेरी फिल्मों में ही झलकेगा।'

ओटीटी चैलेंज नहीं सुविधा है

जब उनसे पूछा गया कि क्या ओटीटी के दौर में आप कोई चैलेंज महसूस करते हैं? तो वह बोले, 'ओटीटी आज के दौर में चैलेंज नहीं है। असल में यह एक सुविधा है हमारे पास कि हम इस तरह की भी कहानियां बना सकते हैं। जैसे 'चमकीला' ओटीटी के लिए थी। एक और शो भी हम बना रहे हैं, सीरीज भी बना रहे हैं। तो वह सब ओटीटी में आएंगी। इसको मैं चैलेंज नहीं समझता, बल्कि यह एक अच्छी चीज है कि हमारे पास दूसरा भी साधन मौजूद है। अगर चाहें तो हम उसमें भी काम कर सकते हैं। एक और अच्छी चीज इसमें यह होगी कि हमें समझ में आ जाएगा कि ओटीटी के शो बनाने के लिए कौन सी कहानी फिट है और बड़े पर्दे के लिए कौन सी कहानी बेहतर है।'

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (गुरुवार)
02 जुलाई 2026

संक्षिप्त समाचार

आंग सान सू के बेटे ने मांगा मां के जिंदा होने का सबूत

नेपीडॉ, एजेंसी। म्यांमार की जेल में बंद लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू की के बेटे किम एरिस ने जुंटा सरकार से उनकी मां के जीवित होने का ठोस सबूत मांगा है। एरिस को संदेह है कि उनकी 80 वर्षीय मां को घर में नजरबंद रखने के बजाय अब भी जेल में रखा गया है। उन्होंने कहा कि उनके पास स्थानांतरण का कोई सबूत नहीं है। वे तख्तापलट के बाद से हिरासत में हैं। उनके बेटे ने उनकी रिहाई के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव की मांग की है।

ड्रग्स तस्करी के आरोप में थाई एयरलाइन का कर्मी गिरफ्तार

मेलबर्न , एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने मेलबर्न हवाई अड्डे पर एक थाई एयरलाइन कर्मचारी को एक किलोग्राम से अधिक हेरोइन की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। 26 वर्षीय महिला बृहस्पतिवार को एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान के दौरान ड्यूटी पर थी। सामान की जांच के दौरान बैग की अस्तर में छिपाकर रखा गया सफेद पाउडर बरामद हुआ। शुरुआती जांच में इसके हेरोइन होने की पुष्टि हुई है। जब्त ड्रग्स की बाजार कीमत करीब 5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर आंकी गई है।

लापता विमान के लिए खोजी अभियान 2027 तक रहेगा जारी

कुआलालंपुर , एजेंसी। मलयेशिया ने 12 साल पहले लापता हुए मलयेशिया एयरलाइंस के विमान की तलाश के लिए समुद्री रोबोटिक्स कंपनी ओशन इन्फिनिटी के साथ अपने अनुबंध को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। परिवहन मंत्री एंथनी लोक ने बताया कि यह समझौता नो-फाइंड, नो-फी के आधार पर 30 जून 2027 तक प्रभावी रहेगा। कंपनी को विमान का मलबा मिलने पर ही 7 करोड़ डॉलर का भुगतान किया जाएगा यह अभियान नवंबर से अप्रैल के बीच शुरू होने की उम्मीद है।

बाइडन का ट्रंप पर निशाना कहा- लूजर, शान-शौकत को देते हैं ज्यादा अहमियत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने उत्तराधिकारी और मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक लूजर (असफल) व्यक्ति कहते हुए फिर से जुबानी हमला किया है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, प्रक्रियाओं में विफलता और राष्ट्रीय कामकाज से ज्यादा अपनी निजी शान-शौकत को अहमियत देने का आरोप लगाया। हेनोवर में मेरीलैंड डेमोक्रेटिक पार्टी के एक फंडरेजिंग कार्यक्रम में बाइडन ने वाशिंगटन में जारी कई निर्माण व नवीनीकरण प्रोजेक्टों की निंदा भी की। उन्होंने वाशिंगटन डीसी में संरचनात्मक बदलावों पर निशाना साधा। उन्होंने व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग में बदलाव, ट्रायम्फल आर्च (विजय स्मारक) के प्रस्तावित ढांचे और लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल के बड़े पैमाने पर किए गए बदलावों की साफतौर पर निंदा की।

सिंगापुर : वर्कर्स पार्टी ने भारतवंशी प्रीतम को निर्विरोध महासचिव चुना

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की वर्कर्स पार्टी ने भारतवंशी प्रीतम सिंह को एक बार फिर अपना महासचिव चुन लिया है। यह फैसला ऐसे समय में हुआ है, जब विपक्ष के नेता प्रीतम सिंह कानूनी और राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में उन्हें संसदीय समिति से जुड़े मामले में संसद में झूठ बोलने का दोषी ठहराया जा चुका है। सिंह (50) को पार्टी सदस्यों ने निर्विरोध महासचिव चुना। वर्कर्स पार्टी सिंगापुर के सबसे छोटे विपक्षी समूहों में से एक है।

255 किलो वजन वाले सात वर्षीय बच्चे की मौत, माता-पिता पर हत्या का केस

मिशिगन , एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन में सात वर्षीय कैस्पर ओ'ब्रायन की मौत के मामले में उसके माता-पिता पर हत्या, यातना और बाल उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। बच्चे का वजन 116 किलोग्राम था और पोस्टमार्टम में उसकी मौत का कारण हृदय रोग बताया गया, जिसमें मोटापा भी एक प्रमुख वजह था। बच्चा बिस्तर पर पड़ा रहता था, उसके शरीर पर गंभीर घाव थे और घर की हालत भी बेहद खराब थी। दंपति न्यायिक हिरासत में है।

एक अरब डॉलर की धोखाधड़ी में चीनी कारोबारी गुओ वेंगुई को 30 साल की जेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की अदालत ने चीन के निर्वासित अरबपति कारोबारी गुओ वेंगुई को एक अरब डॉलर से अधिक की वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में 30 वर्ष की जेल की सजा सुनाई है। अभियोजन के अनुसार, गुओ ने हजारों निवेशकों को फर्जी निवेश योजनाओं में फंसाकर भारी रकम जुटाई और उससे आलीशान जीवन बिताया। अदालत ने कहा कि उसने लोकतंत्र समर्थकों का भरोसा तोड़ा और अपने कृत्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं ली। गुओ ने खुद को निर्दोष बताते हुए मामले को चीन की साजिश करार दिया।

ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, यौन हमला मामले में नहीं मिली राहत, 43 करोड़ का जुर्माना बरकरार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार 29 जून को यौन हमला मामले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बहुत बड़ा झटका दिया है। जूरी के पुराने फैसले को पलटने की ट्रंप की अपील को शीर्ष अदालत ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस कड़े फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रंप को इस कानूनी मामले में राहत मिलने की सभी उम्मीदें खत्म हो गई हैं। कोर्ट ने बिना कोई विशेष कारण बताए इस मामले में जूरी के फैसले को बरकरार रखने का महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है।

अदालत ने माना है कि ट्रंप ने पूर्व लेखिका ई. जीन कैरोल के साथ यौन हमला और उनकी भारी मानहानि की थी। इस सख्त फैसले के तहत उन्हें 50 लाख डॉलर यानी करीब 43 करोड़ रुपये का भारी-भरकम हर्जाना देना होगा। 9 मई 2023 को मैनहैटन की एक फेडरल अदालत ने 1996 में हुई इस घटना के लिए उन्हें दोषी ठहराया था। ट्रंप ने अदालत के इस फैसले पर अपनी भारी नाराजगी जताते हुए इसे पूरी तरह से एक फर्जी मामला बताया है।

कैरोल का यौन उत्पीड़न दावा : अब 82 साल की हो चुकीं पूर्व कॉलम लेखिका ई. जीन कैरोल ने 2019 में छपी अपनी किताब में यह बड़ा दावा किया था। उन्होंने बताया था कि 23 साल पहले न्यूयॉर्क के एक डिपार्टमेंट स्टोर के ट्रायल रूम में उनके साथ दुष्कर्म हुआ था। इसके जवाब में डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें पागल महिला कहा था और किसी भी तरह की मुलाकात से साफ इनकार किया था। ट्रंप का कहना था कि दशकों पुरानी एक तस्वीर सबूत नहीं हो सकती जिसमें वह कैरोल और उनके पति के साथ खड़े हैं।

ट्रंप के दावे और कड़ा बचाव : डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार यह दावा किया है कि वह ई. जीन कैरोल नाम की इस महिला से अपनी जिंदगी में कभी नहीं मिले। उनके अनुसार दशकों पुरानी एक साधारण सी तस्वीर को आधार बनाकर उनके खिलाफ गहरी साजिश रची जा रही है। उन्होंने देश की कानूनी व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए इसे कानून का गलत इस्तेमाल और बेवकूफी भरा दावा बताया है। कैरोल की वकील रोबर्टा कैपलन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला जूरी के सर्वसम्मत फैसले की ऐतिहासिक जीत है।

न्याय विभाग की नई आपराधिक जांच : इसी साल मई के आखिर में अमेरिकी न्याय विभाग ने ई. जीन कैरोल के खिलाफ एक आपराधिक जांच शुरू की है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार जांच का मकसद यह पता लगाना है कि क्या कैरोल ने गवाही के दौरान शपथ लेकर झूठ बोला था। कैरोल ने अदालत में कहा था कि उन्हें इस मामले में किसी भी बाहरी व्यक्ति से आर्थिक मदद नहीं मिली है। जबकि बाद में यह सच सामने आया था कि अरबपति रीड हॉफमैन ने उनकी कानूनी फीस का एक बड़ा हिस्सा चुकाया था।

राजनीतिक विरोधियों पर सीधा निशाना : इस ताजा जांच ने फिर इस बात को मजबूती से साबित कर दिया है कि ट्रंप एक नया राजनीतिक दांव चल रहे हैं। न्याय विभाग का इस्तेमाल कर ट्रंप अपने निजी राजनीतिक विरोधियों को लगातार निशाना बनाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कैरोल के पक्ष का मानना है कि यह फैसला साफ करता है कि ट्रंप ने यौन हमला किया था। इस कानूनी लड़ाई में 43 करोड़ रुपये का जुर्माना बरकरार रहना ट्रंप के लिए चुनावी साल में एक बहुत बड़ा झटका है।

ट्रंप के विशेष दूत सर्जियो गोर बोले- अंतिम चरण में अमेरिका-भारत व्यापार समझौता

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत में अमेरिकी के राजदूत सर्जियो गोर ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका-इंडिया ट्रेड डील अपने 'आखिरी चरण' में है और बातचीत का सिर्फ आखिरी एक फीसदी ही बाकी है. उन्होंने भरोसा जताया कि करीब 18 महीने की बातचीत के बाद यह डील जल्द ही पक्की हो जाएगी.

यहां अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोर ने कहा कि वह इस समझौते को पूरा करने के लिए पक्के इरादे वाले हैं, क्योंकि यह दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा. उन्होंने कहा, 'हम इस डील के आखिरी चरण में हैं. इस डील का ज्यादातर हिस्सा पूरा हो चुका है. दोनों तरफ कुछ चीजें बाकी हैं. यह उस डील का आखिरी 1 परसेंट हिस्सा है.'

भारत में अमेरिका के राजदूत ने दोनों देशों के बीच रिश्तों को लेकर उम्मीद जताई और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच पर्सनल इक्वेशन का जिक्र किया, जो रिश्तों को आगे बढ़ा रहा है. उन्होंने कहा, 'लोग पूछते हैं, इसमें इतना समय क्यों लग रहा है? हम डेढ़ साल से इस पर काम कर रहे हैं.

इसे सही नजरिए से देखें तो हम 20 साल से ट्रेडिंग कर रहे हैं. इसलिए कोई बात नहीं, एक बार जब हम यूरोपियन डील को हरा देंगे, तो मुझे लगता है कि हम अच्छी हालत में होंगे, लेकिन मैं इसे खत्म करने का पक्का इरादा रखता हूँ.'

अमेरिकी दूत ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास भारत दौरे की बहुत अच्छी यादें हैं और वह अब भी इसके बारे में बात करते रहते हैं. गोर ने कहा, 'पिछली बार उनका दौरा, उनके सबसे खास दौरों में से एक था जिसके बारे में वह अब भी बात करते हैं. वह इसे बहुत खास जगह देते हैं. यह एक अविश्वसनीय बात है. इसलिए मैं राष्ट्रपति ट्रंप के भारत वापस आने का इंतजार कर रहा हूँ.' राजदूत ने यह भी बताया कि क्वाड के विदेश मंत्री अब से लगभग दो हफ़्ते में फिलीपींस में मिलने वाले हैं.

ऑस्ट्रेलिया: बच्चों के सोशल मीडिया खाते रोकने में नाकामी पर दोगुना जुर्माना

कैनबरा, एजेंसी। दुनिया में ऑस्ट्रेलिया ऐसा पहला देश रहा जिसने दिसंबर 2025 में बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर पाबंदी लगाते हुए कंपनियों पर सख्ती बरती, लेकिन कंपनियां इसे पूरी तरह नहीं मान रही हैं। इसे लेकर ऑस्ट्रेलिया सरकार बच्चों को खाता बनाने से रोकने में नाकाम रहने के चलते फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों पर संभावित जुर्माने को दोगुना करने की योजना बना रही है।

आलोचकों का कहना है कि 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर लगाया गया दुनिया का पहला प्रतिबंध कारगर नहीं है। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने सोमवार को कहा, इन आयु-सीमा नियमों का सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा पर्याप्त पालन नहीं किए जाने के कारण कानून को और सख्त बनाने की जरूरत पड़ी है। यह कानून 10 दिसंबर से लागू हुआ था। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) से वेल्स ने कहा, हम सभी चाहते हैं कि यह व्यवस्था बेहतर तरीके से काम करे, लेकिन बड़ी कंपनियां इसे गंभीरता से नहीं ले रही हैं। सरकार अब

यह जुर्माना बढ़ाकर 6.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर करने जा रही है।

ई-सेफ्टी आयुक्त को मिलेंगे अधिक अधिकार : ऑस्ट्रेलिया सरकार इस सप्ताह संसद में एक मसौदा विधेयक पेश करने जा रही है। सरकार के अनुसार, प्रस्तावित संशोधनों के तहत ई-सेफ्टी आयुक्त जूली इनमैन ग्रांट को भी अधिक अधिकार दिए जाएंगे, ताकि वह यह सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया कंपनियों से आवश्यक जानकारी और दस्तावेज मांग सकें कि वे ऑस्ट्रेलियाई कानून का पालन कर रही हैं या नहीं।

पुतिन के मिसाइल हमलों से दहला यूक्रेन, 12 की मौत; रूस ने औद्योगिक शहरों को बनाया निशाना

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है, जहां युद्ध की आग केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रह गई है। हाल के हुए हमलों में ऊर्जा और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने से न केवल यूक्रेन में बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है, बल्कि रूस के भीतर भी ईंधन संकट पैदा हो गया है।

यूक्रेन में रूसी मिसाइलों का तांडव : रूस की ओर से सोमवार को किए गए भीषण हवाई हमलों ने यूक्रेन के कई शहरों को दहला दिया। ये हमले उस समय हुए जब लोग अपने घरों से बाहर खुले स्थानों पर मौजूद थे, जिसके कारण हताहतों की संख्या काफी अधिक रही है। प्रशासनिक अधिकारियों का मानना है कि मलबे और गंभीर रूप से घायलों की स्थिति को देखते हुए मरने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। सबसे दर्दनाक मंजर

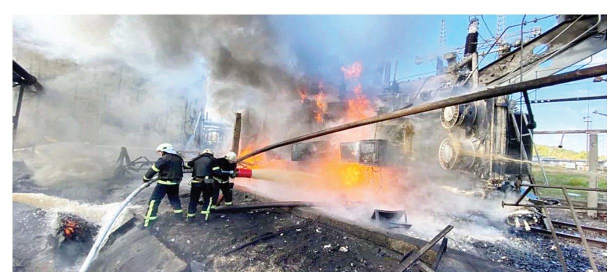

यूक्रेन के निप्रो शहर में देखने को मिला, जहां एक रूसी मिसाइल सीधे एक मिनी बस से जा टकराई। इस हमले में 6 निर्दोष लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 29 अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, यूक्रेन के नियंत्रण वाले जपोरीजिया क्षेत्र में भी रूसी हमलों ने 3 लोगों की जान ले ली, जबकि खार्कीव में एक युवती की मौत और 10 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है।

रूस के भीतर 'तेल का अकाल' : यूक्रेन ने भी इस युद्ध में अपनी रणनीति बदलते हुए रूस के आर्थिक और ऊर्जा केंद्रों पर सीधा प्रहार किया है। यूक्रेनी सेना ने रूस की कई बड़ी रिफायनरियों, तेल-गैस गोदामों और प्रमुख पाइपलाइनों को निशाना बनाया है। इन सटीक हमलों का परिणाम यह हुआ है कि रूस की राजधानी मास्को सहित देश के दक्षिणी हिस्सों और रूसी नियंत्रण वाले क्रीमिया में पेट्रोलियम पदार्थों का गंभीर संकट पैदा हो गया है। रूसी अधिकारियों को मजबूरन इन क्षेत्रों में ईंधन की बिक्री को सीमित करना पड़ा है। यूक्रेन के इन हमलों ने न केवल रूस की घरेलू आपूर्ति व्यवस्था को हिला दिया है, बल्कि उसके अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस निर्यात को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। पुतिन की उच्चस्तरीय बैठक यूक्रेन का आरोप है कि रूस जानबूझकर उसके प्रमुख औद्योगिक शहरों निप्रो, जपोरीजिया और खार्कीव को निशाना बना रहा है ताकि नागरिक सुविधाओं और अर्थव्यवस्था को ध्वस्त किया जा सके। रूस के इन हमलों से यूक्रेन को जान और माल दोनों का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। दूसरी ओर, रूस के भीतर बिगड़ती स्थिति को देखते हुए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक आपातकालीन उच्चस्तरीय बैठक बुलाई। बैठक के दौरान पुतिन ने स्वीकार किया कि तेल ठिकानों पर हमलों के बाद स्थिति काफी मुश्किल' बनी हुई है। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि इस संकट पर जल्द ही नियंत्रण पा लिया जाएगा और इसके लिए सरकार ने युद्धस्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं।

शी जिनपिंग को बगावत का डर या करप्शन पर एक्शन? टॉप अफसरों को हटाने के मायने

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नेशनल पीपल्स कांग्रेस से 6 सीनियर सैन्य अधिकारियों सहित कुल 13 सदस्यों को हटा दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब चीन की सेना पीपल्स लिबरेशन आर्मी में भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के खिलाफ लगातार कार्रवाई चल रही है। एनपीसी की स्थायी समिति की ओर से जारी नोटिफिकेशन में हटाए गए अधिकारियों के खिलाफ विस्तृत कारण नहीं बताए गए, लेकिन माना जा रहा है कि यह कदम शी जिनपिंग के लंबे समय से चल रहे भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा है। हटाए गए सैन्य अधिकारियों में जनरल शू श्वेचियांग, जनरल ली फेंगबियाओ, जनरल गुओ पुशियाओ, वांग कांगपिंग, झांग मिंगहुआ और यिन होंगशिंग शामिल हैं। इनमें से कई अधिकारी पीएलए के विभिन्न थिएटर कमांड, साइबर स्पेस फोर्स और उपकरण विकास विभाग जैसे अहम पदों पर रह चुके हैं। जानकारों का कहना है कि इन अधिकारियों में से कुछ लंबे समय से सार्वजनिक कार्यक्रमों से गायब थे या उनकी गतिविधियों पर पहले से ही सवाल उठ रहे थे, जिससे उनके खिलाफ जांच की अटकलें लगाई जा रही थीं।

भ्रष्टाचार के आरोपों को सार्वजनिक नहीं किया : सैन्य अधिकारियों के अलावा चीन के पूर्व वित्तीय नियामक प्रमुख ली युन्ज़े और पूर्व शिनजियांग पार्टी प्रमुख मा शिंगरुई को भी एनपीसी की सदस्यता से हटा दिया गया। इन दोनों को भी हाल के महीनों में जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ा था। चीन के सरकारी मीडिया ने केवल इतना कहा कि संबंधित निकायों के फैसले के आधार पर इन सदस्यों को हटाया गया है, लेकिन भ्रष्टाचार या अन्य आरोपों डिटेल को सार्वजनिक नहीं किया गया।

जानकारों का मानना है कि यह कार्रवाई केवल भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि सेना और राजनीतिक व्यवस्था में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पकड़ को और मजबूत करने की रणनीति का भी हिस्सा है। 2012 में सत्ता संभालने के बाद से जिनपिंग ने भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत हजारों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कराई है। पिछले कुछ वर्षों में चीन के रक्षा मंत्रालय, सैन्य खरीद प्रणाली, मिसाइल बल और रक्षा उद्योग से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी भी जांच के दायरे में आए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि बीजिंग सैन्य नेतृत्व में पूरी राजनीतिक निष्ठा और जवाबदेही सुनिश्चित करना चाहता है। ताजा कार्रवाई यह दिखाती है कि चीन की सेना में जारी शुद्धिकरण अभियान अभी समाप्त नहीं हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों का कहना है कि लगातार सीनियर अधिकारियों को हटाए जाने से एक ओर भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश जाता है।

डोनाल्ड ट्रंप के दावे को ईरान ने किया खारिज, अमेरिका के साथ दोहा वार्ता अभी टली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ईरान पीस वार्ता को लेकर एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है जिसमें ईरान ने अमेरिका के साथ होने वाली बैठक को सिरे से नकार दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में घोषणा की थी कि दोनों देशों के अधिकारी कतर की राजधानी दोहा में मुलाकात करेंगे। लेकिन ईरान के विदेश मंत्रालय ने इस बात को पूरी तरह से गलत बताया है। यह बयान ट्रंप की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद आया है जिससे नई अनिश्चितता पैदा हो गई है।

ईरान ने स्पष्ट किया है कि अगले कुछ दिनों में अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत का कोई कार्यक्रम निर्धारित नहीं है। हालांकि उनका एक प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह कतर की यात्रा जरूर करेगा लेकिन इसका अमेरिका से कोई लेना-देना नहीं है। इस बयान ने होर्मुज में जहाजों के गुजरने और नाजुक शांति समझौते को लेकर चल रही बातचीत पर पानी फेर दिया है। यह घटनाक्रम कूटनीतिक संबंधों के भविष्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

स्विट्जरलैंड शांति समझौते पर संकट : कुछ ही दिन पहले दोनों देशों के बीच स्विट्जरलैंड में सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए एक महत्वपूर्ण डील हुई थी। ऐसा लग रहा था कि मिडिल ईस्ट में चल रही महाजंग अब खत्म होने की दिशा में आगे बढ़ रही है। लेकिन होर्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर दोनों देशों के बीच फिर से गहरे मतभेद पैदा हो गए। इसके बाद ईरान के नए बयान ने शांति समझौते की लाइफलाइन को काफी कमजोर कर दिया है। ईरान द्वारा उठाए गए कुछ सख्त कदमों के जवाब में अमेरिका ने ईरान के कई शहरों में जमकर बमबारी की थी। इससे दोनों देशों के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया था। परस्पर विरोधी बयानों ने दोनों मुल्कों के बीच कूटनीति के भविष्य को लेकर दुनिया भर में एक नई अनिश्चितता पैदा कर दी है। यह स्थिति वैश्विक शांति और व्यापार के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बनती जा रही है। अमेरिका और ईरान पिछले चार महीने तक चले भयंकर संघर्ष को खत्म करने के प्रयास में जुटे हुए थे। दोनों देश एक 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन को बनाए रखने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसके तहत दोनों देशों ने सैन्य संघर्ष को रोकने और व्यापार के लिए होर्मुज को फिर से खोलने पर सहमति जताई थी। बातचीत रुकने से इन सभी अहम फैसलों के लागू होने पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट करके पूरी दुनिया को चौंका दिया था। उन्होंने दावा किया था कि तेहरान ने खुद अमेरिका के साथ इस शांति बातचीत की गुजारिश की थी। बाद में व्हाइट हाउस ने भी इस अहम बैठक की पुष्टि करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया था।

व्हाइट हाउस ने बताया था कि राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ इस हाई लेवल मीटिंग में हिस्सा लेने वाले थे। उनके साथ जेरेड कुशनर भी शांति वार्ता के लिए कतर की राजधानी दोहा जाने वाले थे। लेकिन ईरान के अचानक आए इस बयान ने अमेरिकी प्रशासन की सभी तैयारियों पर पूरी तरह से पानी फेर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कतर यात्रा पर स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट किया है।

जर्मनी के स्टाड शहर में अंधाधुंध गोलीबारी, 5 लोगों की मौत; 8 महीनों में चौथी बड़ी वारदात

बर्लिन, एजेंसी। यूरोपीय देश जर्मनी एक बार फिर गोलियों की गूंज से दहल उठा है। उत्तरी जर्मनी के स्टाड शहर में सोमवार को हुई मास शूटिंग की एक दिल दहला देने वाली घटना में पांच लोगों की मौत हो गई है। इस हमले के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य संदिग्ध सहित दो लोगों को हिरासत में ले लिया है।

स्थानीय निवासियों में अफरा-तफरी : यह दुखद वारदात स्टाड शहर के डैंकर्सश्ट्रासे इलाके में हुई। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, हमला शहर के केंद्र में स्थित एक युवा केंद्र के पास हुआ, हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इसे 'मदर एंड चाइल्ड शेल्टर' भी बताया जा रहा है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी दी है कि इलाके में काफी देर तक गोलियों की आवाजें सुनाई देती रहीं, जिससे स्थानीय निवासियों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने नागरिकों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की है ताकि आपातकालीन सेवाओं और जांच अभियान में कोई बाधा न आए। फिलहाल, मृतकों की पहचान को लेकर केवल इतना बताया गया है कि मारे गए सभी पांचों व्यक्ति वयस्क थे। घायलों की सटीक संख्या और उनकी स्थिति के बारे में अभी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

आठ महीनों में चौथी बड़ी वारदात : 50 हजार की आबादी वाला स्टाड शहर अब उस सूची में शामिल हो गया है जहां हाल के दिनों में भीषण गोलीबारी हुई है। चिंताजनक बात यह है कि पिछले आठ महीनों के भीतर जर्मनी में मास

शूटिंग की यह चौथी बड़ी घटना है। यह आंकड़ा देश की आंतरिक सुरक्षा और बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

हालिया घटनाओं का सिलसिला: 20 फरवरी 2026: बवेरिया के स्ट्रुलेंडॉर्फ में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

25 जनवरी 2026: बर्लिन के टियरगार्टन में एक पारिवारिक विवाद के दौरान हुई गोलीबारी में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

25 नवंबर 2025: रुतलिंगेन में एक व्यक्ति ने अपनी बहन की हत्या करने के बाद अपने ही दो बच्चों, अपने साथी और अंत में खुद को भी गोली मार ली थी। स्टाड पुलिस का कहना है कि वर्तमान हमले के पीछे का मकसद और परिस्थितियां अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई हैं। मुख्य हमलावर और उसके साथी से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या यह कोई सोची-समझी साजिश थी या किसी व्यक्तिगत रंजिश का परिणाम। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, नई जानकारियां सार्वजनिक की जाएंगी।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.